स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, शुक्रवार
6 जून, 2025
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 11
सं. 2082 वि.
वर्ष 78, अंक - 285 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर *

स्वतंत्र भारत

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

देश में ही बनेगी राफेल विमानों की बॉडी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, नई दिल्ली। फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी डसॉ एविएशन और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने गुरुवार को भारत में राफेल लड़ाकू विमानों की बॉडी (फ्यूजलॉज) बनाने के लिए समझौते का एलान किया। साझेदारी के तहत, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स

डसॉ एविएशन के साथ टाटा समूह की कंपनी का करार

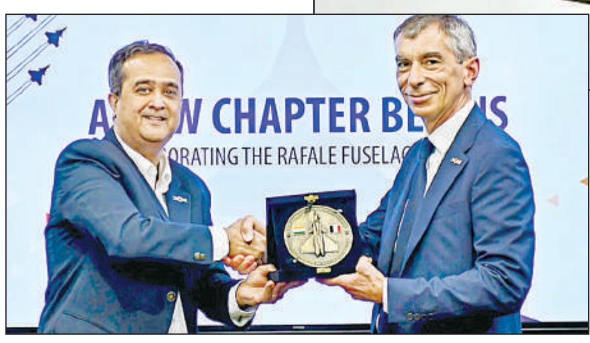

लड़ाकू जेट के प्रमुख हिस्से का उत्पादन करने के लिए हैदराबाद में एक अत्याधुनिक उत्पादन सुविधा स्थापित करेगी।

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने कहा कि पहले फ्यूजलॉज (विमान का धड़) के वित्तीय वर्ष 2028 में असेंबली लाइन से बाहर आने की उम्मीद है। इस सुविधा से हर महीने दो फ्यूजलॉज के आपूर्ति की उम्मीद है। बयान में बताया गया है कि टीएएसएल हैदराबाद में राफेल के प्रमुख संरचनात्मक खंडों के निर्माण के लिए एक अत्याधुनिक उत्पादन सुविधा स्थापित करेगी। इसमें विमान की बॉडी, पूरा पिछला भाग और अगले हिस्से का निर्माण होगा।

टीएएसएल ने कहा कि उसने भारत में राफेल लड़ाकू विमान के ढांचे के निर्माण के लिए डसॉ एविएशन के साथ चार उत्पादन हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। यह देश की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को समर्थन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डसॉ एविएशन के चेयरमैन और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा, पहली बार राफेल की बॉडी का उत्पादन फ्रांस के बाहर किया जाएगा। यह भारत में हमारी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

टीएएसएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व प्रबंध निदेशक सुकरन सिंह ने कहा कि यह साझेदारी भारत की एयरोस्पेस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, भारत में सम्पूर्ण राफेल विमान का निर्माण टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की क्षमताओं में बढ़ते विश्वास तथा डसॉल्ट एविएशन के साथ हमारे सहयोग की मजबूती को रेखांकित करता है।

राम मंदिर में हुई राम दरबार की स्थापना
सीएम योगी ने किया देव विग्रहों का अभिषेक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य और दिव्य मंदिर के परिसर में राम दरबार सहित आठ मूर्तियों की अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरती उतारी। श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य और दिव्य मंदिर के परिसर में आज श्रीराम दरबार समेत आठ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा सुबह 6.30 बजे देवताओं का पूजन शुरू हुआ जो 11.20 बजे तक समाप्त हुआ। प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव अभिजीत मुहूर्त में शुरू हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने हाथों से प्राण प्रतिष्ठा पूजन कर भोग व आरती उतारी।

यह ऐतिहासिक आयोजन गंगा दशहरा के पावन अवसर पर अभिजीत मुहूर्त में सुबह 11.25 से 11.40 बजे के बीच सम्पन्न हुआ। अयोध्या एक बार फिर धार्मिक उत्साह और भक्ति के रंग में रंग गया। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान काशी के विद्वान पं. जयप्रकाश के नेतृत्व में 101 वैदिक आचार्यों द्वारा सम्पन्न कराया गया। जिसमें यज्ञ मण्डप पूजन और अग्नि स्थापना आदि अनुष्ठान हुआ। अधिवास और पालकी यात्रा का आयोजन सम्पन्न हुआ। महर्षि अगस्त्य, वाल्मीकि, विश्वामित्र समेत चारों गुरु की मूर्तियों को स्थापित किया गया है। राम दरबार में भगवान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान समेत विग्रहों की 101 वैदिक आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार पूजा-पाठ करके प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न कराया गया। गंगा दशहरा के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरयू तट पहुंचकर मां सरयू का पूजन-अर्चन किया। माना जाता है कि आज से ही द्वापर युग की शुरुआत हुई थी। रामदरबार सहित आठों मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या नगर निगम के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में अयोध्या के राजाराम आज प्राण प्रतिष्ठित हुए हैं। उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर अयोध्या के राजा राम के रूप में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की गयी है। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम काशी और अयोध्या के विद्वानों के मंत्रोच्चार द्वारा सम्पन्न हुआ है। राजा राम के स्वरूप में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम छह बजे से शुरू कर दिया गया था। अयोध्या के राजाराम की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न होने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामकथा पार्क में अयोध्या नगर निगम के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित नगर उपलब्ध समारोह में उन्होंने भगवान राम के पूर्वज भागीरथी की तपस्या का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना की और कहा कि नमामि गंगे की परियोजना की देन है कि मां गंगा अविरल और निर्मल हैं। उनके तट की क्षमता पूरी दुनिया का पेट भरने के लिये अन्न उत्पादन की है।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज के तट पर आयोजित महाकुंभ के मौके पर देश-विदेश के 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने इसका दर्शन किया। राम मंदिर में राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पांच सौ वर्षों का इंतजार खत्म हुआ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का वैभव वापस लौटा। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर ऐलान किया कि एक से सात जुलाई तक हर जिले में एक अन्य को पुनर्जीवित किया जायेगा और उसके तट पर वृक्षारोपण होगा।

बीजापुर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

एक करोड़ का इनामी नक्सली ढेर

बीजापुर। बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादी सीसी मेम्बर नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधारक को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है। बताया जा रहा है कि नरसिम्हाचलम मूलतः आंधप्रदेश के चिंतापालुदी का रहने वाला है। वह नक्सल संगठन में शिक्षा विभाग के कामों को देखता था। ऑटोमेटिक हथियार बरामद होने की खबर है। मुताबिक इंद्रावती नेशनल पार्क इलाके में नक्सलियों के बड़े कैडर की मौजूदगी की पुख्ता सूचना पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम को अभियान पर रवाना किया गया था। अभियान के दौरान आज सुबह से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। दोनों ओर से हो रही मुठभेड़ में जवानों द्वारा एक नक्सली को मार गिराने व ऑटोमेटिक हथियार बरामद किये जाने की खबर मिल रही है। बीजापुर में आज सुबह से मुठभेड़ जारी है।

मौके से एक ऑटोमेटिक हथियार बरामद किया है। मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़ने की भी संभावना जताई जा रही है। डीआरजी, कोबरा और एसटीएफ के जवान लगातार नक्सलवाद के खिलाफ सर्चिंग ऑपरेशन कर माओवादियों का खात्मा कर रहे हैं। दोनों ओर से रुक-रुक कर फायरिंग जारी है।

देशहित में काम करना पार्टी विरोधी नहीं : थरूर

वॉशिंगटन। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे शशि थरूर ने कहा कि जो लोग ऐसा सोचते हैं कि देशहित में काम करना

कांग्रेस नेताओं की आलोचना पर भड़के सांसद

पार्टी विरोधी है तो उन्हें खुद से सवाल करने की जरूरत है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ थरूर फिलहाल अमेरिका दौरे पर हैं। वहां एक इंटरव्यू में थरूर ने ये बात कही। दरअसल कई कांग्रेस नेताओं ने थरूर पर निशाना साधा है और उन्हें भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताया है। थरूर ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने की अटकलों को भी खारिज कर दिया। एजेंसी को दिए

एक इंटरव्यू में थरूर ने कहा कि जब कोई देश की सेवा कर रहा हो तो मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य चीजों के बारे में बहुत चिंता करने की जरूरत है। मुझे लगता है कि जिसे लगता है कि देशहित में काम करना पार्टी विरोधी है तो उन्हें हमसे सवाल करने के बजाय खुद से सवाल करने की जरूरत है।

सांसद महुआ मोइत्रा ने पिनाकी मिश्रा से रचाई शादी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की दो बार की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने 3 मई को गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। अमेरिकी अखबार द टेलीग्राफ ने इस बात का खुलासा करते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आप इसे दूसरा ऑपरेशन सिंदूर कह सकते हैं, क्योंकि पार्टी और खुद सांसद ने कृष्णानगर की सांसद की शादी के बारे में पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। शादी के बारे में पूछे जाने पर एक अन्य तृणमूल सांसद ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है। टेलीग्राफ ऑनलाइन द्वारा प्राप्त एक तस्वीर में महुआ मोइत्रा को जर्मनी में मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है, वह सोने के गहनों से सजी हुई नजर आ रही हैं।

बैंक धोखाधड़ी : दिल्ली, यूपी हरियाणा में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 190 करोड़ रुपये की कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में बृहस्पतिवार को कई स्थानों पर तलाशी ली। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह मामला श्री सिद्धदाता इस्पात प्राइवेट लिमिटेड और अन्य से संबंधित है जिसमें बैंक ऑफ बड़ौदा (पूर्व में देना बैंक) के साथ धोखाधड़ी किए जाने का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और नोएडा तथा हरियाणा के पानीपत में कम से कम 10 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि ये स्थान कंपनी से जुड़े निदेशकों, प्रवर्तकों, साझेदारों, लेखा परीक्षकों और अन्य कथित षड्यंत्रकारियों से संबंधित हैं जिनकी 190 करोड़ रुपये की कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि संबंधित कंपनी स्टील उत्पादों का निर्माण करती है। ईडी की कार्रवाई को लेकर कंपनी के प्रवर्तकों की प्रतिक्रिया तत्काल नहीं मिल सकी है।

नारी शक्ति : त्रि-सेना की पहली महिला नौकायन यात्रा पूरी

मुंबई। भारत के समुद्री और सैन्य इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। देश की सेना, नौसेना और वायुसेना की महिला अधिकारियों की पहली त्रि-सेना नौकायन यात्रा बुधवार को सफलतापूर्वक समाप्त हो गई। मुंबई से सेशेल्स और फिर वापसी की यह ऐतिहासिक यात्रा करीब 55 दिनों में 3,600 समुद्री मील की दूरी तय कर पूरी की गई।

11 वीरांगनाओं ने 55 दिन में लहरों पर रचा इतिहास

बता दें कि यह यात्रा 7 अप्रैल 2025 को आईएएसवी त्रिवेणी नामक भारतीय नौकायन पोत से शुरू हुई थी और 4 जून को मुंबई स्थित इंडियन नेवल वॉटरमैनशिप ट्रेनिंग सेंटर पर इसका समापन हुआ। इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल एके रमेश ने टीम का स्वागत किया।

टीम में शामिल थीं 11 महिलाएं

इस यात्रा पर गई टीम में 11 महिला अधिकारी शामिल थीं, जिनमें थल सेना से लेफ्टिनेंट कर्नल अनुजा, मेजर करमजीत, मेजर तन्या, कैप्टन ओमिता, कैप्टन दौली और कैप्टन प्राजक्ता; नौसेना से लेफ्टिनेंट कमांडर प्रियंका और वायुसेना से स्क्वाड्रन लीडर विभा, श्रद्धा, आरूवी और वैशाली शामिल थीं। इस यात्रा के दौरान महिला अधिकारियों ने समुद्र की कठिन परिस्थितियों, मौसम की अनिश्चितता, उपकरणों की समस्या और थकान जैसे कई चुनौतियों का साहस और टीम भावना से सामना किया। साथ ही इसके साथ ही सेशेल्स में टीम ने कई राजनयिक और रक्षा कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, जिनमें देश के विदेश मंत्री, रक्षा प्रमुखों से मुलाकात और भारत के उच्चायुक्त के साथ बातचीत शामिल रही। इससे भारत-सेशेल्स संबंधों को मजबूती मिली और यह यात्रा सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी का प्रतीक भी बनी।

रक्षा मंत्रालय ने बताया नारी शक्ति का प्रतीक

इस मौके पर रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा महिला सशक्तिकरण (नारी शक्ति) का प्रतीक है और भारतीय सेनाओं में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है। साथ ही, यह तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और संयुक्त संचालन की मिसाल है। गौरतलब है कि इस दल का चयन सेना, नौसेना और वायुसेना की संयुक्त चयन प्रक्रिया से किया गया, जिसमें 41 में से केवल 11 अधिकारी चुनी गईं। चयन में शारीरिक सहनशक्ति, मानसिक दृढ़ता, नेतृत्व क्षमता और नौकायन कौशल की कड़ी परीक्षा ली गई।

गहराया ट्रेड वॉर : जिनपिंग का ट्रंप के साथ मुलाकात से इंकार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, नई दिल्ली। टैरिफ वॉर, युद्ध और वैश्विक खींचतान के बीच दुनिया की दो बड़ी आर्थिक महाशक्तियों (अमेरिका और चीन) के राष्ट्रपति यानी डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की संभावित मुलाकात पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। कुछ हफ्तों से ये चर्चा चल रही है कि दोनों नेता टैरिफ पर तकरार खत्म करने के लिए मुलाकात कर सकते हैं और ट्रेड वॉर को खत्म कर सकते हैं लेकिन अब इसमें ट्विस्ट आ गया है। चीन ने इस तरह की मुलाकात से इनकार कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अब चीनी राष्ट्रपति अमेरिकी समकक्ष से मिलने को इच्छुक नहीं हैं। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के अधिकारी रश दोशी के हवाले से न्यूजवीक ने बताया है कि यूक्रेन और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपतियों के साथ वाइट हाउस में हुए खराब व्यवहार और हालिया विवादों का हवाला देते हुए बीजिंग शी जिनपिंग को इस जोखिम में डालना नहीं चाह रहा है।

'सरकार केंद्रीय वक्फ परिषद को और मजबूत व जवाबदेह बनाने का कर रही प्रयास'

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि सरकार केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) को और अधिक मजबूत और समुदाय की सेवा में जवाबदेह बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने हाल ही में पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 का उल्लेख किया, जो वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए कानूनी और प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए किरेन रिजिजू ने ये बातें कही है। यह आयोजन नई दिल्ली स्थित केंद्रीय वक्फ भवन में हुआ। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार अल्पसंख्यक संस्थानों, खासकर वक्फ परिषद को सशक्त बनाने और पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने घोषणा की कि उम्मीद नाम के केंद्रीय पोर्टल को 6 जून को लॉन्च किया जाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण और पंजीकरण होगा, जिससे पारदर्शिता और सुचारु संचालन सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि देशभर में 9 लाख से अधिक वक्फ संपत्तियों की जानकारी इस पोर्टल पर दर्ज की जाएगी, और राज्य सरकारों व वक्फ बोर्डों से इसमें सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

बंगलूरू भगदड़ मामले में आरसीबी पर दर्ज हुई एफआईआर

बंगलूरू। बंगलूरू भगदड़ मामले में आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), डीएनए (इवेंट मैनेजमेंट कंपनी) और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) की प्रशासनिक समिति और अन्य के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई है। एफआईआर में भगदड़ की घटना में आपराधिक लापरवाही की

केएससीए की प्रशासनिक समिति के खिलाफ भी हुई शिकायत

बात कही गई है। समाचार एजेंसी एएनआई ने गुरुवार को बताया कि इस मामले में धारा 105, 125 (1)(2), 132, 121/1, 190 आर/डब्ल्यू 3(5) के तहत शिकायत दर्ज की गई है।

बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई

भगदड़ की मजिस्ट्रेट जांच की जा रही है। इस जांच का नेतृत्व कर रहे बंगलूरू शहरी उपायुक्त (डीसी) जी जगदीश ने गुरुवार को कहा कि कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पुलिस आयुक्त बी दयानंद को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम का निरीक्षण किया, जहां बुधवार को भगदड़ मची थी। जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

बंगलूरू पुलिस कमिश्नर समेत अधिकारियों पर गिरी गाज

बंगलूरू में एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत और 50 से ज्यादा लोगों के घायल होने पर कर्नाटक सरकार की तरफ से बड़ी कार्रवाई की गई है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा, कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर, स्टेशन हाउस मास्टर, स्टेशन हाउस ऑफिसर, एसीपी, सेंट्रल डिवीजन डीसीपी, क्रिकेट स्टेडियम प्रभारी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

लखनऊ में ढाई साल की मासूम से हैवानियत

माता-पिता के पास सो रही बच्ची को उठा ले गया आरोपी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश की राजधानी में एक सनसनीखेज वारदात हुई। आलमबाग मेट्रो स्टेशन की नीच एक ढाई वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दरिंदों ने हैवानियत की। बच्ची अपने माता-पिता के पास सो रही थी। तब अज्ञात दरिंदों ने उसे अगवा कर लिया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद बच्ची को सड़क किनारे फेंक दिया गया, जहां एक दिव्यांग व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी। उसने बच्ची के मां-बाप को जगाया, जो घटना स्थल से महज 50 मीटर दूर सो रहे थे। उन्हें क्या पता था कि उनकी लाडली के साथ इतना बड़ा हादसा हो गया है। बच्ची को तुरंत लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां से पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) मध्य आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपितों को चिन्हित किया जा रहा है। उन्नाव निवासी पिता ने बताया कि वह कबाड़ का काम करता है और अपनी गर्भवती पत्नी, बेटी और ससुर के साथ रहता है। बीते कुछ दिनों से वह काम के बाद आलमबाग मेट्रो स्टेशन के नीचे सोने लगा था। बुधवार देर रात ढाई से तीन बजे के बीच जब वह अपनी ढाई वर्षीय बेटी के साथ सो रहा था, तभी एक अज्ञात विकलांग व्यक्ति ने उसे जगाया और बताया कि उसकी बच्ची सड़क किनारे पड़ी हुई है। यह सुनते ही वह और उसकी पत्नी भागकर मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी बेटी को खून से लथपथ पाया। उन्होंने तुरंत अपनी बेटी को उठाया और खून रोकने के लिए कुछ उपाय किया। बावजूद इसके खून नहीं बंद हुआ तो उसे लोकबंधु अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने बताया कि बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है और उसकी हालत गंभीर है। डाक्टरों ने बच्ची को केजीएमयू रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

आरोपियों को तलाश रही पुलिस की पांच टीमें

प्रदेश की राजधानी में हुए इस सनसनीखेज दुष्कर्मकांड ने सबके होश उड़ा दिए। जिस किसी ने भी घटना के बारे में जाना, मानो उसके पैरों तले जमीन खिसक गयी हो। माता-पिता के साथ सो रही मासूम को अगवा कर रेप की घटना ने जहां एक तरफ कानून व्यवस्था को कड़ी चुनौती दी है, वहीं दूसरी तरफ इंसानियत को भी शर्मसार किया है। डीसीपी ने बताया कि आरोपितों को पकड़ने के लिए पांच टीमों को गठन किया गया है। दो टीमें लगातार सीसी कैमरे खंगाल रही है, ताकि जल्द ही आरोपितों की गिरफ्तारी की जा सके। पुलिस का दावा है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

पाक नागरिक को सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली। देश की शीर्ष अदालत ने गोवा में लॉन्ग टर्म वीजा पर रह रहे पाकिस्तानी नागरिक की याचिका पर सुनवाई की। पाकिस्तानी नागरिक के

'तो फिर वापस चले जाओ'

वीजा रद्द करने के खिलाफ डाली थी याचिका

वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता 2016 से गोवा में रह रहा है, लेकिन केंद्र सरकार ने अचानक से एक दिन पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद कर उन्हें वापस जाने के लिए कह दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिर वापस चले जाओ। दरअसल पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिए। इसमें पाकिस्तानी नागरिकों को जारी वीजा रद करने का फैसला भी शामिल था। गोवा में रह रहे पाकिस्तानी नागरिक ने अदालत ने याचिका लगाकर इस फैसले का विरोध किया था। याचिका को अर्जेंट मैटर के तौर पर दाखिल किया हया। यह मामला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ के समक्ष पहुंचा। अदालत के यह कहने पर कि आप वापस चले जाए, वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता वापस चला जाएगा, लेकिन उसकी बात सुनी जा सकती है। इसके बाद अदालत ने पूछा कि याचिकाकर्ता ने अधिकार क्षेत्र वाले हाईकोर्ट का रुख क्यों नहीं किया। इस पर वकील ने जवाब दिया कि पुलिस याचिकाकर्ता के पास आई थी।

एसडीएम ने मिट्टी खनन कर रही एक रेपर मशीन व एक ट्रैक्टर ट्राली पकड़ी

क्षेत्र में खनन की परौर पुलिस को भनक तक नही एसडीएम द्वारा पुलिस को सूचना दी गई

कलान। थाना परौर क्षेत्र में चल रहे मिट्टी खनन को एसडीएम अभिषेक प्रताप सिंह ने मौके पर जाकर एक रेपर मशीन व एक ट्रेक्टर ट्राली को खनन करते हुये पक? लिया।एसडीएम को कई दिन से परौर क्षेत्र में खनन की सूचना मिल रही थी।रैपर मशीन व ट्रैक्टर ट्राली को सीज कर परौर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।इस ब?ी कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है।मिट्टी खनन की सूचना पर एसडीएम कलान ने थाना परौर क्षेत्र के गांव खजुरी के समीप गढ़ी मोड़ पर मिट्टी खनन करते हुए पक? लिया।इससे पूर्व में उपनिरीक्षक

प्रांजल यादव ने इसी मशीन व चार ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ कर सीज कर दिया था।जो कि उन्हें बहुत महंगा पड़ा।अभी लगभग एक सप्ताह पहले ही मशीन व ट्रैक्टर ट्राली को छोड़ा गया था लेकिन फिर भी खनन माफिया खनन करने से बाज नहीं आ रहे हैं।प्रशासन को खुलेआम चुनौती देकर खनन कर रहे हैं।क्षेत्र में लगातार खनन हो रहा है परौर पुलिस को इसकी भनक तक नहीं।जब एसडीएम ने मशीन पकड़ी तो उसकी सूचना पुलिस को दी तो पुलिस मौके पर पहुंची। उधर जब इस सम्बन्ध में एसडीएम कलान अभिषेक प्रताप सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि खजुरी गांव के समीप गढ़ी मोड़ पर मिट्टी खनन हो रहा था।जिसमें एक रेपर मशीन व एक ट्रेक्टर ट्राली को पकड़ कर सीज कर दिया गया है और रिपोर्ट जिले पर दे दी गयी है।

एएनएम एवं आशा पर ग्राम पंचायत में लापरवाही करने आरोप

पुवायां। तहसील पुवाया की विकासखंड बंडा की ग्राम पंचायत राय टांडा में इन दिनों आशा एवं एनम की लापरवाही सामने आई है क्योंकि गर्भवती महिलाओं के प्रति उनका व्यवहार अच्छा नहीं है क्योंकि इसी गांव के रहने वाले आशीष पुत्र रविंद्र कुमार ने जिलाधिकारी को संबोधित पत्र प्रेषित किया है जिसमें एनम एवं आशा पर गर्भवती महिलाओं के प्रति गंभीर न होने का आरोप लगाया है आशीष कुमार ने बताया कि हमारी पत्नी ६ माह से गर्भवती है लेकिन एनएम एवं आशा ने कोई भी सहायता नहीं की क्योंकि पत्नी के खून भी कम है इस बाबत जब एनम से वार्ता की उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं के लिए ऊपर से कुछ भी नहीं मिलता है जो मिलता है वह हम देख रहे हैं और खून की यदि कमी है तो जाओ और मार्केट से दवाई ले लो और आशीष ने बताया कि यदि हम अमीर होते तो आशा और एनम के चक्कर क्यों लगाते हैं। आशीष ने ग्राम पंचायत में तैनात आशा और एनम के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। जबकि सरकार से गर्भवती महिलाओं के लिए कई तरह की दवाइयां एवं खाद्य सामग्री आती है लेकिन केंद्र पर बटते नहीं और बाजार में बिक जाते हैं इस लिये,इनके खिलाफ जांच कर कार्रवाई होनी चाहिए। इस संबंध में जब आशा एवं एनम से वार्ता करनी चाही उनका फोन नहीं रिसीव हुआ फिर से इसलिए वार्ता नहीं हो सकी।

पर्यावरण दिवस पर कांग्रेसियों ने लगाए पेड़

पुवायां। पर्यावरण दिवस के मौके पर कांग्रेस पीसीसी सदस्य अरुणोद मिश्रा, नवीन शुक्ला,आनंद आर्य,अनिल श्रीवास्तव,राजीव राजे,निर्भय, सुरेश चंद्र,जितेंद्र कुमार मिश्रा, उमेश चंद्र पांडे,जगदीश प्रसाद,रंजीत वर्मा, आयुष कुमार,बबलू पाल आदि लोगों ने मिलकर बड़ागांव के एक इंटर कॉलेज में पौधारोपण किया और उन पौधों को संरक्षित करने की जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन को दी।

कोतवाली में सीओ और कोतवाल ने लगाए पेड़

पुवायां। पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण को सुरक्षित रखने और उसे बचाये रखने के लिए पेड़ लगाने की मुहिम के तहत पुवायां कोतवाली में क्षेत्राधिकारी निष्ठा उपाध्याय और कोतवाल हरपाल सिंह बालियान ने कोतवाली कैंपस में पौधारोपण किया इस दौरान सीओ निष्ठा उपाध्याय ने पुलिस कर्मियों से कहा जो पेड़ आज लगाए गए हैं उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी हम लोगों की है पेड़ लगा देने से ही जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती है जो पेड़ हम लगाते हैं उसका जीवन बचाना और उस पेड़ को बड़ा करना भी हमारी ही जिम्मेदारी है इस दौरान कोतवाली में अपराध निरीक्षक राकेश सिंह,दरोगा करतार सिंह, यतेंद्र पाल,विपुल मलिक,धर्मेंद्र सिंह, अनिरुद्ध, सूरज आदि स्टाफ ने एक-एक पेड़ लगाया। वहीं कोतवाली में मौजूद स्टाफ ने अपने द्वारा लगाए गए पेड़ों की सुरक्षा करने की भी जिम्मेदारी भी ली है।

गंगा दशहरा के पावन पर्व पर गंगा भक्तों ने शरबत और भंडारे का आयोजन कर पुण्य कमाया

मिर्ज़ापुर-शाहजहांपुर(स्वतंत्र भारत)। कस्बे में गंगा प्रेमियों ने मां गंगा के अवतरण दिवस गंगा दशहरा के पावन पर्व पर जगह जगह शरबत वितरण कर राहगीरों और गंगा स्नान जाने व आने वाले श्रद्धालुओं की प्यास बुझाई। इस अवसर पर कुशवाहा हीरो बाइक एजेंसी के संबंधित प्रतिष्ठान देहली मोटर साइकिल वर्क्स के स्वामी वीरेंद्र सिंह व नरेंद्र सिंह कुशवाहा बंधुओं ने भंडारे का आयोजन किया। भंडारे का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार शैलेन्द्र पाण्डेय दीपक ने गंगाजल से भरे कलश का पूजन कर किया। कस्बे में मुरादाबाद-फर्रुखाबाद स्टेट हाइवे, ढाईघाट रोड,बहेरिया रोड पर गंगा भक्तों ने शरबत के स्टाल लगाकर हर आने जाने वाले राहगीर को शरबत पिलाकर प्यास बुझाई। श्याम मेडिकल स्टोर के संबंधित प्रतिष्ठान श्याम कोल्ड ड्रिंक एजेंसी के स्वामी मनोज कुमार पाण्डेय, शिवम पांडे व मन्नू पाण्डेय ने राहगीरों को कोल्ड ड्रिंक पिलाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। ढाईघाट रोड पर डॉ डीके पंकज,मां वैष्णो खाद एवं बीज भंडार के स्वामी प्रेमशंकर पांडेय, सौरभ पांडेय व विकास पाण्डेय, बबलू गुप्ता, रामचंद्र सिंह मेमोरियल डिग्री कॉलेज के प्रबंधक अनिरुद्ध यादव, वीरेंद्र यादव,परविंदर सिंह यादव आदि ने स्टाल लगाकर शरबत वितरण कर मां गंगे का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कोतवाली परिसर में बनेंगे ३२ पुलिस आवास

१ करोड़ ४७ लाख से कीमत से होगा आवासों का निर्माण

तिलहर-शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)। कंट्रेक्शन कंपनी ने सीओ व कोतवाल के सानिध्य में की भूमि पैमाईश । पुलिस महकमे में पुलिस अधीक्षक द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के चलते विभाग की ओर से प्रथम चरण में तिलहर कोतवाली में १ करोड़ ४७ लाख की लागत से चार मंजिला भवन में ३२ पुलिस आवास बनाए जाने के मद्देनजर कंट्रेक्शन कंपनी द्वारा सीओ व कोतवाल के सानिध्य में भूमि की पैमाईश की गई । गौरतलब है कि कोतवाली में लंबे अरसे पूर्व बने पुलिस कर्मियों के आवास जर्जर होने की रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक द्वारा नए आवास बनाए जाने हेतु विभाग को प्रस्ताव भेजा गया था । उक्त प्रस्ताव को स्वीकृति देने के साथ ही प्रथम चरण में ३२ आवास बनाए जाने को विभाग द्वारा हरि झंडी दे दी गई । इसी तारतम्य में गुरुवार को पुलिस विभाग की कंट्रेक्शन कंपनी की टीम कोतवाली पहुंची । और सीओ ज्योति यादव व कोतवाल राकेश कुमार सिंह के सानिध्य में टीम ने भूमि की पैमाईश की।

९ महीने से फरार चोरी के आरोपी को पुलिस ने तमंचा सहित गिरफ्तार किया

पुवायां। चोरी करने के बाद फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने तमंचे के साथ मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया है। पुवायां कोतवाल हरपाल सिंह बालियान को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि बद्रीपुर हदीरा से सुनारा खुर्द जाने वाले मार्ग पर एक व्यक्ति खड़ा है सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया जिसने अपना नाम पवन उर्फ पम्मा पुत्र प्रेमपाल निवासी ग्राम सुनारा बुजुर्ग बताया पकड़े गए आरोपी के पास से पुलिस में एक बारह बोर का तमंचा और् एक जिंदा कारतूस और चोरी से संबंधित ४२० रुपए भी बरामद किए हैं पुलिस पूछताछ में आरोपी पवन ने बताया कि आसाराम के घर मैंने चोरी की थी जिसमें मुझे झाले और् खगोरिया मिला था जिसमें झाले ६००० रूपये और् खगोरिया १५०० रूपये में चलते फिरते व्यक्ति के हाथ में बेच दिए जिसमें मेरे पास ४२० रुपए बचे थे जो की पकड़े जाने के दौरान दरोगा जी ने मेरे पास से बरामद किए हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक हटाने का अभियान चलाया

शाहजहांपुर। पर्यावरण दिवस के अवसर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय मौजमपुर विकास क्षेत्र ददरौल तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय निजामपुर गौटिया विकास क्षेत्र ददरौल शाहजहांपुर में बच्चों ने एक पेड़ मां के नाम रोपित किया तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का भी उपयोग न करने का संदेश दिया । बच्चों ने गांव में पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए रैली निकाली । जिसमें उन्होंने गांव वालों को आवाहन किया कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें और सामान लाने के लिए घर से कपड़े का झोला लेकर जाएं । इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार गुप्ता एसआरजी शाहजहांपुर ने बच्चों को बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक ऐसी प्लास्टिक जिसका उपयोग हम केवल एक बार करते हैं और फेंक देते हैं इससे धरती की मिट्टी का उपजाऊपन कम हो जाता है यह प्लास्टिक देर में गलती है यह हमारे लिए हानिकारक है । इसलिए हमें इसका उपयोग नहीं करना चाहिए । श्रीमती अर्चना देवी ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी अपने गांव में सिंगल यूज प्लास्टिक हटाने के संदेश दिए । और समुदाय का आवाहन किया कि वे भी अपनी मां के नाम एक पेड़ का अवश्य लगाएं ताकि इस धरती पर सभी को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध हो सके । पेड़ों की कमी से पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है । हम विकास के लिए बहुत से कार्य करते हैं जिसके कारण हमें पेड़ों को काटना पड़ता है लेकिन हमें उससे भी अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

कांग्रेस से जुड़ने का किया आवाहन

शाहजहांपुर। कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत महिला कांग्रेस की विस्तारित जिला कमेटी की बैठक मोहल्ला किला में की गई। जिसमें महिला कांग्रेस के अब तक हुए कार्यों की समीक्षा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर महिलाओं को जागरूक कर उनको महिला कांग्रेस से जोड़ने के लिए अभियान चलाए जाने पर जोर दिया गया। समीक्षा बैठक उपरांत नुक्कड़ सभा में अभियान के कोर्डिनेटर जयंत गौतम का स्वागत किया गया। सभा में जयंत ने कहा कि आगामी २०२७ में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने हेतु अपनी रणनीति पर कार्य कर रही है।महिला कांग्रेस अध्यक्ष अर्चना वाल्मीकि ने कहा कि महिलाओं से झूठे वादे कर सत्ता में आई केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकारों में सबसे ज्यादा अत्याचार, बलात्कार महिलाओं पर ही हो रहे है। उन्होंने लोगों से आव्हान किया कि कांग्रेस से जुड़े तभी कुछ बदलाव हो सकता है। आओ लौट चलो कांग्रेस की ओर क्योंकि व्याप्त निराशा है चहुंओर। संचालन फुरकान अहमद कुरैशी ने किया।इस दौरान फरीद अली खान, सईद अंसारी, रामजी अवस्थी, रफी उल हसन,अनिल श्रीवास्तव,शाहिना खातून,संजना आदि मौजूद रहे।

रामगंगा में श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

मिर्ज़ापुर/ परौर -शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)। दशहरा पर्ब पर रामगंगा में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी। हर हर गंगे का किया उद घोष। दशहरा के पर्व पर क्षेत्र की महिला पुरुषों ने भारी संख्या में हर-हर गंगा के उद्घोष के साथ लगाई आस्था की डुबकी ।इस मौके पर दुकानदारों की खूब बिक्री हुई श्रद्धालुओं ने राम गंगा के घाट पर सत्यनारायण स्वामी की कथा का आयोजन कराया। बच्चों का महिलाओं ने मुंडन कराया तथा क्षेत्र के लोगों ने राम गंगा में स्नान करके पुन्य कमाया। गंगा स्नान में क्षेत्र के बच्चे महिला पुरुष भारी संख्या में शामिल रहे। रामगंगा के मेले में उप निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह पुलिस बल के साथ मेला समाप्ति होने तक मौजूद रहे।

बिजली चोरी में पांच पर मुकदमा, एक लाख २० हजार का जुर्माना

तिलहर। बृहस्पतिवार को उच्च अधिकारियों के निर्देशन में एसडीओ हरेंद्र कुमार के नेतृत्व में शाम चार बजे नगर में राजस्व बसूली चेकिंग अभियान चलाया! जिसमें नगर के मोहल्ला ईमली, मौजमपुर, और बहादुरगंज के पांच उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।और बकाया उपभोक्ताओं से करीब १२०००० राजस्व वसूला गया। एसडीओ हरेंद्र कुमार ने नगर क्षेत्र अंतर्गत समस्त विद्युत उपभोक्ताओं से समय से विद्युत बिल जमा करने विद्युत चोरी करना दंडनीय अपराध के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मेड़ के विवाद में अधेड़ घायल

मिर्ज़ापुर/परौर -शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)। मे ? के विवाद में अधे ? घायल। प्रभारी निरीक्षक को दिया शिकायती प्रार्थना पत्र। थाना प्रभारी निरीक्षक परौर को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में ग्राम मई खुर्दकला निवासी ४५ वर्षी विनोद कुमार ने बताया कि उसका मारूसी खेत गांव के पृथ्वीराज किए हुए हैं। बटाईदार ने धान की पौध डालने के लिए खेत जुतवाया था। खेत की मिट्टी गांव के आसाराम, बहोरन,अनिल कुमार, प्रदीप की मेड़ पर गिर गई। इसी बात को लेकर उपरोक्त लोग आए और मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देने लगे। गालियों का विरोध करने पर लाठी डंडों लात घूसों से मारा पीटा। पीड़ति ने उपरोक्त लोगो के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

विद्युत व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग

कांट। त्योहार के अवसर पर विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए अधिकारियों ने झूलते एवं जर्जर तारों को ठीक कराया। नगर पंचायत के मोहल्ला सैयद वाला स्थित विद्युत लाइन के लटकती जर्जर तारों को विद्युत विभाग की जे ई अजीत कुमार एवं एसडीओ हीरालाल की उपस्थिति में बिजली कर्मचारियों ने तारों को ठीक किया ताकि ईद उल अजहा के त्योहार पर बिजली व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे।

चुप्पी तोड़ हल्ला बोल कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई

शाहजहांपुर। समाधान अभियान एवं इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड के साझा प्रयास चुप्पी तोड़ हल्ला बोल कार्यक्रम के अंतर्गत टाउनहॉल स्थित एक रेस्टोरेंट में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। जिसमे बताया गया कि जनपद में आने वाले समय में पाक्सो रेट में गिरावट लाने के लिए बचाव एवं रोकथाम को जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। संस्था डायरेक्टर सौम्या द्विवेदी ने बताया कि जिले के सदर थाना में एनसीपीसीआर बाल आयोग एवं सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के अनुसार बाल मित्र केंद्र की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन १४ जून को एसपी राजेश द्विवेदी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसपी से जब वार्ता की तब उन्होंने इस कोशिश की सराहना की और हर थाने में बाल मित्र केन्द्र खोलने की बात कही। हरदोई, सिद्धार्थनगर, गोरखपुर के बाद शाहजहांपुर में बाल मित्र केंद्र की शुरूआत हो रही हैं, इसके बाद लखनऊ की ओर बढ़ेंगे। संस्था द्वारा जो जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं, वह मनोवैज्ञानिक रूप से अनुसंधान के उपरांत ही लोगों तक पहुंचाए जा रहे हैं। समाधान अभियान ने सन २०१५ से बच्चियों के लिए कार्य कर रही। अभी तक चुप्पी तोड़ हल्ला बोल कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग ५ लाख लोगों को जागरूक किया जा चुका है । जिन बच्चों के साथ कोई हादसा हो गया होता है उनको मनोवैज्ञानिक चिकित्सा एवं न्यायिक सहायता पहुंचाने में संस्था कार्यरत रहती। बाल मित्र केन्द्र के माध्यम से परिवार व दोस्तों से अलग न करके बच्चियों की साइकोलॉजिकल काउसलिंग की जाती है। वही रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत मदद भी दिलवाई जाती है।राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोवैज्ञानिक चिकित्सक डा. अभिनव रस्तोगी द्वारा संस्था की तरफ से मनोवैज्ञानिक सहायता पहुंचाने का कार्य करेंगे।

शोसल साइट्स पर गालियां बकना पड़ गया भारी

शाहजहांपुर। सदर बाजार पुलिस ने सोशल मीडिया पर अनुसूचित जाति के खिलाफ अपमानजनक वीडियो पोस्ट करने वाली संध्या देवी उर्फ स्वीटी गुप्ता को गिरफ्तार किया।आरोपी पर एससी/एसटी एक्ट लगाया गया। ५ जून २०२५ को बैंक ऑफ बड़ौदा, बाडूजई के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर मोबाइल फोन जब्त किया गया। क्षेत्राधिकारी नगर विवेचना कर रहे हैं। अभियुक्ता को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जाएगा। नगर क्षेत्र में रहने वाली इस महिला द्वारा दी जा रही गालियों का वीडियो वायरल हो रहा था। इसके विरोध में कई सामाजिक संगठनों ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर इस महिला के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की थी।

किसानों के हितों में है प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना

किसान संपदा योजना को अपना कर उपज का अधिक लाभ प्राप्त करें

शाहजहांपुर। केन्द्रीय सेक्टर की सम्पदा स्कीम कृषि समुद्री उत्पाद प्रसंस्करण, कृषि प्रसंस्करण समूहों के विकास के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना भारत सरकार ने प्रारम्भ किया है, जो उत्तर प्रदेश में भी संचालित है। यह योजना एक व्यापक पैकेज है, जो खेत से लेकर खुदरा बिक्री केन्द्रों तक दक्ष आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन के साथ आधुनिक अवसंरचना का सृजन करती है। इससे प्रदेश में न केवल खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की वृद्धि को तीव्र गति प्राप्त हो रही है. बल्कि यह किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने तथा किसानों की आय को दोगुना करने, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के भारी अवसरों का सृजन करने, कृषि उपज की बर्बादी में कमी लाने, प्रसंस्करण तथा प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात के स्तर को ब?ाने की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना के अन्तर्गत किसानों को ब? स्तर पर लाभ पहुँचाना ही इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। किसानों को आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर मिले, किसान अपनी उपज का सही प्रबन्धन कर सकें, उपज को समय पर बाजार पहुँचा सके और ब? स्तर पर काम कर नये-नये रोजगार के अवसर पैदा कर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है। अक्सर यह पाया गया है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का सही विकास न होने से कृषि उपजों का न तो भण्डारण हो पाता है और न ही प्रोसेसिंग में कोई मदद मिल पाती है। इस योजना के तहत कोल्ड चेन और एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर बनाकर किसानों को ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाना ही इस योजना का मकसद है। इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश में मेगा खाद्य पार्क सेन्टर आफ एक्सीलेंस बनाया जा रहा है। जहां विभिन्न खाद्य वस्तुएँ अनाज फल-सब्जियों आदि का संग्रह केन्द्र, प्राथमिक प्रसंस्करण केन्द्रों पर इकाइयों की स्थापना की जा रही है। इसमें कोल्ड चेन, वैल्यू एडिशन और संरक्षण इन्फ्रास्ट्रक्चर की योजना का उद्देश्य खेत से उपभोक्ता तक बिना किसी ब्रेक के एकीकृत कोल्ड चेन और संरक्षण संरचना प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण/संरक्षण क्षमता का सृजन/विस्तार निर्माण तथा इकाइयों का आधुनिकीकरण किया जाता है। एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण भी किया जायेगा। देश में इण्डो-इजराइल तकनीक से बनाये गये सेन्टर आफ एक्सीलेंस में उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। इस योजना में कच्चे माल की उपलब्धता और बाजार के साथ लिंक कर बैकवर्ड एण्ड से फारवर्ड लिंकेज के निर्माण के लिए कार्य होते हैं। इस योजना से खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन इन्फ्रास्ट्रक्चर की सुविधा हो रही है, जहां से खाद्य उत्पाद खाद्य सुरक्षा नियामक द्वारा निर्धारित मापदण्ड को पूरा करेंगे। प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना के क्रियान्वयन से खेत के मेड से लेकर रिटेल आउटलेट तक कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन के साथ आधुनिक बुनियादी ढाँचे का निर्माण हो रहा है। इससे प्रदेश देश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास को ब?ावा मिलेगा और अच्छी गुणवत्ता की खाद्य वस्तुओं के उत्पाद से निर्यात ब?ेगा। इस योजना से प्रदेश के किसानों की आय में ब?ोत्तरी व प्रदेश के राजस्व में ब?ोत्तरी होगी। प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजनान्तर्गत प्रदेश में स्थापित होने वाली खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों को भारत सरकार द्वारा स्वीकृत अनुदान राशि का १० प्रतिशत अधिकतम ५० लाख की सीमा तक अतिरिक्त पूंजीगत निवेश अनुदान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना के अन्तर्गत प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल प्रयासों से भारत सरकार द्वारा खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेशकों को परियोजनाओं की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिनमें निवेश प्रारम्भ हो गया है इनमें लाखों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होगा तथा प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को आधुनिकतम अवस्थापना सुविधायें प्राप्त होगी।

धरती की हरियाली ही हम सभी की खुशहाली

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले में हुए विभिन्न कार्यक्रम

शाहजहांपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला गंगा समिति, वन एवं वन्य जीव प्रभाग व माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना विषयक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन प्रभागीय एवं गंगा सभागार में किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनु सिंह, द्वितीय स्थान राजकुमार वर्मा व तृतीय स्थान युवराज सिंह ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वन विभाग कार्यालय पर वृक्षारोपण कर किया गया। उप प्रभागीय वन अधिकारी डॉ सुशील कुमार ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कभी भी घर बनाने के लिए पे? न काटे, वृक्ष मानव जीवन के साथ वनीय जीव जंतु के लिए भी आवश्यक है जो प्रकृति को संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। जिला युवा अधिकारी माय भारत मयंक भदौरिया ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है इनके बिना जीवन अधूरा है, अत: एक वृक्ष लगाना सौ शुभ कार्य के समान हैं। डीपीओ नमामि गंगे डॉ विनय कुमार सक्सेना ने संचालन करते हुए कहा कि प्रकृति को हरा भरा रखना हमारा नैतिक और मानवीय कर्तव्य भी है, यह प्रकृति के प्रति सच्ची श्रद्धा का समर्पण भी हैं। तकनीकी सलाहकार जी आई जेड अविरल सक्सेना ने कहा कि धरती की हरियाली ही हमारी खुशहाली है। भारत के साथ आज अनेक देश वृक्ष और प्रकृति को बचाने का कार्य कर रही हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रूपक श्रीवास्तव ने कहा आप सभी बच्चे कही भी कोई पे? अगर उख?ता देखे तो उसे सही करके पानी अवश्य डाले। क्षेत्रीय वनाधिकारी शत्रुघ्न प्रसाद ने भी सभी को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर डी एस ग्रुप ऑफ कंप्यूटर ट्रेंनिंग इंस्टीट्यूट नवादा इन्देपुर शाहजहांपुर के संचालक अनूप सिंह कुशवाहा व सह-संचालक देव सिंह कुशवाहा, एम आर सिंधिया पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राएं समेत धनंजय सिंह, जितिन, नेहा सिंह, सुरभि सिंह, अलका सिंह, रंजना सिंह, हिमांशु सक्सेना, अंकित, नबील,गुफरान, गोविंद, विभिन्न माय भारत स्वयंसेवक व वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। ददरौल में एक पेड़ मां के नाम के साथ-साथ ददरौल के मौजमपुर तथा निजामपुर गौटिया में सिंगल यूज प्लास्टिक हटाने का अभियान भी चलाया गया। पर्यावरण दिवस के अवसर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय मौजमपुर विकास क्षेत्र ददरौल तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय निजामपुर गौटिया विकास क्षेत्र ददरौल शाहजहांपुर में बच्चों ने एक पेड़ मां के नाम रोपित किया तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का भी उपयोग न करने का संदेश दिया । बच्चों ने गांव में पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए रैली निकाली । जिसमें उन्होंने गांव वालों को आवाहन किया कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें और सामान लाने के लिए घर से कपड़े का झोला लेकर जाएं । इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार गुप्ता एसआरजी शाहजहांपुर ने बच्चों को बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक ऐसी प्लास्टिक जिसका उपयोग हम केवल एक बार करते हैं और फेंक देते हैं इससे धरती की मिट्टी का उपजाऊपन कम हो जाता है यह प्लास्टिक देर में गलती है यह हमारे लिए हानिकारक है । इसलिए हमें इसका उपयोग नहीं करना चाहिए । अर्चना देवी ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी अपने गांव में सिंगल यूज प्लास्टिक हटाने के संदेश दिए और समुदाय का आवाहन किया कि वे भी अपनी मां के नाम एक पेड़ का अवश्य लगाएं ताकि इस धरती पर सभी को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध हो सके । पेड़ों की कमी से पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है । हम विकास के लिए बहुत से कार्य करते हैं जिसके कारण हमें पेड़ों को काटना पड़ता है लेकिन हमें उससे भी अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

घर से बछिया को उठा ले गया तेंदुआ, बनाया निवाला

पास की झाड़ियों में मिला बछिया का अधखाया शव

खुटार। घर में बंधी बछिया को तेंदुआ को उठा ले गया। और उसे अपना निवाला बना डाला। सुबह बछिया को अपनी जगह बंधा न देखकर उसकी तलाश की गई। बछिया का अधखाया शव घर की कुछ दूरी पर झाड़ियों में मिला। क्षेत्र के गांव गढ़िया सरेली निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि उसके पिता मुन्ना लाल गांव के किनारे बने घर में रहते है। और वह अपने परिवार के साथ गांव में पुराने घर में रहता है। उसके पिता ने नए घर में पशुओं के बांधने के लिए झोपड़ी डाल रखी है। बुधवार रात खाना खाने के बाद उसके पिता मुन्ना लाल, मां सुशीला देवी, बहन हंसमुखी और बहन की पुत्री अंशिका घर में सो गए। झोपड़ी में गाय व बछिया बंधी थी। मुन्ना लाल ने सुबह पांच बजे उठकर देखा तो बछिया नही थी। बछिया को बांधी जाने वाली आधी रस्सी वहीं मौजूद थी। मुन्ना लाल ने परिजनो व ग्रामीणों को जानकारी दी। मुन्ना लाल के साथ मिलकर ग्रामीण बछिया की तलाश करने लगे। घर से कुछ दूरी पर बाग के किनारे झाड़ियों में बछिया का अधखाया शव मिला। मुकेश कुमार ने वन विभाग व पुलिस को तहरीर दी। बताया कि उसके घर में बंधी बछिया को तेंदुआ रात में किसी समय घसीट कर ले गया और उसे अपना निवाला बना डाला। मौके पर तेंदुआ के पगचिन्ह व बछिया के घसीटने के निशान भी मिले। सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पगचिंह ट्रेस किए। बताते चलें कि चार दिन पूर्व भी खुटार गोला रोड महुरैया गांव में बाघ द्वारा बछड़े पर हमला किया गया था हो हल्ला होने पर बाघ बछड़े को जख्मी हालत में छोड़कर भाग गया था। उधर विगत २३ मई को भी बाघ ने गांव छापाबोझी के किसान के ऊपर हमला किया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। बताते चलें कि क्षेत्र में अलग-अलग जगहो पर आए दिन तेंदुआ व बाघ की लगातार चहल कदमी से ग्रामीणों में दहशत है। क्षेत्र के गांव रायपुर पटियात, गढ़िया सरेली, सलनहा, छापाबोझी जसवंत नगर, बनकटा सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों के किनारे ही बाघ अपनी चहल कदमी करता नजर आ रहा है। लेकिन वन विभाग बाघ को आबादी क्षेत्र से खदे ?ने की जरूरत नहीं समझ रहा है वह कोई बड़ी अप्रिय घटना का इंतजार कर रहा है। ग्रामीणों व किसानों का वन विभाग के प्रति काफी रोष फैलता जा रहा है। खुटार वन क्षेत्राधिकारी मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि मौके पर वन विभाग की टीम को भेजा गया गया। टीम ने पगचिन्ह ट्रेस किए है। तेंदुआ को जंगल में खदेड़ने के लिए वन विभाग की टीम कांबिंग करेगी। ग्रामीणों को सचेत रहने को कहा गया है।

पुलिस सुरक्षा में कोटे की बैठक

कांट शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)। बरुआ खुर्द ग्राम पंचायत में राशन कोटा की दुकान का नया प्रस्ताव समूह द्वारा भेजा गया। पूर्व कोटेदार द्वारा त्यागपत्र देने के बाद यह प्रस्ताव भेजा गया है। ब्लॉक के गांव बरुआ के कोटेदार ने कुछ समय पहले इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद गुरुवार को पुलिस की मौजूदगी में समूह की एक बैठक हुई। जिसमें दो लोगों का विधिवत रूप से राशन कोटे की दुकान के लिए प्रस्ताव पारित कर भेजा गया है। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से अपराध निरीक्षक सत्य सिंह एवं पीपरोला चौकी इंचार्ज कुलदीप सिंह मौजूद रहे।

गंगा दशहरा पर राजीव चौक पर वितरित किया गया शरबत

पुवायां। जेठ के महीने में हो रही गर्मी में लोगों ने गंगा दशहरा के अवसर पर राजीव चौक के पास शरबत वितरण कार्यक्रम किया । शरबत वितरण के पूर्व भक्तों ने बालाजी और शंकर पार्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर फूल माला पहनकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान बृजेश पांडे ,वागेश पांडे मुकेश पांडे, रजनीश पाल,नीरज कश्यप, रीता देवी,मोहित, सौरभ दिवाकर पांडे, आविद उर्फ खट्टर, राहुल वर्मा, नमन गुप्ता, हंसराम, विनीत कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

तिलहर। ग्रामीण युवक द्वारा एक दस वर्षीय बालक के साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में पीड़ित पिता की ओर से युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है । पुलिस ने बालक का चिकित्सीय परीक्षण कराया है । कोतवाली क्षेत्र के एक ग्रामीण ने दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि गांव हाथगांव निवासी कुल्फी नामक युवक ने सोमवार दिन में दो बजे उसके १० वर्षीय बेटे को आम का लालच देकर खेत में लेजाकर दुष्कर्म किया । कोतवाल राकेश कुमार सिंह ने बताया कि दुष्कर्म मामले में आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर घटना की जांच कराई जा रही है । पीड़ित बालक का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है

धान की पौध दवा डालकर किया नष्ट करने का आरोप

सेहरामऊ दक्षिणी। थाना क्षेत्र के गांव पंथी के रहने वाले दीनदयाल ने आरोप लगाया है कि बह लगभग १० सालों से खेत को ठेके पर लेता आया है। पिछले वर्ष मालिक ने यह खेत दूसरे को ठेके पर दिया था फिर वापस ले लिया। इससे आरोपी नाराज है। आरोपियों ने तैयार ११ बीघा धान की पौध को दवा डालकर नष्ट कर दिया है। पौध को तैयार करने में लगभग ५०,००० की लागत आई थी। पीड़ित ने थाने पर तहरीरदेकर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है तहरीर के आधार पर पुलिस जांच कर रही है

छत से गिरकर मजदूर घायल

तिलहर। बृहस्पतिवार को एक मजदूर छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया इलाज को सीएचसी में भर्ती कराया! डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के गांव जन्यूरी निवासी लेखराज सुबह नगर के मोहल्ला भक्सी के एक मकान में मजदूरी कर रहे शाम करीब ५:०० बजे छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए !इलाज को सीएचसी में भर्ती कराया डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

थाना रामचंद्र मिशन में पीस कमेटी की हुई बैठक

भावलखेड़ा। थाना रामचंद्र मिशन परिसर में ईद उलअजहा के उपलक्ष में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के तमाम संभ्रांत नागरिक परिसर में मौजूद रहे। बैठक में नगर निगम के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। थाना अध्यक्ष ने त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कोई भी नई परंपरा ना डालने का आवाहन किया।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सेहरामऊ दक्षिणी। थाना क्षेत्र के पंथी गांव निवासी छोटेलाल उम्र लगभग २४ वर्ष ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छोटेलाल मजदूरी करता था परिवार वालों के अनुसार युवक शराब का आदी था। बीती रात युवक ने परिवार के साथ भोजन किया और घर के बाहर बनी झोपड़ी में सोने चला गया। सुबह लगभग ५ बजे पिता राजेंद्र ने झोपड़ी की लकड़ी में अगौछे से छोटेलाल को लटकते देखा तो शोर मचाया। परिवारी जनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक के घर में कोहराम मचा हुआ है।

बरमदेव थान तोड़ने पर ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

तिलहर-शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)। कोतवाल ने खेत स्वामी को थान जस का तस बनबाने की दी हिदायत। एक गांव के समीप खेत में बरम देव के थान को तोड़े जाने पर ग्रामीणों में आक्रोश पनप गया । दोनो पक्ष कोतवाली पहुंचे । कोतवाल ने ग्रामीणों की भावनाओं का वास्ता देकर खेत स्वामी को थान को जस का तस बनावाने की हिदायत दी। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के समीपस्थ खेत में बरम देव के थान को तोड़े जाने की प्रधान की सूचना पर एसआई प्रमोद कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे । इस दौरान गांव की महिलाएं तथा पुरुष भी वाहन एकत्र हो गए । पुलिस ने खेत स्वामी उपदेश गुप्ता को मौके पर बुलवाकर ग्रामीणों की शिकायत रखी । इस पर श्री गुप्ता ने कहा कि उनकी किसी की भावनाएं आहत करने की कोई मंशा नहीं है । बल्कि वह पीपल वृक्ष को बिना नुकसान पहुंचाए थान का जीर्णोद्धार करवाना चाहते थे । इस लिए सफाई करवाई है । इस पर तमाम ग्रामीण थान तोड़े जाने का आरोप लगाते हुए आक्रोशित हो उठे । दोनो पक्ष कोतवाली पहुंचे और कोतवाल राकेश कुमार सिंह को समस्या बताई । इस पर कोतवाल ने खेत स्वामी को थान जस का तस बनवाने की हिदायत दी ।

बकरीद पर नहीं पड़ेगी नयी परंपरा

थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक में शांतिपूर्वक त्यौहार मनाने की अपील

निगोही। थाना परिसर में आगामी त्यौहारों को देखते हुए वरिष्ठ नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक आहुत की गई जिसमें त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की गई। शांति बैठक के दौरान नायब तहसील दार मो० रिजभान ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि सभी लोग त्योहार को भाईचारे के साथ मनाएं और कहीं भी कोई नई परंपरा ना डाली जाए और कुर्बानी के बाद जो अबशेष बचते हैं उनको गड्ढा खोदकर दफना दें साथ ही कहा कहीं भी कोई व्यक्ति त्यौहार में खलल डालने की कोशिश करता है! इसकी शिकायत तत्काल ही ११२ नंबर पुलिस में अवगत करायेंगे। जिससे उसका समय पर समाधान हो सके। इसी क्रम में थाना प्रभारी अशोक सिंह ने कहा कि त्यौहार आपसी भाईचारे का प्रतीक है। जिसे सभी मिलजुल कर मनायें और जहां जिस तरीके से नमाज का टाइम हो वहां उसी तरीके से अदा की जाए कुर्बानी के दौरान कोई भी व्यक्ति मांस अभिषेक इधर-उधर नहीं फेंकेगा। जिससे अशांति का माहौल पैदा हो किसी भी व्यक्ति ने माहौल बिगड़ने का कोशिश की तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी !इसी के साथ उन्होंने कहा कि बकरीद के दिन पुलिस फोर्स पूरी तरीके से अलर्ट रहेगा और मस्जिदों व ईदगाहों पर ड्यूटी तैनात रहेगी और जिस किसी को किसी प्रकार की समस्या हो बह तत्काल हमारे नंबर पर सूचित करें जिससे उसका मौके पर निस्तारण कराया जा सके! बैठक में पत्रकार बन्धु नहीं पहुंचे, क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

एसडीएम के निर्देश पर कुड़रा में निपटा नाली खंजड़ा विवाद

तहसीलदार ने भूमि पैमाइश कर पुनः विकास कार्य कराया शुरु

जलालाबाद-शाहजहाँपुर (स्वतंत्र भारत)। ग्राम प्रधान छोटेलाल वर्मा द्वारा पुनः खंजड़ा नाली निर्माण कार्य कराए जाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था जिसमें उप जिलाधिकारी दुर्गेश यादव के निर्देशानुसार तहसीलदार व राजस्व विभाग की टीम द्वारा मौके पर जाकर भूमि पैमाइश कर समस्या का निस्तारण कर दिया गया है जिसमें दोनों पक्षों की रजामंदी भी हो गई है पूर्व में इस कार्य को एक पक्ष के लोगों ने रुकवा दिया था। विकास खंड जलालाबाद की ग्राम पंचायत कुड़रा ता. पेहना स्थित गांव में कुछ लोगों द्वारा ग्राम पंचायत द्वारा कराए जा रहे काम को रुकवा दिया था, खंजड़ा व नाली कार्य किया जा रहा था काफी दिन मामला पेंडिंग में रहने के बाद कटरा विधायक वीर विक्रम सिंह द्वारा दिए गए पत्र एवं ग्राम प्रधान के प्रार्थना पत्र का संज्ञान लेते हुए उप जिलाधिकारी दुर्गेश यादव ने तहसीलदार पैगाम हैदर की उपस्थिति में राजस्व विभाग की टीम गठित कर समस्या के निस्तारण किये जाने के निर्देश दिये थे जिसमें मौके पर पहुंचे तहसीलदार पैगाम हैदर ने गाटा संख्या ३०९ जो कि बतौर श्रेणी ६ मिट्टी निकालने के स्थान के रूप में अभिलेखों में दर्ज है। स्थल पर दोनों पक्षों की उपस्थिति में पैमाइश कर चिन्हांकन कर दिया गया है स्थल पर खंजर नाली का विवाद पानी के निकास को लेकर दोनों पक्षों में अब कोई विवाद नहीं रहा है ग्राम वासियों की उपस्थिति में दोनों पक्षों में समझौते के आधार पर पानी के निकास हेतु नाली एवं खंजड़ा आदि का निर्माण कार्य होना शुरू करवा दिया गया है।

ईदगाह में ७:१५ बजे होगी ईद की नमाज: मौलाना रिजवान

कस्बे की विभिन्न मस्जिदों में अलग-अलग टाइम पर ईद की नमाज अदा की जाएगी

जलालाबाद-शाहजहाँपुर (स्वतंत्र भारत)। ईद-उल-अद्हा की नमाज कस्बे के निकटवर्ती गांव गुनारा के रक्बे में स्थित ईदगाह में शनिवार को प्रातः ७:१५ बजे ईद की नमाज अदा की जाएगी। यह जानकारी ईदगाह के इमाम आलिम, मौलाना मोहम्मद रिजवान खान ने मीडिया को दी उन्होंने बताया कि ईद शांति और खुशी का त्योहार माना जाता है और कुर्बानी साहिबे निसाब पर फर्ज है उन्होंने कहा कि जिन पर कुर्बानी फर्ज है उन्हें कुर्बानी अवश्य करना चाहिए।

ईद के त्यौहार को परंपरागत तरीके से मिलजुल कर मनाने की अपील की उन्होंने मिलाते इस्लामिया से दरख्वास्त करते हुए कहा कि शांति व्यवस्था और भाईचारे को कायम रखें। साथ ही उन्होंने कहा कि ईद की नमाज ईदगाह में ७:१५ पर अदा की जाएगी। इसके अलावा विभिन्न मस्जिदों में भी ईद की नमाज होगी सख्त हिदायत करते हुए उन्होंने सड़कों व गलियों में नमाज पढ़ने से लोगों को मना किया है। कस्बे की अलग-अलग मस्जिदों में ईद की नमाज अलग-अलग टाइम के अनुसार पढ़ी जाएगी जिसमें जामा मस्जिद में ७:३०, केले वाली मस्जिद में ७:२०, चौपाल वाली मस्जिद व मदीना मस्जिद व खजूर वाली मस्जिद में ७:००, बरगद वाली मस्जिद में ६:३०, सरायं में चौधरी वाली मस्जिद में ६:४५, खिरनी वाली मस्जिद में ७३०, दरगाह हजरत निजाम शाह बर्री रहमतुल्लाह अलैह की मस्जिद एवं १२ पत्थर वाली मस्जिद में सुबह ८:०० बजे ईद-उल-अद्हा की नमाज होगी। समाचार लिखे जाने तक शहीद अहमद यार खान वाली मस्जिद वर्कजई का समय निश्चित नहीं किया जा सका था, ईद-उल-अद्हा के खूबसूरत मौके पर मौलाना आलिम रिजवान खान ने तमाम पहले वतन को ईद की मुबारकबाद पेश की है।

कुर्बानी का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला तो होगी कार्रवाई : सीओ

रोजा थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित

रोजा-शाहजहांपुर। बकरीद को लेकर पुलिस-प्रशासन सतर्क हो गया है। कोई अफवाह न फैलाए और कुर्बानी की वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर न करे। इसकी निगरानी के लिए पुलिस की टीमें सक्रिय रहेंगी। इसके अलावा नई परंपरा पर कार्रवाई होगी। एसडीएम सदर संजय पांडे का कहना है कि जिन स्थानों पर पूर्व से कुर्बानी होती आ रही हैं वहीं कुर्बानी की जाएगी। कोई नए स्थान पर कुर्बानी नहीं होगी। शनिवार को बकरीद होनी है इस दौरान पुलिस प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारी सतर्क रहेंगे। शांति व्यवस्था को लेकर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई जा रही है। ईद उल जुहा को लेकर रोजा थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई ७ सीओ सदर प्रयांक जैन ने बताया कि शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने के लिए हिदायत दे दी है। थाना व चौकी स्तर पर भी पीस कमेटी की बैठक आयोजित कराई जा रही हैं। नई परंपरा नहीं डालने की हिदायत दी है। साथ ही सोशल मीडिया पर कुर्बानी की वीडियो शेयर नहीं करने के लिए कहा है। जिससे माहौल शांतिपूर्ण बना रहे। यदि कोई माहौल खराब करने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर तहसीलदार सदर, थाना प्रभारी राजीव कुमार, क्राइम इंस्पेक्टर गंगा सिंह सहित मुस्लिम समाज के तमाम प्रतिनिधि व ग्राम प्रधान मौजूद थे।

गर्रा पुल की लोड टेस्टिंग का काम जारी

भावलखेड़ा। लखनऊ, दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हरदोई बाईपास और बरेली मोड के बीच गर्रा नदी पर ५ वर्षों के बाद पुल का निर्माण जगदीश शरण कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा पूरा किया गया। जिसके बाद पुल की भार क्षमता मापने को चार ट्रकों में १७० टन पत्थर भरकर लोड टेस्ट परीक्षण किया गया ।परिणाम संतोष जनक न आने पर पुल की ताइवानी सेंसरों के द्वारा वर्टिकल लोड टेस्टिंग कराने के लिए ताइवानी सेंसर लगाने का काम बुधवार दोपहर बाद से शुरू किया गया। बृहस्पतिवार शाम तक पुल के नीचे १० सेंसर लगाए जा चुके थे। इन सेंसरों को दिल्ली आईआईटी से ऑपरेट किया जाएगा। सेंसर मशीन को विद्युत सप्लाई देने के लिए एक सोलर पैनल लगाया गया हैं। मशीन के अंदर मौजूद बैटरी २४ घंटे बिना किसी अवरोध के लोड टेस्टिंग का सारा डाटा ऑनलाइन आईआईटी को भेजती रहेगी। जहां आईआईटी के इंजिनियर और शोध करने वाले छात्र भी सेंसर के काम को देखेंगे। सेंसर लगाने के लिए दिल्ली आईआईटी और मुंबई आईआईटी से इंजीनियर आए है। आईआईटी दिल्ली से सीईओ रोहित गोगना और आईआईटी दिल्ली से इंजीनियर सिद्धांत गुप्ता,प्रशांत यादव के अलावा टीम कई लोग शामिल हैं। रोहित गोगना के द्वारा सेंसरों का इंस्टालेशन किया जा रहा हैं। प्रोजेक्ट मैनेजर विवेक कुमार ने बताया अभी तक पुल के नीचे सेंटर पर बने पोर्टल व पाइल कैप जो फाउंडेशन के मेंबर हैं। १० सेंसर लगाए जा चुके हैं। सेंसर का काम पूरा होने के बाद पुल के ऊपर ५ ट्रकों में पत्थरों को भरकर और ५०० बोरी मिट्टी को भरकर कुल ४०० टन लोड डाला जाएगा। जो सात दिन तक एक ही स्थान पर बना रहेगा ।सेंसरों को आईआईटी दिल्ली की टीम दिल्ली से ही ऑपरेट करेंगी सात दिनों के बाद जब अप्रूवल रिपोर्ट आने के बाद पुल को आम जनमानस के लिए खोल दिया जाएगा।

गौशाला और पीएम श्री विद्यालय का निरीक्षण

अल्हागंज। नगर पंचायत अल्हागंज के मोहल्ले मे साफ सफाई एवं पीएम श्री विद्यालय की निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल एवं गौशाला निरीक्षण गुरुवार सुबह पहुंचकर किया। इस दौरान मौहल्लों की गलियों में जगह-जगह कुड़ा कचरा मिला। गौशाला में नहीं मौजूद मिले गों-पालक,बस स्टॉप पर बना प्रधानमंत्री सुविधा का भी निरीक्षण किया। संतोष जनक मिली व्यवस्थाएं। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह अचानक एसडीएम जलालाबाद दुर्गेश यादव के साथ नायब तहसीलदार रोहित कठेरिया नगर पंचायत अल्हागंज के द्वारा निर्माण कराई जा रही बाउंड्री वाल निरीक्षण करने पहुंचे। जिसके बाद उन्होंने ने साहुकारा, मेवाती ,ब्रह्मनान, पीरगंज के मोहल्ले की गलियों में साफ- सफाई की व्यवस्था को देखा। इन मौहल्लों की गलियों में एसडीएम जलालाबाद को सुबह सुबह गंदगी देखने को मिली। पीरगंज- ब्रह्मनान में नालियों में कुड़ा जमा हो जाने के कारण गंदा पानी रोड़ पर ओवरफ्लो होकर बहता दिखाई दिया। एसडीएम जलालाबाद मौहल्ला ब्राह्मनान स्थित गौशाला का निरीक्षण करने पहुंचे जहां उन्हें एक भी गौ पालक मौजूद नहीं मिला।कलम पथ पर कूड़ा पड़ा मिला। बस स्टॉप चौराहे पर नगर पंचायत द्वारा बनबाये गया प्रधानमंत्री महिला सुविधा केंद्र का भी निरीक्षण किया। महिला पुलिस बूथ पर नहीं मौजूद मिला कोई कर्मचारी। वहीं एसडीएम जलालाबाद में बताया है कि सुबह के समय निरीक्षण किया गया था जिसमें पीएम श्री विद्यालय की निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल एवं मोहल्ले की साफ सफाई का जायजा लिया गया था जिसमें कुछ जगह कूड़ा मार्ग पर पड़ा मिला जिसको सफाई कर्मियों के द्वारा उठाए जा रहा था। पीरगंज में नालियों से पानी बहता मिला। जिसको ईओ के के द्वारा दिखवाया जा रहा है ओवरऑल निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली।

१० लोगों के विरुद्ध के युवती के अपहरण का केस दर्ज

कलान(स्वतंत्र भारत)। एक पिता ने अपनी २३ वर्षीय बेटी के अपहरण का मामला दर्ज कराया है ।पीड़ित पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी १९ मई २०२५ को मिर्जापुर स्थित श्री रामचंद्र सिंह मेमोरियल डिग्री कॉलेज में एडमिशन के लिए गई थी ।युवती अपने मामा के घर नरसुईया थाना कलान में मेहमानी पर आई थी ।शाम तक जब वह घर नहीं लौटी तो उनके मामा ने २५ मई को थाना मिर्जापुर में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई ।पिता ने थाने पर दर्ज कराए मुकदमे में बताया कि अर्पित दीक्षित उर्फ सूर्या और राजन दीक्षित पुत्र राधेश्याम दीक्षित,गुड्डी पत्नी राधेश्याम, रागिनी और मधु पुत्रियां राधेश्याम जो हरदोई के नया गांव के निवासी हैं उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गए। इसके अलावा अमन दीक्षित पुत्र सतीश दीक्षित,सुशील तिवारी,आदेश तिवारी,राखी तिवारी और कुसुम तिवारी सुनेहरा गांव निवासी भी इस मामले में शामिल हैं। पुलिस ने पिता की शिकायत पर सभी १० आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।पिता का कहना है कि उन्हें जानकारी मिली है कि उनकी बेटी इन्हीं लोगों के कब्जे में है।

पौधरोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित की गई पर्यावरण संगोष्ठी

पुवायां-शाहजहांपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डाक बंगला परिसर पर जीवन धारा और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता अभियान पर्यावरण संगोष्ठी के उपरांत औषधीय पौधों का रोपण किया गया। जिसमें दी जेंटलमैन साइकिल क्लब ने भी सहयोगी की भूमिका निभाई। कार्यक्रम संयोजक पर्यावरण प्रेमी डॉ प्रदीप वैरागी ने कहा कि प्लास्टिक मुक्त समाज की स्थापना करने के लिए पर्यावरण जन जागरण अभियान से आम जनमानस को जोड़ना होगा। क्योंकि जब तक पर्यावरण के प्रति आम जनमानस में रुचि जागृत नहीं होगी तब तक पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की परिकल्पना को साकार करना बहुत ही कठिन है।

पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की मुहिम को साकार रूप प्रदान करने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय डाक बंगला परिसर में बेल और अमरूद के पौधों का रोपण करके उनके संरक्षण और संवर्धन पर जोर देने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण से अधिक अनिवार्य है पौधों का संरक्षण करना जिस प्रकार हम बच्चों का लालन-पालन करते हैं उसी प्रकार पौधों की भी देखभाल करनी चाहिए। अक्सर लोग पौधरोपण करने के बाद उनका संरक्षण करना भूल जाते हैं जिन्हें पशु चर जाते हैं या पानी और पर्यावरण विपरीत होने के कारण में सूख जाते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ प्रदीप कटियार मैं कहा कि जन्मदिन के अवसर पर हमें अन्य उपहार देने के बजाय पौधे उपहार में देना चाहिए जिससे यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहे और पर्यावरण का संरक्षण होता रहे। इस अवसर पर दी जेंटलमैन साइकिल क्लब के अध्यक्ष एडवोकेट सुबोध कुमार वर्मा, शिक्षक दिनेश कुमार, सभासद मदनपाल, बिजेंद्र प्रजापति, आशीष कुमार, योगाचार्य कृष्णा शंकर, , अखिलेश अग्निहोत्री शशि आदि ने भी पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार रखे। आभार पर्यावरण प्रेमी डॉक्टर प्रदीप वैरागी ने व्यक्त किया।

डीएम ने किया नवीन पुनर्निर्मित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा का शुभारंभ

शाहजहाँपुर। बैंक ऑफ ब?ौदा की विकास भवन शाखा, शाहजहाँपुर के नवीन रूप से पुनर्निर्मित परिसर का गुरूवार को प्रातः १०:०० बजे भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह रहे। इस अवसर पर बैंक के बरेली अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख प्रतीक अग्निहोत्री, क्षेत्रीय प्रमुख दीपक कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख राहुल प्रताप सिंह तोमर, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) आर. आर. तिवारी, एवं शाखा प्रबंधक अंजू गुप्ता भी उपस्थित रहे। इनके साथ-साथ जिला प्रशासन तथा बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण की उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की। यह शाखा शाहजहाँपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के ठीक सामने स्थित है, जिससे यह एक अत्यंत सुगम, प्रमुख स्थान पर अवस्थित होती है। बैंक ऑफ ब?ौदा द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के साथ वेतन खाता संचालन हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता संपादित किया गया है, जिसके अंतर्गत यह शाखा विशेष रूप से पुलिस कर्मियों को समर्पित सेवाएँ प्रदान कर रही है।नवीन रूप से विकसित शाखा में ग्राहकों की सुविधा और सुलभता को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। वातानुकूलित एवं आधुनिक इंटीरियर के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजन के लिए पृथक काउंटर तथा रैंप की व्यवस्था की गई है। २४×७ एटीएम सेवा उपलब्ध कराई गई है, जो ग्राहकों की निरंतर आवश्यकताओं को पूरा करती है। पुलिस विभाग के कर्मचारियों के लिए एक विशेष सेवा डेस्क स्थापित किया गया है, ताकि उन्हें बैंकिंग से संबंधित सभी सेवाएँ सहजता से उपलब्ध हो सकें। इसके अतिरिक्त, कृषि, एमएसएमई एवं खुदरा ऋण सेवाओं हेतु समर्पित अधिकारी तैनात किए गए हैं, जो इन क्षेत्रों में वित्तीय सशक्तिकरण को ब?ावा देंगे। डिजिटल और पारदर्शी बैंकिंग सेवाओं को ब?ावा देते हुए बैंक ने आधुनिक तकनीकी समाधानों को भी प्रमुखता दी है। इस उद्घाटन समारोह में सभी उपस्थित अतिथियों ने शाखा की नवीन सुविधाओं, सेवा भावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की सराहना की। विश्वास व्यक्त किया गया कि इस नवसज्जित शाखा के माध्यम से ग्राहक सेवा के स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा और यह शाखा क्षेत्र में बैंकिंग सेवा का एक उत्कृष्ट केंद्र सिद्ध होगी। बैंक ऑफ ब?ौदा सदैव अपने ग्राहकों को उत्कृष्ट बैंकिंग अनुभव प्रदान करने तथा समाज के विविध वर्गों विशेष रूप से सुरक्षा बलोंकृ के साथ सहयोग हेतु प्रतिबद्ध रहा है और भविष्य में भी इसी सेवा संकल्प के साथ अग्रसर रहेगा।

वारंटी गिरफ्तार

तिलहर-शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)। बृहस्पतिवार के लिए पुलिस टीम ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर मुखबिर की सूचना पर वारंटी को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव भूरे खा गोटिया नई बस्ती निवासी मोहम्मद मुरादी को हाईवे स्थित सरायू पुलिया के पास से गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम एसआई रोहित कुमार ,कांस्टेबल योगेंद्र कुमार ,नवीन कुमार मौजूद रहे।

भाकियू ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

तिलहर-शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)। तहसीलदार को भारतीय किसान मजदूर यूनियन राष्टवादी के तहसील अध्यक्ष प्रमोद कुमार वर्मा के नेतृत्व में किसानों व मजदूरों की समस्याओं जैसे आवारा गौवंश पकड़वाने ,बंदर को पकड़वाकर जंगल छुड़वाने,सड़क निर्माण ,विरासत दर्ज कराने,नाम संबोधित कराने से संबंधित १० सूत्रीय मांग पत्र उपजिलाधिकारी के नाम संबोधित तहसीलदार जय प्रकाश यादव को सौंपा।तहसीलदार महोदय ने जल्द समस्याओं का समाधान कराने का भरोसा दिया।इस मौके पर तहसील महा सचिव धीर सिंह,तहसील उपाध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा,नेत्र पाल मौर्य,वीर सिंह ,जुगेंद्र कुमार,सुरेश,राजीव यादव,आदि लोग मौजूद रहे

गंगा दशहरा पर किया गया शरबत वितरण

तिलहर-शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)।गुरुवार को ज्येष्ठ के गंगा दशहरा के उपलक्ष्य में गांव और कस्बा में शर्बत का वितरण किया गया। नगर के बिरियागंज, निजामगंज,पूर्वी तिराहा, फतेहपुर गैसरा,एवं राजनपुर में शर्बत वितरण हुआ । फतेहपुर गैसरा में मंदिर पर गुरुवार को शर्बत वितरण हुआ। इस दौरान संजीव शास्त्री ,सचिन,अंकित ,अमित ,अर्पित,पुजारी आदि मौजूद रहें।

आईटीआई आनलाईन प्रवेश की तिथि बढ़ी

पांच से बढ़ाकर बीस जून की गई

रोजा-शाहजहांपुर। आईटीआई में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश के निजी व सरकारी आईटीआई संस्थानों में प्रवेश के लिए आनलाईन आवेदन की प्रक्रिया को सत्राह दिन के लिये बढ़ा दिया गया है। प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया को अब पांच से बाईस जून कर दी गई है। जो भी उम्मीदवार आईटीआई संस्थानों में प्रवेश की इच्छा रखते हैं, वे अपना आवेदन राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर जमा कर सकते हैं। आईटीआई रोजा के प्रधानाचार्य नागेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश आईटीआई प्रवेश के लिए आवेदन की ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि पांच जून तक थी, जिसे अब बढ़ाकर आवेदन की आखिरी तारीख बाईस जून तक निर्धारित की गई है। योग्य और इच्छुक उम्मीदवार आखिरी तारीख से पहले ही जल्द से जल्द अपना आवेदन पूरा कर लें।

जीवन में एक पौधा लगाकर करें अपनी मां को समर्पित : उर्मिला

आकांक्षा पब्लिक इंटर कालेज में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

शाहजहपुर। आकांक्षा पब्लिक इंटर कालेज मैं विश्व पर्यावरण दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सरकार द्वारा चलाई गई मुहिम एक पेड़ मां के नाम आगे बढ़ाई गई । स्कूल के बच्चों ने एक पौधा लगाया जिसे अपनी मां को समर्पित किया और यह प्रतिज्ञा ली कि हम जीवन भर इस पौधे की देखभाल करेंगे कार्यक्रम में विद्यालय की प्रबंधक महोदय श्रीमती उर्मिला सक्सेना जी ने भी बच्चों को पौधों की उपयोगिता और आगे आने वाले समय में पौधे हमारे जीवन में क्या उपयोगिता और महत्वता रखते हैं उसके विषय में बताया साथ ही १०१ पौधों का वितरण किया गया । प्रधानाचार्य स्मिता सक्सेना ने भी बच्चों को पौधों से संबंधित सभी जानकारी दी व उन्हें यह समझाया कि किस तरह से हमें पौधों की देखभाल करनी है तथा साथ ही यह बताया कि इस मुहिम का उद्देश्य अधिक से अधिक पौधे लगाना व मां की तरह ही उनकी रक्षा और उनकी देखभाल करना है। आगे आने वाले समय में जिस तरह से पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है और धीरे-धीरे ऑक्सीजन की कमी हो रही है और पानी की कमी हो रही है, पेड़ पौधे ही उनसे हमारी रक्षा कर सकते हैं । इसीलिए इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक पौधों का वितरण किया गया और बच्चों को यह निर्देश दिए गए कि आपको इनकी रक्षा करनी है और यदि खुला मैदान हो तो छायादार बड़े वृक्ष और यदि आप घर में ही बगीचे में लगा रहे हैं तो फूलदार पौधे लगाइए । इस कार्यक्रम में विद्यालय के अधिक से अधिक बच्चों ने ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों ही प्रकार से प्रतिभाग किया । बच्चों ने सरकार द्वारा भेजे गए लिंक पर भी अपने फोटो अपलोड किया तथा उनसे प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया । विद्यालय में आए बच्चों के अभिभावकों ने इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की।

गंगा दशहरा के दिन जगह-जगह भंडारों का हुआ आयोजन

निगोही। ज्येष्ठ मास के शुभ दिन पर गंगा घाटों पर गुरुवार के दिन श्रृद्धा के धनी श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर पहुंच कर गंगा जल में डुबकी लगा कर भीड़ ने आस्था जगाई! मान्यता है की जेष्ठ माह के शुभ दिन गंगा दशहरा पर्व देवी गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था!जो हिन्दू धर्म में आस्था का पूरक हैं !इस दिन को शुभ मुहूर्त मान कर गंगा स्नान के अलावा सहायक नदियों में स्नान के उपरांत पूजन-अर्चन धर्म कार्य श्रवण , भंडारे करना विशेष महत्व है! इस अवसर पर विकासखंड निगोही प्रांगण स्थित कृषि रक्षा इकाई प्रभारी वीरेंद्र कुमार पांडे द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया! जिसमें क्षेत्र के सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया भंडारे के आयोजन वीरेंद्र कुमार पांडे ने कहा कि दुनिया का सबसे मजबूत यंत्र हमारे विचार के सामने छोटा है !इसीलिए एक विचार उठाओ उस एक विचार को अपना जीवन बनाओ उसका सपना देखो उसके बारे में सोचो उस विचार पर जियो ! मस्तिष्क शरीर मांसपेशियों नसों और शरीर के हर हिस्से को धर्म विचार से भर दो और दीन दुखियों ,असहाय लोगों की सेवा करो! कुरीतियों को त्याग कर सदमार्ग पर चलने की अपील करते हुए कहा कि बाकी हर विचार को अकेला छोड़ दो !यही सफल जीवन का रास्ता है! इस मौके पर वीरेंद्र कुमार पांडे ठाकुरदास रजनीश मिश्रा बाबूराम वर्मा प्रमोद कुमार आशुतोष वर्मा ,देवेंद्र पाल सिंह आदि लोगों ने सहभाग किया!

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ पौधरोपण

कांट-शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पंचायत, खंड विकास कार्यालय ,विद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्र में पौधारोपण किया गया। नगर पंचायत कार्यालय पर अधिशासी अधिकारी नूरजहां पूर्व अध्यक्ष रईस मियां मोहम्मद इरफान अली, धीरज अवस्थी,लालजीत राठौर रामलडेते वार्ड सभासदों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा कार्यालय पर पौधा रोपण किया गया वहीं खंड विकास कार्यालय पर ब्लॉक प्रमुख श्रीदत्त शुक्ला खंड विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी सचिव संजीव भारद्वाज आदि ने कार्यालय पर पौधारोपण किया इसी प्रकार क्षेत्र में जगह-जगह विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण किया गया।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने भारत के गौरवशाली इतिहास से कराया अवगत

शाहजहांपुर। दुर्गा वाहिनी के शौर्य प्रशिक्षण वर्ग में बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रीय मंत्री सोहन ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर बहनों को भारत के गौरवशाली इतिहास और हिंदू संस्कृति की महत्ता से अवगत कराया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा, गर्व से कहो हम हिंदू हैं, क्योंकि हमारा इतिहास केवल वीरता से भरा हुआ नहीं है,बल्कि यह ज्ञान, विज्ञान, कला और संस्कृति का भी सर्वोच्च उदाहरण रहा है। भारत कभी विश्व गुरु था और एक बार फिर वह स्थान प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर उन्होंने बहनों से आत्मरक्षा, आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि दुर्गा वाहिनी जैसे संगठन भारत की नारी शक्ति को संगठित कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है साथ ही विशेष रूप से आचार्य जगदीश चंद्र बोस का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी योगदान दिया है,जिससे पूरी दुनिया चकित रह गई। उन्होंने यह भी बताया कि भारतवासी प्राचीन काल से गणित में पारंगत रहे हैं-चाहे वह अवकलन हो,समाकलन हो या स्थानीय मान जैसी अवधारणाएं हों-इनकी नींव भारत ने ही रखी थी। उन्होंने कहा आज आवश्यकता है कि हम अपने बच्चों को अपने इतिहास की सही जानकारी दें, जिससे उनमें आत्मगौरव की भावना जागे और वह एक समर्थ राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें।

पत्रकारों के हित की लड़ाई लड़ रही एप्जा : मिश्र

ऑल इंडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से आयोजित पत्र का सम्मान समारोह में बोले एप्जा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

खुटार। ऑल इंडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा ने कहा कि उनका संगठन पत्रकारों के हित की लड़ाई लड़ रहा है।

श्री मिश्र बुधवार को खुटार के एक पैलेस में आयोजित पत्र का सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सीतापुर के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई हत्याकांड के निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने के लिए ऑल इंडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने सड़क से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक लड़ाई लड़ी और राघवेंद्र वाजपेई हत्याकांड की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी का गठन कराने के साथ ही पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री से मिलकर १० लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिलाने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज उनके संगठन में ५००० से ज्यादा पत्रकार जुड़े हुए हैं। चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग साथी ने कहा की ऑल इंडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन २००१ से पत्रकारों के हित में काम कर रहा है और उनके कंधे से कंधा मिलाकर उनकी हर लड़ाई लड़ने के साथ ही उन्हें हक दिलाने का काम करता आ रहा है। इसलिए आज पूरे प्रदेश में उनका संगठन नंबर एक पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि जब तक हम सभी पत्रकार संगठित नहीं होंगे। तब तक पत्रकारों की आवाज को दबाने का काम किया जाएगा। इसलिए सभी लोग संगठित हो। इस मौके पर सीतापुर के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई हत्याकांड को लेकर हुए धरना प्रदर्शन में जाने वाले पत्रकार साथियों को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम को संगठन के बरेली मंडल के उपाध्यक्ष राजू मिश्रा, जिला अध्यक्ष अरविंद्र त्रिपाठी, कौशलेंद्र मिश्र, सर्वेश मिश्र, मनोज प्रबल, सुशील शुक्ला, विष्णु दयाल कनौजिया, पुवाया तहसील अध्यक्ष नीरज मिश्रा, खुटार ब्लॉक संरक्षक नरेंद्र मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष राजुल मिश्रा पारुल, ब्लॉक महामंत्री पवन पांडे, नीरज मिश्रा बंटी, राजा भैया, गुड्डू भारती, डब्लू कुमार, जितेंद्र कुमार, संदीप यादव, सोनू शुक्ला, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय शंकर अवस्थी, सरदार पाल सिंह, खुटार नगर पंचायत अध्यक्ष के पति बाबूराम, अनुज कुमार, विनोद सिंह, वीरेंद्र मिश्रा, प्रदीप शुक्ला, अंकित मिश्रा, पवन सक्सेना, बीपी सिंह, संजीव अग्निहोत्री, संजीव त्रिवेदी, अनिरुद्ध मिश्रा, सोनू मिश्रा, रविंद्र सिंह, राजकुमार, विवेक मिश्रा, सचिन गुप्ता आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

अटल जी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण निकाली रैली

खुटार। ऑल इंडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा, चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी ने खुटार पहुंचकर अटल चौक पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और वहां से नगर के में मार्केट होकर तिकुनिया चौराहा होते हुए कार्यक्रम स्थल तक एक्शन रैली निकाली। जिसमें सैकड़ो की संख्या में जिले के पत्रकार शामिल हुए।

दोहरा नियम : नगर निगम, पालिकाओं में नल का रिबोर ६० हजार, ग्राम पंचायतों में ३१ हजार में

पुवायां-शाहजहांपुर। नगर निगम एवं नगर पालिकाओं में एक नल के रिवोर की कीमत ६० हजार जबकि ग्राम पंचायतो में वही हैंडपंप ३१ हजार सौ रुपए लगते हैं। एक ही जिले में दो तरह के कानून देखने को मिल रहे हैं ग्राम पंचायतो में ए क हैंडपंप रिवो की कीमत ३१ हजार सौ से लेकर अधिकतम ३५ हजार रुपए लेकिन वही नगर निगम एवं नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतो में वही हैंडपंप रिवोर कीमत ६० हजार है लगभग आधे का अंतर है यह कौन सा मानक है जबकि ग्राम पंचायतो में भी बोरिंग १२० से १६० फिट होती है और नगर पालिका एवं नगर निगम में भी बोरिंग १६० फीट तक ही होती है जबकि रिवोर में ग्राम पंचायतो के एस्टीमेट में वही सामग्री प्रयोग होती है और नगर पालिका के एस्टीमेट में भी वही सामग्री प्रयोग की जाती है लेकिन फिर भी लागत अलग-अलग जो काम नगर निगम एवं नगर पालिका ६००००में करती है वही ग्राम पंचायते है ३११०० ?में करती हैं फिर भी ग्राम पंचायत के प्रधान एवं सचिव को घोटाले की नजर से देखा जाता है यही हाल केवल हैंडपंपों काही नहीं है यही हाल सीमेंट मौरंग बजरी रेता एवंईटइंटरलॉक ईट का भी है क्योंकि जो सीमेंट मार्केट में ?४०० से लेकर ४५० रुपए में मिलता है वह सीमेंट ग्राम पंचायतो को सरकारी भुगतान ३०० में हो रहा है फिर काम की क्वालिटी भी होनी चाहिए क्योंकि आज के समय में लाल ईंट की कीमत ६५०० से ७००० है लेकिन सरकार से ५८०० ही मिलता है इसमें काम की क्वालिटी कैसे हो सकती है जबकि नियमित हर ३ साल में मटैरियल के रेट रिवाइज होते हैं लेकिन यह रेट मार्केट रेट सेकम ही रहते हैं क्योंकि हैंडपंप का ग्राम पंचायतोमें भारतीय जनता पार्टी की सरकार पहली बार बनी थी उसी समय आया था आनन फनन में उसी समय जल निगम से एस्टीमेट मंगाया गया था उस समय जीएसटी लागू नहीं हुई थी इसलिए उक्त एस्टीमेट में ३११०० रुपए का था उसके बाद जीएसटी लागू हुई लेकिन किसी भी अधिकारी कर्मचारियों ने एस्टीमेट को जीएसटी में बदलवाने की जरूरत नहीं समझी और उसी के हिसाब से लगातार काम चल रहा है जबकि भुगतान इस स्टीमेट के हिसाब से हो रहा है वही एस्टीमेट १६,,,१७ का है तब से आज तक पता नहीं कितनी बार मटैरियल की कीमते बदली होगी लेकिन आज तक अधिकारियों ने शुध नहीं ली कि इसको भी बदलवाना चाहिए जबकि रिवो १६। ,,,१७ में लेवरी २०० से ३०० रुपएमे थी आज के समय में लेवरी ५०० है १६ ,, १७ में जो लोहा ?६० किलो मिलता था वह आज ?८० से ?९० किलो के बीच है मटेरियल की कीमतें तो वढी लेबरी भी बढी लेकिन एस्टीमेट नहीं बदला गया जबकि भुगतान गहराई के हिसाब से होना चाहिए जिस जगह बोरिंग ८० फिट होती है उसको भी ३११०० मिलता है और जिस जगह पर २२० फीट बोरिंग होती है उसको भी ३११०० रुपए मिलता है क्योंकि गांव में पानी कहीं पर १२० फीट पर मिलता है तो कहीं गांव में २५० फीट पर मिलता है लेकिन ग्राम पंचायतो में एस्टीमेट सभी का एक जैसा है उसी के हिसाब से काम चल रहा है अधिकारियों ने १६,,,१७ के बाद आज तक बदलवाने की जरूरत नहीं समझी फिर भी ग्राम पंचायतोके सचिव एवं प्रधानों को एक चोर की दृष्टि से देखा जाता है जबकि नगर पंचायत एवं नगर निगम से आधी कीमत पर ग्राम पंचायतें काम करा रही हैं। एई नगर निगम शाहजहांपुर ने बताया यहां नल की बोरिंग सेकंड स्टेटा पर जाती है जो की १४० से १८० फिट होती है इसलिए इसकी कीमत ६० हजार होती है। जूनियर इंजीनियर लघु सिंचाई विकास खंड निगोही विवेक तिवारी ने बताया शहर में मिस्त्री एवं मजदूर महंगे होते हैं इसलिए कीमत ज्यादा होती है एवं गांव में लेवरी सस्ती होती है इसलिए गांव का एस्टीमेट कम होता है। राजवीर सिंह मौर्य जूनियर इंजीनियर लघु सिंचाई विकासखंड जैतीपुर द्वारा बताया गया ३५ मीटर बोरिंग केवल ३५ हजार में कराई जाती है नगर पंचायत नगर पालिका एवं नगर निगम के बारे में मुझे जानकारी नहीं है। इस संबंध में डीपीआरओ घनश्याम सागर से वार्ता करनी चाही, उनका सीयूजी नंबर नहीं उठा। जिससे वार्ता नहीं हो सकी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर क्विज़, भाषण प्रतियोगिता एवं पौधारोपण का आयोजन

शाहजहांपुर। प्रकृति केवल हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं करती, बल्कि यह हमारे अस्तित्व की आधारशिला है — इसलिए उसका सम्मान और संरक्षण अनिवार्य है। हम जितना प्रकृति को देंगे, वह उससे कहीं अधिक लौटाएगी। आज समय की मांग है कि हम विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करें। हमें केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन को 'पर्यावरण दिवस' के रूप में जीना होगा ७ उपरोक्त विचार स्वामी शुकदेवानन्द कॉलेज में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम मे अध्यक्ष के रूप मे सचिव प्रो. (डॉ) अवनीश मिश्रा ने व्यक्त किए। प्राचार्य प्रो. (डॉ) राकेश कुमार आज़ाद ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें पौधारोपण को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करना चाहिए। आज जिस तेजी से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है, वह चिंताजनक है। हमें न केवल वृक्षारोपण करना चाहिए, बल्कि उनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हर नागरिक यदि वर्ष में एक पौधा भी लगाए और उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए हम एक हरित भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। पूर्व मे कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुई। जिसके बाद सर्वप्रथम कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से वृहद नीम , तुलसी अशोक, सहजन , पीपल आदि पौधों का पौधरोपण किया गया एवं उनकी सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पुनीत सिंह, नैन्सी भटनागर, छाया, दीपिका, शगुन कुशवाहा, शगुन रस्तोगी एवं प्रतिमा मिश्रा को वनस्पति विज्ञान की पुस्तकें प्रदान की गई। साथ ही एक भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम एवं द्वितीय पर क्रमश आकर्षी मिश्रा, सताक्षी रहे एवं तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से शिवांगी एवं पुनीत सिंह रहे, सांत्वना पुरुस्कार शगुन, छाया, कोमल, नैन्सी, को प्रदान किया गया; निर्णायक मण्डल की भूमिका में शिक्षक शिक्षा विभाग के डॉ बृज निवास, श्री सौरभ मिश्रा, श्री रामौतार रहे; विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे डॉ रमेश चंद्रा, डॉ मुमता ? हुसैन, मोहित पाण्डेय, मनोज कुमार, शिवांगी शुक्ला, आकांक्षा गुप्ता एवं अजय का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. केशव शुक्ला ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आदर्श पाण्डेय ने प्रस्तुत किया।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शुक्रवार, 6 जून 2025

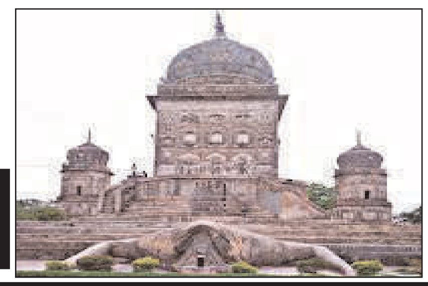

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले भर में रोपित किए गए पौधे

- गोष्ठियों में पर्यावरण संरक्षण हेतु पेड़ लगाने का किया गया आवाहन
- समाजसेवियों ने वितरित किए पौधे

स्वतंत्र भारत

लखीमपुर-खीरी। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता द्वारा कार्यालय परिसर में पौधा रोपण किया गया। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा इस वर्ष की थीम एक पेड़ मां के नाम की विचारधारा बेहद महत्वपूर्ण है। ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ती गर्मी, हीटवेव का मुख्य कारण भी पर्यावरण में हो रहा बदलाव है और खासकर धरती पर पेड़ों की होती कमी है। इससे बचने के लिए और अपने भविष्य को सुधारने के लिए हमें आज से ही प्रयास करने होंगे। इस दौरान उनके साथ एसीएमओ डॉ एसपी मिश्रा, डिप्टी सीएमओ डॉ पीके रावत, डॉ प्रमोद वर्मा, डॉ राकेश गुप्ता, डीपीएम अनिल यादव, डैम सतपाल सिंह, विजय वर्मा, सौरभ शुक्ला, देवनंदन श्रीवास्तव, विंदेश्वरी, राज किशोर सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित है।

युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. हेमंत पाल , चीफ प्रॉक्टर प्रो.सुभाष चन्द्रा एवं छात्र छात्राओं ने नीम,सहजन, नींबू, करोंदा, आंवला, जामुन, बरगद व पीपल के पौधे रोपित किये। प्राचार्य प्रो. हेमंत पाल ने छात्र छात्राओं को बताया कि विश्व पर्यावरण का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागृति उत्पन्न करना तथा हरित भविष्य की दिशा में सार्थक योगदान देना है।इसलिए धरा को हरा भरा बनाने के लिए विद्यार्थी वृक्षारोपण अभियानों में सहभागिता कर अधिक से अधिक संख्या में पौधे रोपित करें।

भगवानदीन आर्यकन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पर्यावरण का संदेश देते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो.गीता शुक्ला ने कहा पर्यावरण चेतना विचार के आगे व्यवहार में लायें और प्लास्टिक प्रदूषण को मात दें। प्रभारी पर्यावरण समिति डॉ.क्षमा तिवारी डॉ.राधाकृष्णन् की पुस्तक एन आडियलिस्ट व्यू आफ लाइफ का उद्धरण देते हुए कहा कि मानव जीवन का लक्ष्य ह्यूमन सेन्ट्रिक की जगह एन्वायरमेंट सेन्ट्रिक होना चाहिए अन्यथा डायनासोर की भांति मनुष्य को भी विलुप्त होते देर नहीं लगेगी। पर्यावरण दिवस पर रोपे गये पौधों का नामकरण करते हुए उनको काकोरी एक्शन प्लान के शहीदों एवं एक पेड़ मां के नाम योजना को समर्पित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की शिक्षिकाएं प्रो.सुशीला देवी ,प्रो.रेखा पाण्डेय, श्रीमती अर्चना सिंह, डॉ.प्रीती सिंह,सुश्री वीना चैरसिया, डॉ.राखी चैहान उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

खीरी टाउन। कस्बा खीरी की नगर पंचायत खीरी में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित हुआ। अधिशासी अधिकारी विनीत कुमार ने सभी नागरिकों से अपनी मां के सम्मान में एक पौधा जरूर लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल हरियाली बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक कदम है बल्कि हमारी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक भावना से भी गहराई से जुड़ा रहा है। कस्बा खीरी में अधिशासी अधिकारी विनीत कुमार के नेतृत्व में कर्मचारियों के द्वारा अभियान चलाया गया तथा लोगों को जागरूक किया गया।

खमरिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ईसानगर क्षेत्र के मटरिया, जसवंतनगर, कन्या पाठशाला खमरिया, जेठरा, पकरिया, मिदनिया सहित 66 विद्यालयों में बीईओ अखिलानंद राय की अगुवाई में चल रहे समर कैंपों में अनुदेशक,शिक्षामित्रों के साथ बच्चो ने जमकर वृक्षारोपण किया। बीईओ ने जसवंतगर में एक पेड़ मां के नाम के तहत बच्चों व शिक्षकों के साथ मिलकर स्कूल परिसर में रोपित किया। उन्होंने कहा एक पेड़ मां के नाम अभियान राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान है। यह अभियान पर्यावरण को हरा-भरा बनाने,जलवायु परिवर्तन से लड़ने और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक अभिनव प्रयास है। इस अवसर शिक्षामित्र अम्बरीष वर्मा,सतेंद्र कुमार,पंकज पाण्डेय,कमलेश कुमार,रमेश कुमार,सोनी शुक्ला, गीतिमा,सरजू प्रसाद,अजय तिवारी सहित अन्य शिक्षामित्रों व अनुदेशको ने पर्यावरण से सम्बंधित बच्चो के बीच कई प्रतियोगिताएं करवाई जिसमें विजयी बच्चो को पुरस्कृत कर उन्हें सम्मानित भी किया।

गोला गोकरननाथ। अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद के परिसर में पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अधिशाषी अधिकारी एवं पालिका कर्मियों के साथ लीची, आड़ू ,आम ,जामुन आदि फलदार वृक्षों का रोपण किया तथा पालीथीन का प्रयोग न हो इसके लिए महिलाओं को कपडे के बने थैले पंजाबी कालोनी में वितरित किए। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा, 5 जून को अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य हमारे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाना है। पोलीथीन पर्यावरण को सर्वाधिक हानि पहुचाती है। इसलिए हम सभी को कपडे के थैलों का उपयोग करना चाहिए। अधिशाषी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने कहा, पर्यावरण को जनभागीदारी से ही स्वच्छ रखा जा सकता है । खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा ने बताया कि पोलीथिन पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक है।पोलीथिन से नालियाँ चोक हो जाती है जिससे जलभराव की समस्या होती है । इस अवसर पर सभासद दानिश राइन ,सुशील कुमार, वरिष्ठ लिपिक अमित श्रीवास्तव, मोहित अवस्थी, विमलेश वर्मा, धीरज बाजपेयी, लवकुश अवस्थी, रविन्द्र कटियार, शत्रोहन मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

निघासन। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर निघासन में आबकारी कार्यालय क्षेत्र नंबर तीन में आबकारी निरीक्षक मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान बरगद,आंवला, पीपल और इमली के पेड़ लगाए गए। इस मिशन का उद्देश्य पर्यावरण को बचाने के लिए आम लोगों में पर्यावरणीय चेतना और वृक्षारोपण के महत्व को बढ़ावा देना है,आबकारी टीम ने न केवल पेड़ लगाए, बल्कि उनके संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक भी किया, इस दौरान आबकारी दिवान रफीक बेग, आबकारी सिपाही मुलायम सिंह यादव, उमेश कुमार और कस्बे के गणमान्य लोग मौजूद थे। आबकारी निरीक्षक मनोज कुमार यादव ने बताया कि पेड़-पौधे हमारे जीवन में कितने महत्वपूर्ण हैं और हमें उनकी सुरक्षा और संरक्षण करना चाहिए।

पलियाकलां। पर्यावरण दिवस के अवसर पर समाजसेवी व पर्यावरण प्रेमी डा. आईए खान ने अपने परिवार के साथ चार दर्जन से अधिक लोगों में पौधों का वितरण करते हुए खुद भी पौधारोपण किया। डा खान ने लोगों को पेड़ पौधों का महत्त्व बताते हुए कहा कि पौधे से ही हमारा जीवन है अगर पेड़ पौधे नहीं रहेंगे तो पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है। कहा कि इस वक्त गर्मी कुछ ज्यादा ही पड़ रही है उसका एक कारण यह भी है कि वृक्षों की कटाई तो होती है लेकिन पौधे जिस मात्रा में लगने चाहिए नहीं लग पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हम लोगों ने देखा कि कैसे ऑक्सीजन की कमी से लोगों के परिवार उजड़ गए। कहा कि विश्व के प्रत्येक व्यक्ति को इस के बारे में चिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें वृक्षों को काट कर घरों में मॉनीप्लांट लगाने की सोच को बदलना पड़ेगा। पलिया में भी विभिन्न स्थानों पर पौधों का रोपण किया गया। वहीं भीरा नगर पंचायत एवं रोटरी क्लब द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम नगर पंचायत के नवीन कार्यालय परिसर एवं विवेकानंद अकेडमी सहित नगर के अन्य चिन्हित स्थलों पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पौधारोपण किया गया एवं उपस्थित जनों ने पौधों की देखभाल और पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने की शपथ ली। इस अवसर पर भीरा नगर पंचायत अध्यक्ष पति संजय शुक्ला, विवेकानंद एकेडमी के प्रबंधक अमनदीप सिंह, भीरा रेंजर विनय कुमार व रोटरी क्लब भीरा के अध्यक्ष बृजेन्द्र जैन सहित रोटरी क्लब के सदस्यों एवं नगर पंचायत कार्यालय स्टाफ की मौजूद रहा। भीरा नगर पंचायत अध्यक्ष पति संजय शुक्ला ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं और इनकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। नगर पंचायत भीरा सदैव हरित नगर के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। रोटरी क्लब के सदस्यों ने भी अपने संबोधन में नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी नियमित देखभाल करें। कार्यक्रम का समापन सामूहिक शपथ ग्रहण के साथ हुआ जिसमें सभी ने पर्यावरण की रक्षा हेतु व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

बेलरायां चीनी मिल के जीएम ने रोपा पौधा

स्वतंत्र भारत

बेलरायां खीरी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बेलरायां चीनी मिल के जीएम ने मिल अधिकारियों व कर्मचारियों के संग वृक्षारोपण किया। जानकारी के अनुसार सरजू सहकारी चीनी मिल के पीसीएस प्रधान प्रबंधक महेंद्र प्रताप ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मिल अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ चीनी मिल के प्रशासनिक भवन के आसपास छायादार , फलदार व औषधि वृक्षों के पौधों का रोपण किया। वृक्षारोपण के दौरान मिल के जीएम ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण से बचने के लिए पौधारोपण जरूरी है। वृक्षों से मिलने वाले ऑक्सीजन हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। इसके साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। इस दौरान मिल जीएम साथ मुख्य अभियंता राजेंद्र कुमार , मुख्य लेखाकार भुवनेश कुमार, सिविल इंजीनियर मोहित जायसवाल, कार्य प्रभारी स्टेनो अनुराग सिंह, सेल्स इंचार्ज प्रशांत कुमार वर्मा, स्टोर कीपर रोहित वर्मा मौजूद रहे।

अस्पताल में बुजुर्ग महिला को आवारा सांड ने पटका

- बेटी का इलाज कराने खमरिया अस्पताल आई बुजुर्ग महिला
- गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

स्वतंत्र भारत

खमरिया-खीरी। खमरिया सीएचसी आवारा पशुओं का बसेरा बना हुआ है।हालात यह है कि पशु हिंसक हो इलाज करवाने के लिए सीएचसी आने वाले मरीजों पर हमला कर उन्हें घायल करना शुरू कर दिया है। जिसका शिकार गुरुवार को दोपहर में अपनी बेटी के साथ दवाई लेने आई 55 वर्षीय महिला एक सांड का शिकार उस समय बन गई जब वह अपनी बेटी के साथ अस्पताल परिसर में पहुची जहां पहले से डेरा जमाए बैठे सांड ने उठाकर पटक दिया। जिसकी हालत गंभीर देख डाक्टरों ने उसे आनन फानन में एम्बुलेंस बुलाकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

गुरुवार को दोपहर ईसानगर क्षेत्र के संदौरा कला गांव निवासी अनीता मिश्रा (56) अपनी बेटी के साथ दवाई लेने सीएचसी खमरिया गई हुई थी,जैसे ही वह अस्पताल का गेट पार कर परिसर में पहुची वैसे ही वहां बैठे सांड ने उन्हें व उनकी बेटी को दौड़ा लिया।

इस दौरान बेटी ने भागकर किसी तरह अपने आपको बचाने में कामयाब हासिल कर ली पर अनीता देवी सांड की जद में आ गई। जिनको सांड ने उठाकर फर्श पर ही पटक दिया,जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जिनको देख अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें सांड से बचा कर एमरजेंसी में भर्ती कराया,जहां हालत गंभीर देख मौजूद फार्मासिस्ट ने प्राथमिक उपचार कर आनन फानन में एम्बुलेंस बुलवाकर उन्हें जिला अस्पताल भिजवा दिया,जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते सांडों का बसेरा बना अस्पताल

कहने को तो सीएचसी खमरिया में जानवरों का अंदर प्रवेश रोकने के लिए पूरब व दक्षिण दिशा में दो गेट लगे हुए है,पर वह हर वक्त जस के तस खुले पड़े रहते है। जिसको लेकर आवारा हिंसक पशु अस्पताल में अपना बसेरा बनाये हुए है। इस बाबत अस्पताल के कर्मचारियों की माने की माने तो सीएचसी में किसी चैकीदार के न होने की वजह से गेट हर वक्त खुले पड़े रहते है। इस बीच कुछ मवेशी यहाँ मर भी गये,जिनकी सड़ांध में पूरा अस्पताल भी दूषित होने पर ग्राम प्रधान के सहयोग से उन्हें किसी तरह बाहर निकलवाया गया तब जाकर दुर्गंध से निजात मिल सकी। वही इस बाबत कस्बेवासियों ने कहा कि अस्पताल परिसर में डेरा जमकर हिंसक रूप ले रहे सांडो की रोकथाम के लिए सीएचसी अधीक्षक की तरफ से उचित व्यवस्था की जानी चाहिए पर वह इस ओर ध्यान क्यों नही दे रहे यह समझ से परे है। अगर यही हाल रहा तो आज अनीता देवी सांड का शिकार बनी है,कल अन्य मरीज व तीमारदार भी इनकी जद में आएंगे।

खीरी पुलिस ने लिया कुर्बानी स्थलों का जायजा

स्वतंत्र भारत

खीरी टाउन। ईद-उल-अजहा करे लेकर थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक उपाध्याय और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी विनीत कुमार ने क्षेत्र के कुर्बानी स्थलों और मलबा निस्तारण स्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

प्रभारी निरीक्षक ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उन्हें शासन की गाइडलाइनों की जानकारी दी और पालन करने की अपील की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कुर्बानी का कार्य तयशुदा स्थानों पर ही हो और कोई भी ऐसा कृत्य न हो जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो। थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक उपाध्याय ने बताया कि त्योहार के मद्देनजर संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। साथ ही, सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है ताकि किसी तरह की अफवाह फैलने से पहले ही उस पर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीम कुर्बानी स्थलों पर लगातार निगरानी करेगी और मलबा निस्तारण के लिए नगर निकाय से समन्वय किया गया है। अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रहेगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुरुवार को एक बार फिर पुलिस चैकी पर प्रभारी निरीक्षक विवेक उपाध्याय की अध्यक्षता में बैठक कर सुरक्षा संबंधी तैयारियों की समीक्षा की और आमजन से सहयोग की अपील की। प्रभारी निरीक्षक विवेक उपाध्याय ने लोगों से अपील की है कि वे ईद-उल-अजहा का पर्व आपसी भाईचारे और कानून व्यवस्था का पालन करते हुए मनाएं, ताकि अमन-चैन बना रहे।

एक गिरफ्तार

मितौली-खीरी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध संपूर्ण जनपद मे संचालित अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी मितौली के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे तथा हमराही उप निरीक्षक ललन सिंह पुलिस चैकी प्रभारी मढ़िया ने वाहन चेकिंग के दौरान मितौली बड़ागांव रोड मझगवां मोड पर मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स के साथ कौशल कुमार निवासी हैदर नगर की मोटरसाइकिल की तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल की डिग्गी में रखा 750 ग्राम गांजा बरामद करते हुए गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त ने भागने का प्रयास किया किंतु कांस्टेबल अचल वर्मा तथा कांस्टेबल चमन कुमार द्वारा अभियुक्त को घेर मारकर गिरफ्तार कर लिया गया अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली मितौली में अभियोग पंजीकृत कर न्यायालय भेज दिया।

ज्ञान ज्योति जलाने, पवित्रता जगाने का पर्व गंगा दशहरा और गायत्री जयंती

मितौली खीरी। युग ऋषि पंडित आचार्य श्रीराम शर्मा के महा प्रयाण दिवस तथा गायत्री जयंती एवं गंगा दसहरा के पावन पर्व पर मितौली कस्बा स्थित दुधवा सती मन्दिर प्रांगण में शांति कुंज हरिद्वार के प्रशिक्षित आचार्य अमर पाल जी के नेतृत्व में गायत्री परिजनों ने सर्व प्रथम वेद माता गयात्री एवं परम बन्दनीया माता भगौती देवी शर्मा एवं परम् पूज्य गुरुदेव पंडित आचार्य श्री राम शर्मा के चित्रों पर माल्यार्पण कर पांच कुंडीय गयात्री यज्ञ का शुभारंभ किया गया। ततपश्चात आचार्य अमरपाल सहयोगी आचार्य अजय मिश्र जी ने स्रोताओं को अपने मुखारबिंदु से कथा सुनाते हुए गुरु मार्गदर्शन में की गयी गायत्री साधना से साधक के पाप कटते हैं, कुसंस्कार जलते और जीवन कठिनाइयों से मुक्त होकर सौभाग्य से भरता है। जो साधक माँ गायत्री और माँ गंगा की अविरलता का योग बनाकर जप साधना करते हैं, उनमें प्राणशक्ति का अपार अभिर्वधन होता है। इस प्रकार आचार्य अमर पाल जी ने अपने मुखार बिंदु से बड़े मार्मिक ढंड से गायत्री परिवार के परिजनों को कथा का रस पान कराया।

संक्षिप्त समाचार

बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड यूनिट पलिया के किसानो ने भ्रमण कर सीखी गन्ने की उन्नत खेती की तकनीक

लखीमपुर-खीरी (स्वतंत्र भारत)। मुख्यमंत्री गन्ना कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत पलिया चीनी मिल के प्रगतिशील किसानो के भृमण हेतु ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मिथिलेश पांडे व महाप्रबंधक गन्ना राजीव तोमर के साथ साथ अन्य अधिकारियो ने बस को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया, भ्रमण कार्यक्रम के तहत बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड गुलरिया मे पलिया चीनी मिल के किसानों ने भ्रमण किया।यह भ्रमण गुलरिया चीनी मिल क्षेत्र के ग्राम जगदेवपुर गढ़ी फार्म, तथा भानपुर में सम्पन्न हुआ जहां किसानों ने एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक भ्रमण करते हुए उन्नत तकनीकों से की जा रही गन्ने की खेती को प्रत्यक्ष रुप से देखा। इस दौरान आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रगतिशील गन्ना कृषक आदित्य तिवारी ने गन्ने की उन्नत खेती की तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर देवेंद्र यादव,मिथिलेश पाण्डेय ,जगपाल , ब्रजेश सिंह सहायक गन्ना प्रबंधक गुलरिया, परवीन सिंह, प्रमोद तोमर गन्ना प्रबंधक पलिया उपस्थित रहे। कृषकों में मुख्य रूप से जीवन सिंह , रणजीत सिंह सहित अन्य प्रगतिशील किसानों के खेतों में गन्ना प्रजाति को0 15023, को0लख0-14201, को0- 0118, को0सा0- 13235, एवं को0लख0- 16202, को शा 17231 किस्मो की ट्रेंच विधि से की गई गन्ने की बुवाई के साथ पेड़ी गन्ना का अवलोकन किया। किसानों को मृदा प्रबंधन, उर्वरकों का संतुलित प्रयोग, सिंचाई व्यवस्था, कीट नियंत्रण, आर.एम.डी के प्रयोग और पेड़ी गन्ने के सफल प्रबंधन की व्यवहारिक जानकारी दी गई। किसानों ने भ्रमण के पश्चात अनुभव साझा करते हुए कहा कि जो कुछ हमने यहां देखा वह अत्यन्त प्रेरणादायक है।यह भ्रमण कार्यक्रम किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने की दिशा में गन्ना विभाग का एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ है।

ईद उल अजहा की नमाज को लेकर अंजुमन इस्लामिया कमेटी की हुई बैठक

खीरी टाउन-खीरी। कस्बा खीरी में अंजुमन इस्लामिया की एक बैठक दरगाह शरीफ में सैयद मुमताज मियां की अध्यक्षता में की गई जिसमें ईद उल अजहा त्योहार को लेकर चर्चा की गई बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि ईद उल अजहा की नमाज ईदगाह पर 8रू00 बजे सुबह अदा की जाएगी अंजुमन इस्लामिया के सदस्य जकी गौरी ने बताया कि की ईद उल अजहा की नमाज खीरी ईदगाह पर सुबह 8रू00 बजे अदा की जाएगी इसके बाद इसके बाद कुर्बानी की रसम की जाती है अंजुमन इस्लामिया की कमेटी ने सभी सेअपील की है जिन घरों में कुर्बानी होगी वह सार्वजनिक रूप से खुले में ना हो बल्कि अपने घरों के अंदर पर्दे करें में और कुर्बानी का वीडियो ना बनाएं शासन की गाइडलाइंस का पालन करें जिससे कि अन्य समाज के लोगों की भावनाओं को ठेस न पहुंचे इस दौरान अंजुमन इस्लामिया कमेटी के समस्त सदस्य लोग उपस्थित रहे।

डग्गामार बसों को चेक करने की मांग

मोहम्मदी खीरी (स्वतंत्र भारत)। एआरटीओ कौशलेंद्र कुमार फिर 65 किलोमीटर चलकर सफर का आनंद लेते हुए मोहम्मदी में आए सूत्र बताते हैं गोमती मोड पर मिटटी भरी ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ा क्या हुआ आगे कुछ पता नहीं साहब को डबल डेकर डग्गामार बसे नहीं दिखाई दे रही सिर्फ ई रिक्शों को नजरे ढूंढने में लगी है जो रिक्शों को सीज कर वाह वाही लूटने में लगे रहते है

विधवा को शादी का झांसा देकर अवैध संबंध बनाए, रिपोर्ट दर्ज

मोहम्मदी खीरी (स्वतंत्र भारत)। कोतवाली अंतर्गत वादिनी श्रीमती आसमा बेंगम पत्नी स्व0 मुवारिक खां (जाति पठान) नि0 उमरपुर कोतवाली मोहम्मदी खीरी की निवासिनी है । वादिनी की शादी लगभग 12 वर्ष पूर्व मुवारिक खां पुत्र हसमत उल्ला खां के साथ हुई थी । लगभग 05 वर्ष पूर्व वादिनी के पति की मृत्यु हो गई । वादिनी के तीन बच्चे है । वादिनी के पडोस में ही रबी उल्ला खां पुत्र शमशुल खां रहता है । वादिनी घरेलू काम हेतु उसको बुला लेती थी जिससे दोनो का मोबाइल नं0 भी एक दूसरे के पास था । धीरे-धीरे दोनो की फोन पर बात चीत होने लगी । वादिनी द्वारा थाना हाजा पर एक किता प्रा0 पत्र दिया कि दिनांक घटना 31.5.2025 समय अ0त0 व लगभग बीते एक साल से विपक्षी रवी उल्ला खां शादी का झांसा देकर वादिनी के साथ सम्बन्ध बना रहा था जब वादिनी ने शादी के लिए कहा तो उक्त विपक्षी रवी उल्ला खां ने शादी से इनकार कर दिया । और जान से मारने की धमकी दी कि यदि तुमने किसी को कुछ भी बताया तो तुम्हारा बुरा हाल कर देगें । उक्त प्रा0 पत्र के आधार पर थाना हाजा पर मु0अ0सं0 414द्25 धारा 69द्351(3) बीएनएस बनाम रबी उल्ला खां पुत्र शमशुल खां निवासी उपरोक्त के विरूद्ध पंजीकृत कर विवेचना उ0नि0 विक्रान्त चैधरी थाना मोहम्मदी खीरी को सुपुर्द की गयी हैअधिवक्ताओं ने सांसद उत्कर्ष वर्मा को सौंपा ज्ञापन, समस्याओं से कराया अवगत

अधिवक्ताओं ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

निघासन (स्वतंत्र भारत)। निघासन पहुंचे सपा सांसद उत्कर्ष वर्मा से अधिवक्ताओं ने मुलाकात की साथ ही तहसील परिसर में हो रही समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें अधिवक्ताओं के बैठने के लिए टीन शेड डलवाने, पंखे, लगवाने और सोलर प्लांट,लगवाने को लेकर मांग की गई। तहसील अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अंबरीश श्रीवास्तव और मंत्री टी. एल. यादव संयुक्त मंत्री नवदीप सिंह गोल्डी के नेतृत्व में सपा सांसद को ज्ञापन दिया गया जिसमें अवगत कराया गया है कि तहसील परिसर में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी ने कुछ हिस्से पर 2021 में टीन शेड डलवाया गया था, बाकी का हिस्सा खाली था, जिसके कुछ हिस्से मे सपा एम. एल. सी. शशांक यादव ने द्वारा टीनशेड डलवाया गया था, किन्तु अब भी पश्चिम का कुछ हिस्सा खाली पड़ा हुआ है, जिस पर अधिवक्ता अपना टिन सेट व खर फूस का चपर डालकर रहते अपना कार्य करते हैं, परन्तु होने बारिश होने से गन्दा पानी भर जाता है, जिससे डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा रहता है, इतएव जो खाली जगह पड़ी उस पर भी यदि टीन शेड डलवा दिया जाए तो काफी सुविधाजनक होगा, इसके अलावा गर्मियों में वादकारियों की सुविधा के लिए टीन शेड में पंखे लगाने से उनको गर्मी से निजात मिल जाएगी साथ ही सोलर प्लांट लगाने से इन पंखों को चलाया जा सकेगा। इस मौके पर वीरेंद्र भदौरिया, सर्वेश मिश्र, मोहम्मद अमीन, रवि गुप्ता, राकेश वैश्य, हरिओम गुप्ता, संजीव निषाद, रमेश भारती आदि अधिवक्ता शामिल थे।

कुएं में गिरा सांड,112 के साथ अग्निशमन की टीम ने निकाला बाहर

खमरिया खीरी। थाना खमरिया क्षेत्र के चैरा गांव में छुट्टा घूम रहा एक सांड गोवर्धन लाल के घर के निकट बने कुएं मे गिर गया। जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने 112 पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पीआरवी टीम के आरक्षियों ने अग्निशमन विभाग को सूचना देकर मौके पर बुलाया जहां संयुक्त रूप से कड़ी मशक्कत के बाद सांड को सुरक्षित बाहर निकल दिया गया। बताते चले कि ईसानगर खमरिया क्षेत्र में कई गौशालाओं के होने के बावजूद भी बड़ी संख्या में छुट्टा घूम रहे मवेशी जहां आमजन के लिए मुसीबत बने हुए है वही वह स्वयं भी चारे पानी के लालच में घूमफिर कर अपनी जान जोखिम में डाल रहे है। बावजूद जिम्मेदार सब कुछ जानने के बाद भी तमाशबीन बने हुए है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

जश्न की त्रासदी

जीत के जश्न में मौत का मातम ऐसी त्रासदी है जो उपजती तो हमारे संवेगों से है लेकिन व्यवस्थागत खामियां उसकी तीक्ष्णता-गंभीरता को कई गुना बढ़ा देती हैं। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर की जीत के बाद बुधवार को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में उमड़े लाखों क्रिकेटप्रेमियों की भीड़ में भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत इसी का ताजा उदाहरण है। लंदन में ऐसे ही एक विक्ट्री सेलिब्रेशन में गत सप्ताह भीड़ के बेकाबू होने से भगदड़ मची और दो लोगों की जान चली गई। फुटबाल के मैचों और उनके जश्न में तो उत्तेजना चरम पर रहकर बेकाबू हो जाती है। इसीलिए स्पेन, ब्राजील, अर्जेंटीना, इटली जैसे इसके दीवानों के देशों में ऐसे आयोजनों के दौरान बड़ी संख्या में मौतें आम खबरें होती जा रही हैं। भीड़ का उग्र मनोविज्ञान केवल खेल की उत्तेजना और जोश के आवेग में ही नहीं होता बल्कि धार्मिक आयोजनों आस्था के ज्वार से गुजरते हुए बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु भी इसके शिकार होते रहते हैं। देश के कई छोटे बड़े शहरों में ऐसी दुखद घटनाएं होती रही हैं। कहीं जुटे हुए लोग बेहद जोश में होते हैं, कहीं ज्यादा भीड़ के कारण एक-दूसरे पर गिरने से घबरा जाते हैं, कभी किसी अफवाह पर भड़कते हैं, कहीं आगे जाने में विवाद होता है, कहीं आयोजन स्थल से निकलने के पर्याप्त इंतजाम न होने से भगदड़ मचती है। इनके पीछे बड़ी संख्या में मौजूद लोगों के हुजूम पर नियंत्रण न पाना और सुदृढ़ व्यवस्था न होना मुख्य वजह है। बेंगलुरु की घटना के पीछे भी यही कारण था और पूर्व के हादसे भी मुख्य रूप से इन्हीं वजहों से हुए थे। ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हों तो इन्हें एक जरूरी सबक के तौर पर याद रखा जाना चाहिए। आमतौर पर ऐसी घटनाओं में व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की सफाई होती है कि हमें इतनी बड़ी संख्या में लोगों के आने का अंदाजा नहीं था। वे यह भी नहीं सोच पाए कि देश के युवाओं पर क्रिकेट का बुखार किस बुरी तरह हावी है और ऐसे मौके पर फैन्स तो उमड़ेंगे ही। शायद इतनी स्वाभाविक बात सोचने की भी अफसरों को फुर्सत नहीं थी। अब आप भले ही शोक जता दीजिए, मरने वालों के परिजनों को पैसा दे दीजिए, जांच बैठा दीजिए लेकिन उन लोगों का जीवन तो वापस नहीं आने वाला जो केवल सही इंतजाम न होने का शिकार बन गए। चूंकि आज की व्यवस्था केवल बयानों व कागज का पेट भरने से ही चलती है तो फिर ऐसे हादसे होंगे ही।

नया लेनदेन

बीती मई में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआइ के जरिये लेन-देन में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो डिजिटल लेन-देन में बढ़ोतरी का संकेत है। आंकड़े के मुताबिक, बीते महीने यूपीआइ से लेन-देन संख्या के हिसाब से 18.68 अरब और मूल्य के हिसाब से 25.14 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो अप्रैल, 2016 में डिजिटल भुगतान व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक का सर्वाधिक है। जबकि अप्रैल में यह आंकड़ा 23.95 लाख करोड़ रुपये का था। मई, 2024 से तुलना करें, तो मई, 2025 में यूपीआइ से लेन-देन में संख्या के हिसाब से 33 प्रतिशत की, जबकि मूल्य के लिहाज से 23 फीसदी की वृद्धि हुई। सच्चाई यह है कि 2016 में शुरू होने के बाद से ही यूपीआइ के इस्तेमाल में लगातार तेजी आयी है। नोटबंदी के बाद डिजिटल पेमेंट को तो बढ़ावा मिला ही, स्मार्टफोन के इस्तेमाल में वृद्धि तथा गूगल पे, फोन पे, पेटीएम जैसे निजी एप्स की शुरुआत ने यूपीआइ को और लोकप्रिय बनाया। हालांकि अब इसकी रफ्तार थोड़ी धीमी हो रही है। फोनपे और गूगल पे जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने यूपीआइ की बाजार हिस्सेदारी पर कुछ कब्जा किया है। यूपीआइ को और बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है, ताकि छोटे डिजिटल लेन-देन का खर्च कम हो सके। यूपीआइ अब सिंगापुर, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, फ्रांस, भूटान और नेपाल आदि में भी अपनी पहुंच बढ़ा रहा है। इससे भारतीय पर्यटक, छात्र और व्यावसायिक यात्री अपने घरेलू यूपीआइ एप के जरिये भुगतान कर सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में यूपीआइ में कुछ तकनीकी समस्याएं भी आयीं। जैसे, अप्रैल में सर्वर पर ज्यादा दबाव के कारण एक दिन पेमेंट और फंड ट्रांसफर में परेशानी आयी थी। मई में डिजिटल पेमेंट के दूसरे प्लेटफॉर्मों पर भी लेन-देन में वृद्धि हुई है। विरोधाभास यह है कि डिजिटल लेन-देने में वृद्धि के साथ नकदी में लेन-देन भी बढ़ रहा है. खासकर पांच सौ रुपये का नोट नकदी का प्रमुख रूप बन गया है, जो मात्रा के हिसाब से सभी बैंक नोटों का 41 प्रतिशत और कुल मूल्य का 86 प्रतिशत है, जबकि सरकार कम मूल्य वाले नोटों का प्रचलन बढ़ाने की कोशिश में है।

काँव-काँव

♦♦♦

आरसीबी विक्ट्री परेड भगदड़ में ग्यारह दिवंगत
क्या मजाल कि कोई आयोजकों को जेल भेजे!

न्यायपालिका की स्वतंत्रता सबसे ऊपर है-गवई
राज्यसभा की सदस्यता भी मामूली बात नहीं!

अगले सप्ताह से फिर रफ्तार पकड़ेगा मानसून
तब तक नाला सफाई की बंदरबांट तय हो जाये!

आपरेशन सिंदूर में स्वदेशी हथियारों की ताकत
पहलगाम में दिखी आंतरिक सुरक्षा की हालत!

सेना के अपमान पर राहुल को कोर्ट की फटकार
यूं बदनाम हम जो हुए तो क्या नाम न होगा!

देश में अगले वर्ष मार्च से शुरू होगी जनगणना
विस्थापितों के लिये यही सबसे सुनहरा अवसर!

♦♦♦

भीड़ का हिस्सा नहीं, संवेदनशील सहभागी बनें

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और खेल आयोजन हमारी सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक उत्साह के प्रतीक हैं। ये आयोजन निरंतर होते रहते हैं, किंतु जब यही उत्सव असंवेदनशीलता, अव्यवस्था और अनुशासनहीनता के कारण त्रासदी का रूप ले लेते हैं, तो एक गंभीर प्रश्न उठता है–क्या हम केवल एक भीड़ हैं या एक जिम्मेदार समाज? क्या भीड़ प्रबंधन केवल शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है? क्या सहभागियों का कोई दायित्व नहीं बनता? हमारे देश में भीड़ के अनियंत्रित होने के कारण अनेक त्रासद घटनाएं घट

- डा. मनमोहन प्रकाश

चुकी हैं। 1954 के प्रयागराज कुंभ में हुई भगदड़ स्वतंत्र भारत की पहली बड़ी चेतावनी थी, जिसने प्रशासनिक सीमाओं को उजागर किया। इसके बाद 2003 में नासिक कुंभ; 2008 में नांदेड़ (हुजूर साहिब गुरुद्वारा), नैना देवी मंदिर (हिमाचल प्रदेश);2011में पुलुमेडु मकर संक्रांति मेला, केरल; 2013 में रतनगढ़ मंदिर, दतिया (मध्य प्रदेश);2014 में पटना देवी मंदिर (बिहार), डोमरी गांव (वाराणसी),2014 में दशहरा समारोह, पटना;2015 में पुष्करम उत्सव, राजमुंदरी (आंध्र प्रदेश);2022 में वैष्णो देवी मंदिर;2023 में कुबेरेश्वर धाम, रुद्राक्ष महोत्सव;2024 में हैदराबाद थिएटर हादसा;2024 में हाथरस, सत्संग के बाद भगदड़;2025 में महाकुंभ हादसा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसा, चिन्नास्वामी स्टेडियम (बेंगलुरु) के बाहर आईपीएल विजय का जश्न जैसे आयोजनों में विभिन्न कारणों से भीड़ अनियंत्रित हुई, भगदड़ मची और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

इन हादसों की जिम्मेदारी किस पर डाली जाए? क्या आयोजनकर्ता पूर्णतः दोषी हैं? क्या प्रशासनिक व्यवस्था ही विफल रही? या फिर क्या भीड़ में शामिल हर व्यक्ति को भी आत्ममंथन नहीं करना चाहिए?
भीड़भाड़ वाले आयोजनों में भाग लेना अनुचित नहीं है, किंतु सहभागी बनने से पहले कुछ मूलभूत प्रश्नों पर विचार करना आवश्यक है क्या आयोजन को प्रशासन से अनुमति प्राप्त है?; आयोजन स्थल की क्षमता और व्यवस्था कैसी है?;क्या यह आयोजन केवल आमंत्रित या पासधारकों के लिए है या सभी के लिए खुला है?; निजी वाहन लेकर वहां जाना कितना उचित है?; क्या भीड़ में मेरी उपस्थिति आवश्यक है या घर से भी इसे देखा जा सकता है?आज के तकनीकी युग में बहुत से आयोजन घर बैठे टीवी या डिजिटल माध्यमों से देखे जा सकते हैं। यदि हर व्यक्ति यह मान ले कि वह केवल दर्शक नहीं, बल्कि आयोजन का सह-व्यवस्थापक है, तो कई समस्याएं स्वतः समाप्त हो सकती हैं। हम यह भूल जाते हैं कि लाइन तोड़ने वाला, धक्का देने वाला, गेट पर चिल्लाने वाला,शोर मचाते हुए, झंडा लहराते हुए तेज रफ्तार में दो पहिए वाहन चलाने वाला,अफवाह फैलाने वाला, नियमों की अनदेखी करने वाला व्यक्ति स्वयं अव्यवस्था का हिस्सा बन जाता है। भीड़ प्रबंधन केवल पुलिस बल, बैरिकेडिंग, स्मार्ट निगरानी प्रणाली,

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और खेल आयोजन हमारी सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक उत्साह के प्रतीक हैं। ये आयोजन निरंतर होते रहते हैं, किंतु जब यही उत्सव असंवेदनशीलता, अव्यवस्था और अनुशासनहीनता के कारण त्रासदी का रूप ले लेते हैं, तो एक गंभीर प्रश्न उठता है–क्या हम केवल एक भीड़ हैं या एक जिम्मेदार समाज? क्या भीड़ प्रबंधन केवल शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है? क्या सहभागियों का कोई दायित्व नहीं बनता? हमारे देश में भीड़ के अनियंत्रित होने के कारण अनेक त्रासद घटनाएं घट चुकी हैं। 1954 के प्रयागराज कुंभ में हुई भगदड़ स्वतंत्र भारत की पहली बड़ी चेतावनी थी, जिसने प्रशासनिक सीमाओं को उजागर किया।

सीसीटीवी, ड्रोन, RFID टैगिंग, इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम, मोबाइल ऐप्स, हाईटेक लाउडस्पीकर या वर्चुअल रूट मैपिंग से संभव नहीं। इसका मूल आधार है अनुशासन, संवाद और नागरिक सहयोग।
एक जिम्मेदार सहभागी वही होता है जो समय का पालन करे, अनुशासन में रहे,अफवाहों से बचे,दूसरों की सुविधा का उतना ही

ध्यान रखे जितना अपनी, असहज, असहाय लोगों की मदद करे,प्रशासन का सहयोग करे।यह आचरण किसी कानून या प्रशिक्षण से नहीं आता, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिक अनुशासन से उत्पन्न होता है।
हमें यह स्वीकार करना होगा कि हादसे केवल व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदार व्यवहार का भी परिणाम होते हैं। जांच रिपोर्ट, मुआवजा और खेद-प्रकट करना पर्याप्त नहीं। जरूरत है आत्मचिंतन और सक्रिय नागरिक सहभागिता की।
अब समय आ गया है कि हम आयोजनों को केवल 'उपस्थित रहने' की प्रक्रिया न मानें, बल्कि अपनी भूमिका को रचनात्मक रूप से परिभाषित करें। जब हर नागरिक स्वयं को उत्तरदायी मानेगा, तभी भारत की आयोजन-संस्कृति सुरक्षित, गरिमामय और प्रभावशाली बन सकेगी। अतः भीड़ नहीं– संवेदनशील, दायित्ववान और अनुशासित सहभागी बनना ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रेमचंद की कहानियां

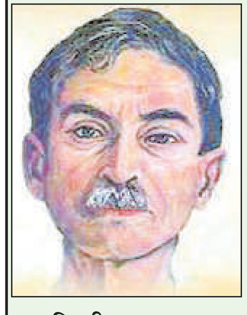

राजा हरदौल

बड़े-बड़े पहलवान उसका लोहा मान गये थे। दिल्ली से ओरछे तक सैकड़ों मर्दानगी के मद से मतवाले उसके सामने आये; पर कोई उससे जीत न सका। उससे लड़ना भाग्य से नहीं बल्कि मौत से लड़ना था। वह किसी इनाम का भूखा न था। जैसा ही दिल का दिलेर था, वैसा ही मन का राजा था। ठीक होली के दिन उसने धूम-धाम से ओरछे में सूचना दी कि ÷खुदा का शेर दिल्ली का कादिरखां ओरछे आ पहुंचा है। जिसे अपनी जान भारी हो, आकर अपने भाग्य का निपटारा कर ले।÷ ओरछे के बड़े-बड़े बुंदेले सूरमा वह घमंड-भरी वाणी सुन कर गरम हो उठे। फाग और डफ की तान के बदले ढोल की वीर-ध्वनि सुनायी देने लगी। हरदौल का अखाड़ा ओरछे के पहलवानों और फेकैतों का सबसे बड़ा अड्डा था। संध्या को यहां सारे शहर के सूरमा जमा हुए। कालदेव और भालदेव बुंदेलों की नाक थे, सैकड़ों मैदान मारे हुए। ये ही दोनों पहलवान कादिरखां का घमंड चूर करने के लिए गये।
दूसरे दिन किले के सामने तालाब के किनारे बड़े मैदान में ओरछे के छोटे-बड़े सभी जमा हुए। कैसे-कैसे सजीले, अलबेले जवान थे-सिर पर खुशरंग बांकी पगड़ी, माथे पर चंदन का तिलक, आंखों में मर्दानगी का सरूर, कमर में तलवार। और कैसे-कैसे बढ़े थे-तनी हई मुंछ, सादी पर तिरछी पगड़ी, कानों में बंधी हई दाढियां, देखने में तो बुढे, पर काम में जवान, किसी को कुछ न समझने वाले। उनकी मर्दाना चाल-ढाल नौजवानों को लजाती थी। हर एक के मुंह से वीरता की बातें निकल रही थीं। नौजवान कहते थे- देखें आज ओरछे को लाज रहती है या नहीं। पर बूढ़े कहते- ओरछे की हार कभी नहीं हुई, न होगी। वीरों का यह जोश देख कर राजा हरदौल ने बड़े जोर से कह दिया- 'खबरदार बुंदेलों की लाज रहे या न रहे; पर उनकी प्रतिष्ठा में बल न पड़ने पाये-यदि किसी ने औरों को यह कहने का अवसर दिया कि ओरछे वाले तलवार से न जोत सके तो धांधली कर बैठे, वह अपने को जाति का शत्रु समझे।'

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

दानशक्ति प्रिय बोलिबो, धीरज उचित विचार।
ये गुण सीखे ना मिलैं, स्वाभाविक हैं चार ।।

मनुष्य के अंदर कुछ गुण स्वयं से उत्पन्न होते हैं। जैसे दान करना, मीठी बातें करना, लोगों की सेवा करना, समय पर सही-गलत का निर्णय लेना। इसे कहीं और से नहीं सिखा जा सकता।

♦♦♦

बकरीद : त्याग, श्रद्धा और इंसानियत का संदेश

दुनियां के वजूद मे आने के साथ ही ईश्वर ने मानव को समाज मे रहने के लिए त्याग, सर्मण और बलिदान के लिए प्रेरित किया।इसी लिए बलिदान हर मज़हब मे ईश्वर को पाने का प्रबल हथियार बन गया। यही बलिदान हमारे अंदर देश प्रेम,समाज प्रेम, इंसानियत और वतन परस्ती का जज्बा

- शाहिद नकवी

पैदा करता है। सच बलिदान ही हमें देश विरोधी ताकतों से लड़ने की प्रेरणा देता है। सामाजिक रीतिरिवाज ,उत्सव और त्योहार इंसानों के भक्ति भाव को परखने का ज़रिया भी बने। दुनिया में कोई भी कौम ऐसी नहीं है जो कोई एक खास दिन त्योहार के रूप में न
मनाती हो।इन त्योहारों में एक तो धार्मिक आस्था विशेष रूप से देखने को मिलती है और अन्य सम्प्रदायों व तबकों के लोगों को उसे समझने और जानने का अवसर मिलता है। इसी तरह मुसलमानो के लिए ईद उल अज़्हा त्याग और बलिदान का पर्व है,जिसे भारत और दूसरे पड़ोसी देशों मे लोकभाषा मे बकरीद कहा जाता है।बकरीद, जिसे ईद-उल-अज़्हा के रूप में भी जाना जाता है, इस्लाम में दो प्रमुख त्योहारों में से एक है,दूसरा ईद-उल-फितर है। यह त्योहार इस्लामी चंद्र कैलेंडर के अंतिम महीने, जिल-हिज्जा की 10वीं तारीख को मनाया जाता है और पैगंबर इब्राहिम (अब्राहम) की वह कहानी याद करता है, जब उन्होंने अल्लाह की आज्ञा मानते हुए अपने बेटे, इस्माइल को कुर्बान करने की इच्छा दिखाई हालांकि,अल्लाह ने उनकी परीक्षा लेने के बाद एक भेड़ प्रदान की,जिसे कुर्बान किया गया। यहां ईश्वर ने हज़रत इब्राहीम की अपने प्रति मोहब्बत की परीक्षा लेकर,दुम्बा भेजा जो दो बड़े संदेशों की तरफ इशारा करते हैं।एक तो अगर इस्माइल पर छूरी चल जाती तो फिर रहती दुनियां में कुर्बानी के नाम पर इंसानों के खून की परम्परा पड़ जाती। दूसरे कर्बला में पैगम्बर मुहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की अल्लाह की राह में दी गई अजीम कुर्बानी लोगों को समझ में नहीं आती।अन्याय के खिलाफ आवाज दब जाती, कानून के शासन को चुनौती मिलती, इंसानियत, भाईचारा, परिवारिक रिश्तों की अहमियत और ईश्वर के प्रति इंसान की जवाबदेही,गरीबों और मजलूमों के साथ खड़े होने की समझ, देश और समाज के प्रति वफादारी, जिम्मेदारी और त्याग की भावनाएं हिलोरें नही मारती। इसी लिए ये यह त्योहार विश्वास, समर्पण,और सामुदायिक एकता के मूल्यों पर जोर देता है,जो समाज में शांति और सामंजस्य को बढ़ावा दे सकते हैं। प्रथम दृष्टि मे तो ये एक जानवर की बलि देने की पुरातन परम्परा जैसा दिखता है लेकिन वास्तव मे इसकी मूल भावना कुर्बानी है। यह कुर्बानी इस संकल्प का प्रतीक है कि यदि ज़रूरत पड़ी तो ईश्वर की राह,देश और समाज के लिए हम अपनी सबसे प्रिय चीज़ त्याग कर देंगें।ज़ाहिर है कि जब ईश?वर के प्रति बलिदान का भाव पैदा हो जायेगा तो फिर देश,समाज और परिवार के प्रति भी बलिदान का जज्बा पैदा हो जायेगा।इसी लिए हज़ारों साल से दुनिया भर के मुसलमान इस्लामी कैलेंडर के आखरी महीने जिलहिज की 10 तारीख को यानी ईद उल अज़्हा के दिन अपनी हैसियत के मुताबिक कुर्बानी करते हैं।दरअसल हर इंसान के अंदर अंधकार है,उसके पार जाने की जिजीविशा ही उसमे भक?ति भाव पैदा करती है । मौजूदा समय को अंधेरी गलियों मे रास्तों की तलाश है। परम्परागत त्यौहारों की मूलभावना और मन की शुचिता हमें रास्ता दिखा सकती है।लेकिन हमें इन उत्सवों के वास्तविक अर्थ को समझना और अपनाना होगा।घिसी पिटी बातों को पीछे छोड़ कर इन के संदेशों से भी आगे सोचना होगा।यह बात स्पष्ट है कि किसी अच्छे समाज के निर्माण में बलिदान और समर्पण की भावना का विशेष योगदान होता है। इससे समाज में एकता व भाईचारे का प्रचार-प्रसार होता है और वह समाज प्रगति करता है।ईद उल अज़्हा उस महान कुर्बानी की याद दिलाता है जिसे हज़ारों साल पूर्व मुसलमानो,ईसाईयों और यहूदियों के पैगम्बर हज़रत इब्राहीम अस.ने अल्लाह की राह मे पेश की थी और इंसानों को ये संदेश दिया था कि उन्हें सच्चाई और मानवता की राह मे कुर्बान होने के लिए

हमेशा तैयार रहना चाहिए।कहने की आवश्यकता नहीं कि जब इन्सान का हृदय पवित्र हो जाएगा और अल्लाह के लिए उसका पूर्ण समर्पण होगा तो इसका प्रभाव उसके पूरे जीवन और समाज पर भी पड़ेगा।वह हर बुरे काम से और मानवता के विरुद्ध कोई भी काम करने से बचेगा।ईश?वर को खुश रखने के लिए लोगों के साथ में भलाई करेगा।दयावान बनेगा,और इस तरह एक सभ्य और आध्यात्मिकता से पूर्ण समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।दरअसल बकरीद का मूल संदेश त्याग,समर्पण,एकता और मानवता की सेवा से जुड़ा है,जो आतंकवाद जैसे सामाजिक और वैश्विक संकट से उबरने में प्रेरणा प्रदान कर सकता है।बकरीद का त्योहार हजरत इब्राहिम के समर्पण और अल्लाह के प्रति विश्वास की कहानी को दर्शाता है,जो शांति और नैतिकता पर आधारित है।यह समाज को हिंसा और घृणा के बजाय प्रेम,एकता और भाईचारे की ओर प्रेरित करता है,जो आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत वैचारिक हथियार हो सकता है।कुर्बानी का मांस गरीबों और जरूरतमंदों के साथ बांटने की परंपरा सामाजिक समावेश और सहानुभूति को बढ़ावा देती है।आतंकवाद अक्सर सामाजिक असमानता और अलगाव से उपजता है।बकरीद का यह पहलू समाज में समानता और करुणा को बढ़ाकर आतंकवाद के मूल कारणों को कम करने में मदद कर सकता है।बकरीद लोगों को आत्म-मंथन और नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यह व्यक्तियों को हिंसा, घृणा और अन्याय के खिलाफ खड़े होने और सही मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह आतंकवाद जैसे गलत रास्तों को छोड़ने की प्रेरणा दे सकता है।बकरीद के दौरान सामूहिक नमाज और उत्सव समुदाय को एकजुट करते हैं। यह सामाजिक एकता आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत ढाल बन सकती है, क्योंकि आतंकवाद अक्सर सामुदायिक विभाजन का फायदा उठाता है।एकजुट समाज आतंकवाद के प्रभाव को कम करने में सक्षम होता है।बकरीद का संदेश मानवता की सेवा और दूसरों के प्रति दया पर जोर देता है। यह लोगों को हिंसक विचारधाराओं से दूर रहने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करता है, जो आतंकवाद के खिलाफ एक वैचारिक और नैतिक जवाब है।बकरीद का त्योहार शांति, एकता, करुणा और नैतिकता के मूल्यों के माध्यम से आतंकवाद से लड़ने की प्रेरणा देता है।

प्रेरक प्रसंग

जेंटलमैन

बात उस समय की है जब स्वामी विवेकानंद जी प्रथम बार विदेश यात्रा पर गए। वहां उनके स्वागत करने के लिए कोई व्यक्ति नहीं था। विवेकानन्द जी पूरी तरह भगवा कपडे पहने हुए थे। उनके माथे पर पगड़ी बंधी हुई थी।
जब वे रास्ते से गुजर रहे थे, उन्हें एक विदेशी दंपत्ति ने देखा और स्त्री ने मजाक में कहा देखो जेंटलमैन को। विदेश में पैंट-शर्ट पहनने वाले को जेंटलमैन कहा जाता था। विवेकानंद जी के विचित्र पहनावे को देखकर उस स्त्री ने हसी उड़ाई थी। यह बात स्वामी जी के कानों तक सुनाई दे गयी।
जब वे स्त्री-पुरुष विवेकानन्द जी के पास से निकले, तब स्वामी जी ने कहा- बहन इधर आते वक्त आपने मुझे देखकर यह कहा। देखो इस जेंटलमैन को स्त्री ने स्वीकार किया और बोली आपका विचित्र पहनावा को देखकर मैंने परिहास किया था।
इस पर विवेकानंन्द जी बोले आपने यह कहा, इसका मुझे कोई दुःख नहीं है न ही कोई क्षोभ है। परन्तु इस शब्द के प्रति हमारे जीवन में जो दृष्टि है। उसे स्पष्ट कर रहा हूँ।
बहन। आपके यहाँ जेंटलमैन का निर्माण दर्जी करता है। परन्तु हमारे यहाँ जेंटलमैन का सृजन संत करता है। अपने विचारों में सुंदरता लाने के बाद ऐसा होता है।
आपके देश में व्यक्ति दर्जी द्वारा सिले कपडे पहन कर बाहर निकलता है और अंदर से भले ही कुछ भी ना हो, फिर भी वह जैनटलमैन कहलाता है।
हमारे देश में व्यक्ति कैसा भी कपडा पहने अगर वह अंदर से संस्कारी होता है। तो वह जैनटलमैन अर्थात सज्जन कहलाता है। आपके और मेरे विचार में जैनटलमैन की व्याख्या का बस इतना ही फर्क है। हमारी भारतीय संस्कृति महान है।

आपका पत्र मिला

जीत का जश्न नहीं, मातम का जख्म

वर्तमान परिदृश्य पल में तौला पल में माशा सिद्ध हो रहा! खेल प्रेमियों और सभी के लिए यह जश्न जीवन भर के लिए मातम के इतने गहरे जख्म दे गया कि जीवन भर आंसुओं के बीच कराहना ही रहेगा! कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में क्रिकेट स्टेडियम के बाहर भगदड़ के दौरान 11 लोगों का जीवन इस पावन भूमि से हमेशा हमेशा के लिए चला गया! क्या गुजर रही होंगी उन परिजनों पर जिन्होंने अपने चिराग घर के आधार स्तम्भ को काल के गाल में समाते देखा! चिन्नास्वामी स्टेडियम में 40 हजार की क्षमता और 3 लाख लोगों की भीड़, हालात का बेकाबू होना स्वाभाविक है, परन्तु कारगर रणनीति और पुख्ता व्यवस्था का अभाव क्यों..? बताया जा रहा है स्टेडियम के बाहर नाले के पास एक स्लेब रखा था जिसके ढहने से अफरा तफरी मची, खैर पहलु कुछ भी हो! समुचित ठोस व्यवस्था और कुशल नेतृत्व के अभाव की आहट सुनाई देती है! अब ये कैसा जश्न? आखिर इन मौतों का जिम्मेदार कौन है ? मुवावजा कुछ हद तक आर्थिक संबल जरूर दें देता है परन्तु जो अनमोल जीवन हमेशा हमेशा के लिए गया उसकी क्या क्षति पूर्ति? खेल की जीत की खुशी में 11 लोगों के जीवन का खेल खत्म होगा, यह तो किसी ने सोचा भी नहीं होगा! कुछ भी हो आने वाले समय में ऐसे मातम भरे हादसों का जन्म न हो, इस पर गहन चिंतन मनन की जरूरत है! कुशल नेतृत्व और समुचित बिदुओं पर पुख्ता व्यवस्था को प्रबल बनाने की जरूरत होनी चाहिए ताकि खुशियों भरा माहौल, आंसुओं और मातम तक न सिमट जाए! जश्न, जश्न रहे.. मातम का जख्म न बने।

योगेश जोशी
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। **संपादक,**
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

हार्ट को रखना है हेल्दी तो डॉग से करें दोस्ती

अगर आपके पास पालतू जानवर के रूप में डॉग है तो यह किसी खुशखबरी की तरह है, क्योंकि एक स्टडी में सामने आया है कि डॉग के कारण दिल को सेहतमंद बनाए रखने में मदद मिलती है। कई स्टडीज में सामने आ चुका है कि पालतू जानवर का होना व्यक्ति की सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचा सकता है। अब हाल ही में अमेरिका में हुई एक रिसर्च में सामने आया है कि अगर आपके पास पातलू जानवर के रूप में डॉग है तो इससे दिल को सेहतमंद बनाए रखने में ज्यादा मदद मिलती है। मेयो क्लिनिक प्रोसीडिंग्स: इनोवेशन, क्वॉलिटी ऐंड आउटकम्स में प्रकाशित स्टडी के लिए शोधकर्ताओं ने 1,769 लोगों पर रिसर्च की। इनमें से कोई भी पहले से दिल की बीमारी का मरीज नहीं था। इनमें उन लोगों को शामिल किया गया जिनके पास पेट्स थे और नहीं थे। रिसर्च के दौरान इन सभी की बॉडी मास इंडेक्स, डायट, फिजिकल ऐक्टिविटी, स्मोकिंग स्टेटस, ब्लड प्रेशर, ब्लड ग्लूकोज और कलेस्ट्रॉल के पॉइंट्स पर मार्किंग दी गई। शोधकार्ताओं ने इसके बाद स्टडी में शामिल पेट ओनर्स की कार्डियोवस्क्युलर हेल्थ की तुलना उन लोगों से की जिनके पास

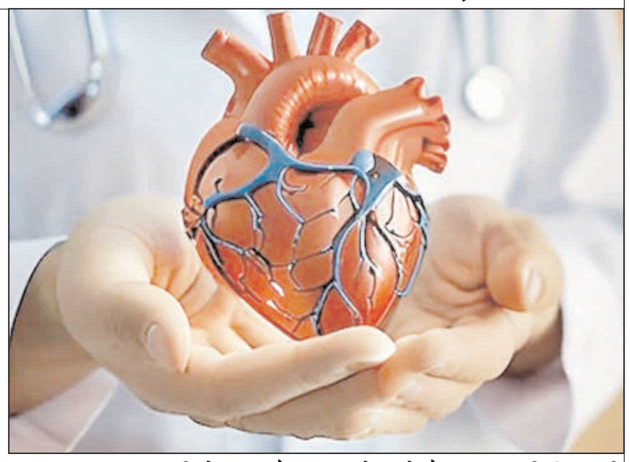

पातलू जानवर नहीं थे। इस दौरान सामने आया कि वे लोग जिनके पास पालतू जानवर थे उनकी दिल की सेहत उन लोगों के मुकाबले ज्यादा अच्छी थी जिनके पास कोई भी पेट नहीं था। खासतौर से ऐसे लोग जिनके पास पेट के रूप में डॉग था उनका दिल ज्यादा सेहतमंद पाया गया। इसके पीछे की वजह यह मानी जा रही है कि डॉग्स अन्य पालतू जानवरों के मुकाबले ज्यादा फिजिकली ऐक्टिव होते हैं जिससे उनके ओनर्स भी ऐक्टिव बने रहते हैं, यह उनकी दिल की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है।

जानिए पर्सनैलिटी के मुताबिक कैसे चुनें अपना डॉगी

स्टडी के मुताबिक, डॉग के कारण मेंटल स्ट्रेस कम करने और समाज में घुलने-मिलने की समस्या भी दूर होती है। ये फैक्टर्स दिल की सेहत को भी प्रभावित करते हैं। इनमें पॉजिटिव चेंज हार्ट के लिए काफी अच्छा साबित हुआ है।

इन घरेलू उपायों से जोड़ों के दर्द से मिलेगा जल्द आराम

आर्थराइटिस, जिसे जोड़ों का दर्द या गठिया भी कहा जाता है, एक ऐसी स्थिति है जो जोड़ों में सूजन और दर्द का कारण बनती है। यह समस्या खासकर अधिक उम्र के लोगों और कभी-कभी युवाओं में भी देखी जाती है। आर्थराइटिस होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख कारण की बात की जाए तो जोड़ों पर अत्यधिक दबाव, चोट, ऑटोइम्यून विकार, और खराब जीवनशैली शामिल हैं। आर्थराइटिस की समस्या के कारण चलना-उठना और जीवन के सामान्य कार्यों को करना भी मुश्किल हो जाता है। इसके कुछ लक्षण की अगर बात की जाए तो जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न, और गतिशीलता में कमी हो सकती है। कई बार जोड़ों में दर्द और अकड़न के कारण उठने-बैठने, चलने-फिरने में परेशानी होती है। वैसे तो डॉक्टर से संपर्क करके सही उपचार करना जरूरी है, लेकिन लेकिन कुछ घरेलू उपाय आर्थराइटिस के दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। आइए जानें कुछ प्रभावी घरेलू उपाय जो जोड़ों के दर्द से राहत दिला सकते हैं।

1. हल्दी और दूध

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन में एंटी इंफ्लेमेटरी और दर्द निवारक गुण होता है। एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर रात को सोने से पहले पिएं। यह जोड़ों की सूजन और दर्द को कम करता है। नियमित सेवन से आर्थराइटिस के लक्षणों में सुधार हो सकता है।

2. गर्म और ठंडी सिकाई

जोड़ों के दर्द में गर्म और ठंडी सिकाई बहुत प्रभावी है। गर्म सिकाई मांसपेशियों को आराम देती है और अकड़न कम करती है, जबकि ठंडी सिकाई सूजन को नियंत्रित करती है। 15 मिनट तक गर्म पानी की बोतल से सिकाई करें, फिर 10 मिनट तक बर्फ की थैली का उपयोग करें। इसे दिन में दो बार करें। आर्थराइटिस के रोगियों को डॉक्टर की सलाह पर नियमित रूप से इस उपाय को प्रयोग में लाना चाहिए।

3. नियमित व्यायाम और मालिश

हल्का व्यायाम, जैसे योग, तैराकी या पैदल चलना, जोड़ों को लचीला बनाता है। ताड़ासन और भुजंगासन जैसे योगासन विशेष रूप से लाभकारी हैं। साथ ही, नारियल या सरसों के तेल से जोड़ों की मालिश करें। तेल में लहसुन या अदरक का रस मिलाने से और लाभ मिलता है। मालिश रक्त संचार को बढ़ाती है और दर्द से राहत देती है।

4. ओमेगा-3 युक्त आहार

अलसी के बीज, अखरोट और मछली जैसे ओमेगा-3 युक्त खाद्य पदार्थ जोड़ों की सूजन को कम करते हैं। शाकाहारी लोग अलसी का तेल या बीज अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा, हरी सब्जियां और फल भी पोषण प्रदान करते हैं।

ध्यान रखें अगर आपकी समस्या गंभीर है तो डॉक्टर के सलाह पर ही इन घरेलू उपायों का पालन करें।

डायरिया से जुड़ी इन बातों को कहीं सच तो नहीं मानते

डायरिया एक आम स्वास्थ्य समस्या है, जिससे लगभग हर व्यक्ति अपने जीवन में कभी न कभी जूझा होता है। डायरिया खासकर गर्मियों और बरसात के मौसम में ज्यादा देखने को मिलती है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए, तो यह डिहाइड्रेशन का कारण बन सकता है, जो बच्चों और बुजुर्गों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। यह आमतौर पर दूषित भोजन या दूषित पानी से फैलता है। इसके लक्षणों में पेट दर्द, ऐंठन, उल्टी और बुखार भी शामिल हो सकते हैं। डायरिया को लेकर हमारे समाज में कई गलत धारणाएं फैली हुई हैं, जिन्हें लोग अक्सर सच मान लेते हैं। आइए इस लेख में हम यहां चार आम मिथकों और उनकी हकीकत को समझते हैं, ताकि आप इस स्थिति से सही तरीके से निपट सकें।

मिथक 1: डायरिया में नमक नुकसान करता है-

कुछ लोग सोचते हैं कि डायरिया के दौरान नमक का सेवन हानिकारक होता है। यह पूरी तरह गलत है। डायरिया में शरीर से पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स (जैसे सोडियम) की हानि होती है। इसकी पूर्ति के लिए ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), जिसमें नमक और चीनी का मिश्रण होता है, पीना जरूरी है। ओआरएस डिहाइड्रेशन को रोकने में मदद करता है और शरीर को आवश्यक खनिज प्रदान करता है।

मिथक 2: डायरिया कभी गंभीर नहीं होता-

कई लोग मानते हैं कि डायरिया सामान्य समस्या है और यह अपने आप ठीक हो जाती है। हकीकत यह है कि डायरिया गंभीर हो सकता है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों में। यदि डायरिया लंबे समय तक रहे या बार-बार दस्त हों, तो यह डिहाइड्रेशन का कारण बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, डायरिया बच्चों में मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। गंभीर मामलों में तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।

मिथक 3: डायरिया में सिर्फ सूखा खाना खाना चाहिए-

यह धारणा भी गलत है कि डायरिया में केवल सूखा खाना, जैसे खिचड़ी या टोस्ट, ही खाना चाहिए। हकीकत में, डायरिया के दौरान हल्का और संतुलित आहार जरूरी है। केला, चावल, सेब की चटनी और टोस्ट (BRAT डाइट) फायदेमंद हैं, साथ ही नारियल पानी, दाल का पानी और हल्का सूप भी पोषण और हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करते हैं। डायरिया में भारी और तैलीय भोजन से बचना चाहिए।

मिथक 4: घर के खाने से डायरिया नहीं हो सकता

कई लोग मानते हैं कि घर का खाना हमेशा सुरक्षित होता है और इससे डायरिया नहीं हो सकता। यह सच नहीं है। यदि खाना सही तरीके से न पकाया जाए, बर्तन गंदे हों, या खाना महक गया हो, तो बैक्टीरिया या वायरस के कारण डायरिया हो सकता है। रसोई में स्वच्छता, ताजा सामग्री और सही भंडारण जरूरी है। दूषित पानी या कच्चे खाद्य पदार्थ भी डायरिया का कारण बन सकते हैं।

क्या करें डायरिया में?

डायरिया होने पर पर्याप्त मात्रा में पानी और ओआरएस पिएं। हल्का और सुपाच्य भोजन लें। स्वच्छता का ध्यान रखें, जैसे बार-बार हाथ धोना। यदि दस्त अधिक समय तक रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

बासी मुंह चबाएं करी पत्ते, सेहत को मिलेंगे कई फायदे

कड़ी पत्ता भारतीय भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उपयोग अक्सर खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कड़ी पत्ते के सेवन से आपकी सेहत पर भी कई अद्भुत लाभ हो सकते हैं? अगर आप बासी मुँह लगातार 15 दिनों तक कड़ी पत्ते को खाते हैं, तो इसके आपके शरीर पर कई सकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। आइए जानते हैं इसके बेमिसाल फायदे। कड़ी पत्ते में मौजूद कई पोषक तत्व जैसे विटामिन ष्ट, एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लेवोनॉयड्स आपकी रोगप्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करते हैं। लगातार कड़ी पत्ते का सेवन करने से आपके शरीर की प्रतिरक्षा क्षमता में वृद्धि होती है, जिससे बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। कड़ी पत्ते का सेवन पाचन तंत्र के लिए भी लाभकारी होता है। इसमें फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो पाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाती है। इससे गैस्ट्रिक समस्याओं, कब्ज और अपच की समस्याओं में राहत मिलती है। बासी मुँह कड़ी पत्ते को चबाने से पाचन तंत्र को बेहतर बनाया जा सकता है। कड़ी पत्ते का सेवन वजन नियंत्रण में भी मददगार साबित हो सकता है। यह शरीर के मेटाबोलिज़्म को बढ़ाता है और शरीर की चर्बी को कम करने में सहायता करता है। नियमित रूप से कड़ी पत्ते का सेवन करने से आप आसानी से अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं। कड़ी पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन ए मौजूद होते हैं, जो त्वचा की सेहत के लिए लाभकारी हैं। यह त्वचा को निखारने, मुहांसों और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। बासी मुँह कड़ी पत्ते को चबाने से आपकी त्वचा में चमक और ताजगी आ सकती है।

शरीर में है विटामिन बी-12 की कमी? डाइट में शामिल करें ये चीजें

विटामिन बी-12 हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक है, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण और तंत्रिका तंत्र के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी कमी से थकान, कमजोरी, भूलने की बीमारी, और गंभीर मामलों में एनीमिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई लोग विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करने के लिए सप्लीमेंट का सहारा लेते हैं, लेकिन संतुलित आहार के जरिए इसकी पूर्ति संभव है। केला, चना, अंडे और डेयरी उत्पाद जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन बी-12 की कमी को प्राकृतिक रूप से दूर करने में मददगार हैं। आइए जानें इनके फायदे और इन्हें डाइट में कैसे शामिल करें।

विटामिन बी-12 का महत्व

विटामिन बी-12, जिसे कोबालमिन भी कहा जाता है, मुख्य रूप से पशु-आधारित खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। शाकाहारी लोगों में इसकी कमी की संभावना अधिक होती है, क्योंकि पौधों में यह स्वाभाविक रूप से कम होता है। इसकी कमी से थकान, कमजोरी, सुन्न होने, चलने में परेशानी, मतली आने, वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों में इसकी कमी गंभीर हो सकती है। ऐसे डाइट में विटामिन बी-12 युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है।

1. केला

केला न केवल ऊर्जा का त्वरित स्रोत है, बल्कि यह विटामिन बी-12 के अवशोषण में भी मदद करता है। हालांकि केले में सीधे तौर पर विटामिन बी-12 नहीं होता, लेकिन यह अन्य विटामिन्स और खनिजों के साथ मिलकर शरीर में इसकी कमी को संतुलित करने में सहायक है। रोजाना 1-2 केले खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है, जो विटामिन बी-12 के अवशोषण को बढ़ाता है।

2. चना

चना प्रोटीन और फाइबर का उत्कृष्ट स्रोत है। कुछ अध्ययनों के अनुसार, किण्वित (फर्मेंटेड) चने में विटामिन बी-12 की मात्रा बढ़ सकती है। शाकाहारी लोग भुना हुआ चना, चने की सब्जी या चने का सूप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाता है और विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करने में सहायता करता है।

3. अंडे

अंडे विटामिन बी-12 का शानदार स्रोत हैं। एक अंडे में लगभग 0.6 माइक्रोग्राम विटामिन बी-12 होता है, जो दैनिक आवश्यकता का हिस्सा पूरा करता है। उबले अंडे, आमलेट या स्क्रैम्बल्ड एग्स को नाश्ते में शामिल करें। अंडे प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं, जो समग्र स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं।

4. डेयरी उत्पाद

दूध, दही, पनीर और छाछ जैसे डेयरी उत्पाद विटामिन बी-12 का प्राकृतिक स्रोत हैं। एक गिलास दूध में लगभग 1.2 माइक्रोग्राम विटामिन बी-12 होता है। शाकाहारी लोग रोजाना दूध या दही का सेवन कर सकते हैं। पनीर सलाद या सब्जियों के साथ भी लिया जा सकता है। डेयरी उत्पाद हड्डियों और तंत्रिका तंत्र को मजबूत करते हैं।

कैसे करें डाइट में शामिल?

सुबह के नाश्ते में उबले अंडे या दही के साथ केला खाएं। दोपहर में चने की सब्जी या सलाद और रात में एक गिलास दूध पिएं। शाकाहारी लोग किण्वित चने या दही पर अधिक ध्यान दें।

ब्लड प्रेशर को नैचुरली कम करने के तरीके

हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर समस्या है, जिसमें आर्टरी वॉल्स पर रक्त का दबाव बहुत अधिक हो जाता है और ब्लड पंप करने के लिए दिल को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। अगर इसे कंट्रोल न किया जाए तो यह कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, जैसे कि हार्ट अटैक, स्ट्रोक और किडनी की बीमारी।

बीपी मरीजों को ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त

ये सुपरफूड्स मैनेज करेंगे बीपी

नींद, और स्ट्रेस मैनेजमेंट करने की सलाह दी जाती है। खासकर, अगर डाइट सही नहीं है और आप उटपटांग चीजों का सेवन करते हैं तो इससे बढ़ी हुई बीपी और भी अधिक हो सकती है।

अगर आप ऐसे सुपरफूड्स की तलाश में हैं जो ब्लड प्रेशर को आसानी से कंट्रोल कर सके तो आप सही जगह पर हैं क्योंकि इस आर्टिकल में आपको 5 ऐसे सुपरफूड्स के बारे में जानकारी मिलेगी, जो बीपी को कम करने में बेहद फायदेमंद हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में।

बीपी को कम करने के लिए क्या खाएं?

केला- अगर आपका बीपी बढ़ा हुआ है तो केले का सेवन करना एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। क्योंकि इसमें पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है जो किडनी से अतिरिक्त सोडियम को बाहर निकालने में मदद करके रक्तचाप को कम करने में सहायता करता है।

डार्क चॉकलेट

अगर आपको चॉकलेट पसंद है तो आपके लिए अच्छी खबर है,आप इसके जरिए भी ब्लड प्रेशर को घटा सकते हैं। लेकिन आपको इसके लिए डार्क चॉकलेट खानी होगी। यह मैग्नीशियम और फ्लेवनॉल्स से भरपूर होता है जो नाइट्रस ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ाकर रक्तचाप को कम करता है।

चुकंदर- चुकंदर एक सुपरफूड है जो ब्लड प्रेशर को भी कम करने में मदद कर सकता है। यह अपने कार्बनिक नाइट्रेट के कारण हाई बीपी में सुधार कर सकता है,जिसे शरीर नाइट्रस ऑक्साइड में परिवर्तित करता है।

बुढ़ापे तक लीवर को जवां रखने का काम करती हैं ये चीजें

हमारे शरीर में कई अंग दिन-रात काम करते हैं लेकिन लीवर (यकृत) वह मौन योद्धा है जो बिना शोर किए, हर पल हमें स्वस्थ रखने में लगा रहता है। यह न सिर्फ पाचन में मदद करता है बल्कि खून को साफ करने, विषैले तत्वों को बाहर निकालने, दवाओं को प्रोसेस करने और शरीर में पोषक तत्वों का संतुलन बनाए रखने जैसे सैकड़ों जरूरी काम करता है। जीवनशैली की छोटी-छोटी लापरवाहियां इस नाजुक अंग को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकती हैं और जब तक इसके लक्षण सामने आते हैं, तब तक काफी देर हो चुकी होती है इसलिए ज़रूरी है कि हम लिवर की देखभाल को गंभीरता से लें। सही खानपान, फिजिकल एक्टिविटी और समय-समय पर जांच से ही इस जरूरी अंग को उम्र भर स्वस्थ रखा जा सकता है।

भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति लिवर की समस्या से ग्रस्त है। लिवर से होने वाली मौतों का आकंड़ा भी बढ़ता ही जा रहा है। फैटी लिवर, लिवर में पानी भरना जैसे कई समस्या अब आम है लेकिन अगर आप हैल्दी खाते हैं तो ना तो लिवर में किसी तरह की सूजन आएगी और ना ही फैट।

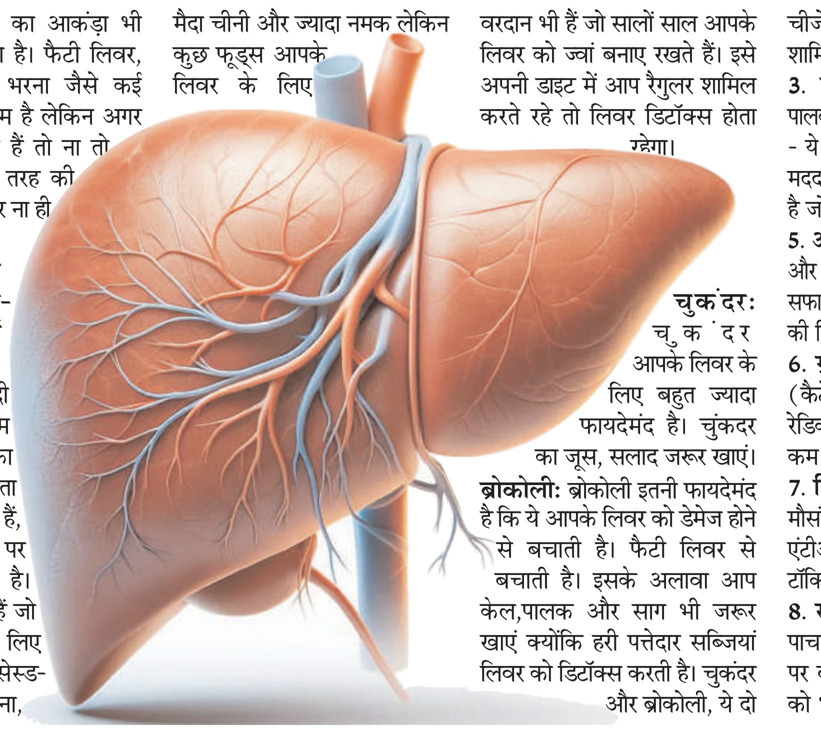

खान-पान का सबसे अहम रोल- बुढ़ापे तक जवां रहेगा लिवर

लिवर को हैल्दी रखने का अहम काम आपका खान-पान ही करता है। आप जो खाते हैं, वहीं आपके शरीर पर असर दिखाता है। कुछ चीजें ऐसी हैं जो आपके लिवर के लिए जहर हैं जैसे प्रोसेस्ड-तला भुना खाना, मैदा चीनी और ज्यादा नमक लेकिन कुछ फूड्स आपके लिवर के लिए वरदान भी हैं जो सालों साल आपके लिवर को ज्वां बनाए रखते हैं। इसे अपनी डाइट में आप रैगुलर शामिल करते रहे तो लिवर डिटॉक्स होता रहेगा।

चुकंदर: चुकंदर आपके लिवर के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है। चुंकदर का जूस, सलाद जरूर खाएं।

ब्रोकोली: ब्रोकोली इतनी फायदेमंद है कि ये आपके लिवर को डेमेज होने से बचाती है। फैटी लिवर से बचाती है। इसके अलावा आप केल,पालक और साग भी जरूर खाएं क्योंकि हरी पत्तेदार सब्जियां लिवर को डिटॉक्स करती है। चुकंदर और ब्रोकोली, ये दो चीजें तो रूटीन में अपनी डाइट में शामिल रखें।

3. हरी पत्तेदार सब्ज़ियां- जैसे पालक, मेथी, ब्रोकोली, सरसों का साग - ये लिवर से टॉक्सिन्स निकालने में मदद करती हैं। इनमें क्लोरोफिल होता है जो लिवर की सफाई करता है।

5. अखरोट- ओमेगा-3 फैटी एसिड्स और ग्लूटाथियोन से भरपूर - लिवर की सफाई में सहायक। खासकर फैटी लिवर की स्थिति में लाभदायक।

6. ग्रीन टी- इसमें एंटीऑक्सीडेंट (कैटेचिन) होता है जो लिवर को फ्री रेडिकल्स से बचाता है। लिवर फैट कम करने में मदद करता है।

7. सिट्रस फल - जैसे नींबू, संतरा, मौसंबी - विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में सहायक।

8. सेब- इसमें पेक्टिन होता है जो पाचन को बेहतर करता है और लिवर पर बोझ कम करता है। कोलेस्ट्रॉल को भी नियंत्रित करता है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

शुक्रवार, 6 जून 2025

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके 1947 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ ज्येष्ठ मासोत्तमे शुक्ल पक्षे, एकादशी तिथौ शुक्र वासरे 28/49/ हस्त नक्षत्रे 06/34/ व्यातिपात योग 10/13/ वणिज करणे 15/33/ तुला राशिगत चन्द्रमा घं.20 मि.07 पर।

व्रत एवं त्यौहार- भद्रा घं.15 मि.33 से घं.28 मि.49 तक। निर्जला एकादशी। भीमसेनी एकादशी। गायत्री जयंती।

मेष : अतिथि समागम बना रहेगा। कानूनी मामलों में विलंब से सफल मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। शैक्षिक विकास होगा।

वृष : नवीन जनसम्पर्क बढ़ेगा। इष्ट मित्रों का सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्य में विशेष रुचि रहेगी। वैचारिक प्रखरता बनी रहेगी।

मिथुन : शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। आर्थिक एवं सामाजिक पक्ष मूजबूत होंगे।

कर्क : परिवार का सहयोग मिलेगा। यात्रा एवं देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

सिंह : निजी संबंध प्रगाण होंगे। जीवन के क्षेत्र में प्रगति होगी। सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या : व्यवसायिक योजना को बल मिलेगा। संबंधों में निकटता आएगी। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा।

तुला : आप अपने संयम के कारण सफल होंगे। आगंतुकों के स्वागत सत्कार में कचि रहेगी। हाथ-पैर में पीड़ा हो सकती है। कार्यों में विलम्ब होगा।

वृश्चिक : संबंधों में निकटता आएगी। किसी कार्य के सम्पन्न होने प्रभाव में वृद्धि होगी।

धनु : सामाजिक कार्य में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यवसायिक योजना को बल मिलेगा।

कुंभ : संबंधों में निकटता आएगी। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। आय-व्यय में संतुलन बनाएं।

मीन : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधों में प्रगाणता आएगी। आर्थिक मामलों में जोखिम से बचे।

प्रदेश एवं केन्द्र सरकार पर्यावरण के प्रति अत्यन्त संवेदनशील है-सुरेश राही
विद्यालय परिसरों और जलस्रोतों के समीप अधिकतम वृक्षारोपण किया जाए-राकेश राठौर

(स्वतंत्र भारत)

सीतापुर। कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही, नगर विकास राज्यमंत्री

राकेश राठौर गुरू एवं जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने महाकुंभ २०२५ के सफल आयोजन की स्मृति में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीतापुर नगर क्षेत्र स्थित कैंची पुल के निकट सरांयन नदी के किनारे पवित्र त्रिवेणी (पीपल, बरगद तथा नीम) के पौधों का रोपण किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अन्तर्गत वन एवं वन्यजीव विभाग, उ.प्र. के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान सभी को त्रिवेणी वृक्ष के महत्व के विषय में भी सभी को जानकारी दी। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर सीतापुर वन प्रभाग द्वारा एक विशेष वृक्षारोपण अभियान एवं सरायन नदी की सफाई अभियान का भी आयोजन किया गया। इस वर्ष 'प्लास्टिक प्रदूषण मुक्त की थीम को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जनमानस में जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सीतापुर की जीवन दायिनी सरायन नदी की सफाई अभियान से हुआ, जिसमें नगर पालिका परिषद, सीतापुर जिला गंगा समिति सामाजिक वानिकी वन प्रभाग के सहयोग व स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस ऐतिहासिक अभियान में कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही एवं नगर विकास राज्यमंत्री उ०प्र० सरकार राकेश राठौर गुरू की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अगले चरण में त्रिवेणी वृक्षारोपण (पीपल, नीम व बरगद के वृक्षों का त्रिकोणीय स्वरूप में रोपण) अभियान का शुभारंभ किया गया। यह त्रिवेणी संयोजन भारतीय संस्कृति में पवित्रता, स्वास्थ्य व पर्यावरणीय संतुलन का प्रतीक माना जाता है। कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश एवं केन्द्र सरकार पर्यावरण के प्रति अत्यन्त संवेदनशील है तथा पर्यावरण की सुरक्षा के दृष्टिगत व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा सरांयन नदी की सफाई और नगर को प्लास्टिक मुक्त करने का संकल्प दिलाया गया इस मौके पर प्रभागीय निदेशक श्री नवीन खंडेलवाल ने बताया कि इस वर्ष वन विभाग का लक्ष्य है कि जिले भर में जन सहभागिता के माध्यम से विशेषकर नगर क्षेत्रों, विद्यालय परिसरों और जलस्त्रोतों के समीप अधिकतम वृक्षारोपण किया जाए। यह आयोजन न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज को प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदार बनाने का भी प्रयास है। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश के क्रम में नदियों की सफाई का विशेष अभियान संचालित किया गया है। यह अभियान एक माह तक लगातार संचालित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सरांयन नदी के पुनर्जीवीकरण हेतु व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कराया जायेगा। इस अवसर पर प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग नवीन खंडेलवाल, उप जिलाधिकारी सदर अभिनव कुमार, डी०सी० मनरेगा चन्दन देव पाण्डेय, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद वैभव त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे और पर्यावरण की रक्षा हेतु सामूहिक संकल्प लिया।

मोदी सरकार के 11 वर्ष युग परिवर्तन के वर्ष हैं: अर्चना मिश्रा

(स्वतंत्र भारत)

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में केन्द्र सरकार के विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के

११ साल पूर्ण होने की अवधि पर जिला कार्यालय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला मे मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा उपस्थित रहीं। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा की गई। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि व जिला अध्यक्ष द्वारा भाजपा के महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि कर दीप प्रज्जवलन किया गया तत्पश्चात जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह व सीतापुर निर्मित दरी भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने स्वागत भाषण में जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया एवं ११ वर्षों में मोदी सरकार की विभिन्न उपलब्धियां के विषय में विस्तार से बताया एवं अभियान की सफलता के लिए उपस्थित पदाधिकारीगणो से नियमों का पालन कर अभियान को गतिशील करने का आवाहन किया। मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा ने अपने उद्बोधन में बताया ११ वर्षों पहले विपक्षियों की सरकार और ११ वर्षों से नरेंद्र मोदी सरकार के अंतर जनता और दुनिया के सामने है जहां पूर्ववर्ती सरकारों में देश हर वक्त आतंकवाद के साए में रहता था वही आज मोदी सरकार आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दे रही है आज सर्जिकल स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर की सफलता से आतंकवाद की कमर टूट गई है वही दुनिया को भारत की शक्ति का एहसास भी हुआ है। पूर्ववर्ती सरकारों ने गरीबी और अमीरी की एक बड़ी खाई बना दी जिसे नरेंद्र मोदी सरकार ने समाप्त कर सभी की बराबरी का कान्सेप्ट लागू किया और गरीब और अमीर को एक समान अवसर प्रदान किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां विकसित भारत के विजन को लेकर गरीबों को बिना किसी भेदभाव के पक्के मकान दिए महिलाओं को उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर का लाभ दिया किसानों को किसान सम्मन निधि दी। चारों तरफ सड़कों का जाल बिछाया, अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर काशी कारिडोर धारा ३७० ऐसे अनेक कार्य इस कार्यकाल में किए गए हैं जिससे जनता लाभान्वित सुखी और संपन्न हुई है । मातृशक्ति को कानूनी अधिकार देकर मोदी सरकार ने महिला सम्मान का नया अध्याय लिखा है।हमारा लाभार्थी वर्ग तन मन धन से भारतीय जनता पार्टी के साथ है वास्तव में मोदी सरकार के ११ वर्ष युग परिवर्तन के वर्ष है। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों के विषय में पदाधिकारियों को विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन अभियान संयोजक नैमिष रत्न तिवारी द्वारा किया गया इस अवसर पर सुधाकर शुक्ला नीरज वर्मा झल्लर, रमेश भार्गव दीपू विश्राम सागर राठौर,सुधीर सिंह, लोकेश मिश्रा, रामस्वरूप भार्गव, संजय मिश्रा कंचन प्रभा पांडे जया सिंह, करुणा शंकर त्रिपाठी कौशलेंद्र सिंह अनुज शुक्ला, अमित दीक्षित रामजीवन जायसवाल, सुनील मिश्रा सहित पार्टी के पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष मंडल महामंत्री उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना लागू

(स्वतंत्र भारत)

सीतापुर । अपर जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि परिवहन आयुक्त, उ.प्र. लखनऊ के पत्र २७ मई २०२५ के क्रम में अवगत कराया है कि जिसके साथ संलग्न सचिव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के अर्द्ध शासकीय पत्र १६.०५.२०२५ द्वारा अवगत कराया गया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की सक्रिय भागीदारी के साथ मोटर वाहन अधिनियम, १९८८ की धारा १६२ के अनुसार सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना, २०२५ को अधिसूचना ०५.०५.२०२५ द्वारा अधिसूचित किया गया है, जिसके अन्तर्गत मोटर वाहनों के उपयोग से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए दुर्घटना की तारीख से अधिकतम ७ दिनों के लिए प्रति पीड़ित १.५ लाख रूपये तक के उपचार का प्रावधान किया गया है। यह योजना एक तकनीकी प्लेटफर्म पर कार्यान्वित की जा रही है जिसमें इलेक्ट्रानिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना में प्रयोग किये जाने वाले ट्राजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम को सम्मिलित किया गया है। दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति के उपचार के उपरान्त सम्बन्धित अस्पताल को मोटर वाहन दुर्घटना निधि से भुगतान किया जाएगा, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से वित्तपोषित किया जाएगा। बीमित (इंश्योर्ड) मोटर वाहन/वाहनों का भुगतान जनरल इंश्योरेंस काउसिंल द्वारा किया जाएगा, जबकि बीमित (इंश्योर्ड) मोटर वाहन/वाहनों के अलावा अन्य दुर्घटनाओं जैसे बिना बीमा वाले वाहन, हिट एण्ड रन आदि के लिए भुगतान केन्द्रीय विभाग की बजटीय सहायता से जिलाधिकारी की मंजूरी से किया जाएगा। योजना कार्यान्वयन के विकेन्द्रीकरण को अधिकतम किये जाने के दृष्टिगत यह आवश्यक है कि प्रत्येक जिला सड़क सुरक्षा समितिएक ग्रीवान्स रिड्रेसल आफिसर (शिकायत निवारण अधिकारी) नियुक्त करें, जिससे इस योजना के संबंध में पीड़ित (टपबजपडे), गुड सेमेरिटन, अस्पताल आदि संपर्क कर सकें। इस हेतु एक ग्रीवान्स रिड्रेसल आफिसर (शिकायत निवारण अधिकारी) नामित कर उनके संपर्क विवरण का व्यापक प्रचार प्रसार करने की अपेक्षा की गयी है। उपरोक्त निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी के आदेश ०३ जून २०२५ द्वारा अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) (मो०नं०-९४१२२८८२८६) को ग्रीवान्स रिड्रेसल आफिसर (शिकायत निवारण अधिकारी) नामित किया गया है।

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की मौत

(स्वतंत्र भारत)

महमूदाबाद, सीतापुर। बीते बुधवार को बिसवां मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्राली व बाइक की टक्कर से गंभीररूप से घायल युवक की देरत ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। गुरुवार को शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। शाम करीब चार बजे शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मालूम हो कि सदरपुर के थनैतपुर के अनिकेश (४०) बुधवार को बाइक से महमूदाबाद आ रहे थे। इस दौरान महमूदाबाद की ओर से आ रही ट्रैक्टर-ट्राली ने उसे टक्कर मार दी थी।

एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान शुरू: खैराबाद में विश्व पर्यावरण दिवस पर नगरपालिका की विशेष पहल, प्लास्टिक प्रदूषण पर फोकस

(स्वतंत्र भारत)

खैराबाद-सीतापुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगरपालिका खैराबाद की ओर से विशेष जनजागरूकता अभियान, कार्यशाला और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर एक पेड़ मां के नाम २.० अभियान की भी शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय जीवनशैली को बढ़ावा देना और लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जागरूक करना है। नगरपालिका में अधिशाषी अधिकारी प्रेम शंकर गुप्ता द्वारा पर्यावरण व विशेष प्लस्टिक उन्मूलन की कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। इस दौरान 'एक पेड़ मां के तहत खैराबाद थाना परिसर में नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता अधिशासी अधिकारी प्रेम शंकर गुप्ता व थाना प्रभारी अनिल सिंह ने वृक्षारोपण

किया इस अवसर पर सभासदों व पुलिस कर्मियों द्वारा पौधे लगाए गए। नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता ने कहा मैं आम जनमानस से अनुरोध करता हूं कि पर्यावरण हितैषी गतिविधियों को अपनाएं और अधिक से अधिक छायादार व फलदार पौधों का रोपण, सिंचन और संरक्षण करें। उन्होंने सभी नागरिकों से स्कूल, कालेज, अस्पताल, आंगनबाड़ी और सरकारी कार्यालयों में खाली पड़ी ज़मीन पर पौधे लगाने की अपील की है। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी प्रेम शंकर गुप्ता कहा सरकार द्वारा इस साल भी ३५ करोड़ से अधिक वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया है ये क्रम १५ अगस्त २०२५ तक लगातार जारी रहेगा। हम लोगो का कार्य है आमजन में जागरूकता लाकर पर्यावरण को सरंक्षित करे व अपने आसपास प्लस्टिक का उपयोग न करे। खैराबाद थाना प्रभारी अनिल सिंह ने बताया प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना उन्होंने कहा कि प्लास्टिक से फैल रहे प्रदूषण को रोकना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। इसके लिए लोगों को जागरूक करना जरूरी है। इस अवसर सफाई इंस्पेक्टर मनोज राणा,अनुज, सभासद विष्णु गौतम,जावेद,नसीम खान, अप्पू,गौरव अग्रवाल, संदीप गुप्ता,संदीप सिंह,योगेंद्र सिंह के साथ समस्त नगरपालिका व कोतवाली स्टाफ मौजूद रहे।

सभी पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाये-अभिषेक आनंद

(स्वतंत्र भारत)

सीतापुर। जनपद में आगामी त्योहारों के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन के उद्देश्य से

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में पीस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं, समुदाय प्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस विभाग के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने सभी धर्मगुरुओं से सौहार्दपूर्ण संवाद स्थापित करते हुए समाज में परस्पर भाईचारा बनाए रखने, एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने एवं सभी पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की सामूहिक अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति या समूह सार्वजनिक स्थलों, मार्गों अथवा धर्मस्थलों पर किसी प्रकार की आपत्तिजनक गतिविधि या भड़काऊ आचरण न करें तथा धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन पूर्व निर्धारित परंपराओं के अनुसार ही हो; किसी नई परंपरा को बिना अनुमति आरंभ न किया जाए। सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहों या भ्रामक जानकारी के प्रचार-प्रसार पर कठोर चेतावनी जारी करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा गठित सोशल मीडिया मानिटरिंग सेल सक्रिय है और किसी भी आपत्तिजनक, सांप्रदायिक सामग्री की ट्रेसिंग कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति अथवा समस्या की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को दी जाए ताकि समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। साथ ही उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों (नगर पालिका/नगर पंचायत) को निर्देशित किया कि नगर क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था विशेष रूप से धार्मिक स्थलों एवं जनसभा स्थलों पर समय से पहले पूर्ण कराई जाए। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने जनपद के सभी थानों के स्तर पर कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि सतत गश्त जारी रहेगी और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मस्जिदों, मंदिरों एवं अन्य धार्मिक स्थलों में सी०सी०टी०वी० कैमरे क्रियाशील रखें जाएं और कोई भी व्यक्ति कानून को अपने हाथ में लेने का प्रयास न करें, क्योंकि किसी की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाले कृकृत्य को कदापि सहन नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक खालिद अंजुम, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तर एवं दक्षिण, समस्त उप जिलाधिकारीगण, क्षेत्रा धिकारीगण, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारीगण एवं विभिन्न धर्मों के गणमान्य धर्मगुरु प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समाजसेवी अतुत वर्मा ने किया वृक्षारोपण

(स्वतंत्र भारत)

महमूदाबाद-सीतापुर। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर समाजसेवी अतुल वर्मा ने नगर के हर मोहल्ले में ५०-५० पौधे लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए छह जून तक ३३०० पौधे लगाने का कार्य शुरू किया है। अभियान के तहत नींबू, आम, आंवला, अमरूद, सहजन, सागौन और मीठी नीम जैसे फलदार व छायादार वृक्ष के पौधे शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त तहसील परिसर, कोतवाली, ब्लाक, वन रेंजर, सीएचसी, नगर पालिका, खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय समेत क्षेत्र के सभी परिषदीय विद्यालयों में वृक्षारोपण किया गया। सीता ग्रुप आफ एजूकेशन की पांचों शाखाओं, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ह्यूमनिटीज साइंस एंड टेक्नालाजी,सरदार सिंह कांवेंट इंटर कालेज, सेठ राम गुलाम पटेल मेमोरियल इंटर कालेज, में वृक्षारोपण हुआ।

एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत पात्रों को किया जाये लाभान्वित

(स्वतंत्र भारत)

सीतापुर । उपायुक्त उद्योग ने बताया कि उ०प्र० सरकार द्वारा संचालित एक जनपद एक उत्पाद (ओ०डी०ओ०पी०) प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजनान्तर्गत जनपद के दरी उत्पाद से सम्बन्धित ऐसे कारीगरों/हस्तशिल्पियों जिनके द्वारा उक्त कार्य किया जाता है, को १० दिवसीय प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण की योजना संचालित की गई है। योजनान्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु किसी भी जाति के ऐसे अभ्यर्थी/कारीगर को परम्परागत कारीगरी से जुड़े होने का प्रमाण के रूप में हस्तशिल्पी कार्ड, बुनकर कार्ड, ग्राम प्रधान, अध्यक्ष नगर पंचायत, अथवा नगर पालिका के सम्बन्धित वार्ड सदस्य द्वारा निर्गत किया गया प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। साथ ही आवेदक की आयु १८ वर्ष से अधिक हो, प्रदेश का मूल निवासी हो, आवेदक द्वारा भारत सरकार अथवा प्रदेश सरकार की अन्य किसी योजनान्तर्गत दरी उत्पाद से सम्बन्धित टूलकिट का लाभ विगत दो वर्षों में प्राप्त न किया हो, आवेदक को योजनान्तर्गत एक ही बार लाभ दिया जायेगा तथा पात्रता की शर्ते पूर्ण करने के सम्बन्ध में घोषणा पत्र प्रस्तुत करना होगा।

चयनित अभ्यर्थी को प्रशिक्षण के समय खाने की व्यवस्था होगी एवं बायोमेट्रिक उपस्थिति द्वारा प्रशिक्षण के उपरान्त टूल-किट एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया जायेगा। साथ ही प्रशिक्षार्थी को प्रतिदिन रू० २००/-मानदेय के रूप में दिया जायेगा। योजनान्तर्गत मात्र आनलाइन आवेदन पत्र मान्य होगें। इच्छुक कारीगरों/व्यक्तियों द्वारा १२-०६-२०२५ तक सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की बेवसाइड पद पर आनलाइन आवेदन कर सकते है। योजना से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, सराय मल्हुई में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क किया जा सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला जज ने किया वृक्षारोपण

(स्वतंत्र भारत)

सीतापुर। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुलदीप सक्सेना के निर्देशानुसार अपर जिला जज/सचिव, नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जनपद न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया।

उक्त आयोजन में प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अपर जिला जज, प्रथम ज्ञान प्रकाश', अपर जिला जज पाक्सो कोर्ट/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत, भगीरथ वर्मा,''

अपर जिला जज कोर्ट संख्या-०९ शैलेन्द्र वर्मा'' एवं अन्य समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपरोक्त न्यायिक अधिकारीगण द्वारा अपना-अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाया गया। इसी क्रम में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार समस्त पराविधिक स्वयं सेवकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में वृक्ष रोपित कर, वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

आईआईटी जेईई एडवांस परीक्षा पास कर राज वर्मा ने क्षेत्र का किया नाम रोशन

(स्वतंत्र भारत)

महमूदाबाद-सीतापुर। सीता इंटर कालेज से वर्ष २०२४ में यूपी में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले राज वर्मा में आईआईटी जेईई एडवांस परीक्षा पास कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। महमूदाबाद के पोखराकलां के राज वर्मा ने वर्ष २०२४ में इंटरमीडिएट की परीक्षा में यूपी मेरिट में द्वितीय स्थान हासिल किया था। इसके बाद उसने पहले आईआईटी जेई मेंस परीक्षा पास की। कठिन तैयारी के बाद राज वर्मा ने आईआईटी जेईई एडवांस आल इंडिया परीक्षा में ओबीसी में २७९२ व सामान्य में ११८६४ रैंक हासिल कर सफलता हासिल की है। राज

वर्मा की सफलता पर विधायक आशा मौर्या, कुर्सी विधायक साकेंद प्रताप वर्मा, एमएलसी उमेश द्विवेदी, पवन सिंह चौहान, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री डा. अम्मार रिजवी, सीता ग्रुप आफ एजूकेशन के चेयरमैन आरके वाजपेयी, डिप्टी मैनेजर आंजनेय आशीष, वागीश दिनकर, प्रधानाचार्य आलोक सिंह, उप प्रधानाचार्य यशपाल वर्मा, आरजे वर्मा, आदर्श जायसवाल, रवि शुक्ल, अवनीश अवस्थी, खुशी वाजपेयी, नीरज वर्मा, एसआर वर्मा, विजय वर्मा, राकेश शुक्ल, शिवसेवक मिश्र सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बधाई दी।

हम सब धरा को सुंदर और समृद्ध बनाने में योगदान दें, पौधे लगाएं, हरियाली बढ़ाएं-अचिन मेहरोत्रा

(स्वतंत्र भारत)

सीतापुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर के अवसर पर नि.जिलाध्यक्ष भाजपा अचिन मेहरोत्रा ने लालबाग़ पार्क मे पौधरोपण किया। उन्होने कहा कि ये पेड़ - पौधे हमारी धरा की समृद्धि और भावी पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए जरूरी हैं। आइये, हम सब धरा को सुंदर और समृद्ध बनाने में योगदान दें, पौधे लगाएं, हरियाली बढ़ाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर निगम ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया

रुहेलखंड विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से पीलीभीत रोड पर डोहरा मोड़ तक प्लॉग रन किया

-स्वतंत्र भारत-

बरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम बरेली की स्वच्छ भारत मिशन की आई ई सी टीम द्वारा एक विशेष स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महापौर डॉ. उमेश गौतम के नेतृत्व में किया गया जिसमें रुहेलखंड विश्वविद्यालय मुख्य द्वार से पीलीभीत रोड पर डोहरा मोड़ तक प्लॉग रन और एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया गया। प्लॉग रन के दौरान प्रतिभागियों ने दौड़ते हुए सड़क मार्ग की सफाई की तथा स्वच्छता का संदेश दिया। इसके उपरांत, सड़क के मध्य स्थित डिवाइडर पर वृक्षारोपण किया गया। इस विशेष अवसर पर 250 से अधिक पौधों का रोपण किया गया, जिसमें अधिक ऑक्सीजन प्रदान

करने वाले पौधों को प्राथमिकता दी गई। कार्यक्रम के समापन पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही, प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण पर प्रेरणादायक कविताएं भी प्रस्तुत की गईं, जिसने कार्यक्रम को एक सांस्कृतिक एवं संवेदनशील रूप प्रदान किया।

इस अवसर पर सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने स्वच्छ भारत, हरित भारत की शपथ ली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर नगर आयुक्त शशिभूषण राय, उपसभापति सर्वेश रस्तोगी पार्षद पति चंद्रपाल राठौर पार्षद प्रतिनिधि हरिओम कश्यप पार्षद प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता पर्यावरण इंजिनियर राजीव कुमार राठी चीफ एम पी एस राठौर सफाई निरीक्षक विवेक कुमार सिंह नगर निगम के समस्त वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन की सहयोगी संस्था ढ्ढढ्रस्त्र की ढ्ढश्वष्ट टीम के सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही नगर निगम के ब्रांड एंबेसडर, ह्रष्टक्क टीम, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्य एवं अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नगर निगम बरेली द्वारा इस प्रकार का आयोजन पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल है, जो नागरिकों को स्वच्छता और हरियाली की ओर प्रेरित करता है।

हर सदस्य के नाम एक पौधा, पार्थ गौतम ने दिलाई शपथ ग्रीन बरेली-क्लीन बरेली बनाने का लिया संकल्प

-स्वतंत्र भारत-

बरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गुरुवार को युवा सेवक संघ द्वारा एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेयर डॉ. उमेश गौतम और युवा सेवक संघ के प्रधान सेवक पार्थ गौतम ने नागरिकों को पौधे वितरित किए और उन्हें ग्रीन बरेली, क्लीन बरेली अभियान का हिस्सा बनने की शपथ दिलाई।

अर्बन हाट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस जनसरोकार कार्यक्रम में पार्थ फाउंडेशन द्वारा अब तक किए गए समाजसेवा कार्यों का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया। पार्थ गौतम ने अपील की कि हर परिवार अपने हर सदस्य के नाम पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए। उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य सिर्फ सेवा नहीं, बल्कि पर्यावरण जागरूकता फैलाना भी है। आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित बरेली छोड़ जाना हमारा उत्तरदायित्व है

गरीबों को इलाज के लिए नहीं होना पड़ेगा परेशान

पार्थ गौतम ने घोषणा की कि मिशन अस्पताल में पार्थ फाउंडेशन के माध्यम से गरीबों को अब निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें भर्ती शुल्क, ऑपरेशन शुल्क, सामान्य प्रसव, परामर्श, बिस्तर और नर्सिंग देखभाल जैसी सभी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह मुफ्त होंगी। इस दौरान चार-चार हेल्थ कार्ड भी वितरित किए गए ताकि ज़रूरतमंदों को चिकित्सा सेवाओं तक आसान पहुंच मिल सके। कार्यक्रम के दौरान पार्थ फाउंडेशन के हेलमेट, पहचान पट्टे, टी-शर्ट, निःशुल्क इलाज कार्ड और सैकड़ों पौधे बांटे।

राजनीति से दूर, सेवा को समर्पित संगठन

पार्थ गौतम ने मंच से स्पष्ट किया कि युवा सेवक संघ का उद्देश्य केवल सेवा है, राजनीति नहीं। उन्होंने कहा संगठन से जुड़ने वाला हर व्यक्ति सेवक कहलाएगा और मैं स्वयं प्रधान सेवक रहूंगा। हमारा मकसद समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। इस अवसर पर मौजूद बड़ी संख्या में लोगों ने पौधे लेकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और इस अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सेवा, समर्पण और संवेदना के भाव की झलक हर चेहरे पर साफ दिखी।

मेयर बोले- राजनीतिक पार्टियों की बंद हुई धड़कनें

कार्यक्रम के दौरान मेयर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि युवा सेवक संघ की स्थापना के बाद अन्य राजनीतिक दलों की धड़कनें बंद हो गई हैं। कई लोग यह सोचकर बेचैन हैं कि आखिर क्यों पार्थ गौतम जैसे युवा सेवा के लिए आगे आए हैं। अब बरेली में सेवा ही असली राजनीति बन चुकी है।

शिवसेना ने अवैध मांस की दुकानों को बंद करने की मांग की

-स्वतंत्र भारत-

बरेली। शिवसेना (पश्चिम) के जिला प्रमुख दीपक पाठक के नेतृत्व में शिवसैनिकों ने जिलाधिकारी कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें शहर में अवैध रूप से चल रहे मुर्गी कटान और बिना वैध लाइसेंस के मांस के व्यापार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।

दीपक पाठक ने इस बात पर जोर दिया कि अवैध मांस व्यापार स्वास्थ्य मानकों, नगर निगम के नियमों और कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन कर रहा है, और यह समाज में संक्रमण फैलाने के साथ-साथ नैतिक असंतुलन भी पैदा कर रहा है।

ज्ञापन में विशेष रूप से सीबीगंज कर्मचारी रोड से रहपुरा रोड पर लकी मिठाई वाले के आगे स्थित साबिर उर्फ मुंशी मुर्गी फार्म की गंभीरता से जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई। उन्होंने कहा कि, हम मांग करते हैं कि अवैध मांस कारोबार पर तत्काल रोक लगाई जाए बिना लाइसेंस दुकानें सील की जाए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला प्रमुख दीपक पाठक, महानगर प्रमुख आयुष वर्मा, अंकुर अग्निहोत्री, विश्व प्रताप सिंह, शशांक पाठक, राकेश यादव, प्रिंस, शिवम सक्सेना, अर्चित मिश्रा और अन्य शिवसैनिक मौजूद रहे।

अमन बाबू को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विशाल दीक्षित को बनाया प्रदेश मंत्री

बरेली। कलाकार वेलफेयर ट्रस्ट के राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा जिला पीलीभीत के बहुत शानदार कलाकार वरिष्ठ समाज सेवी अमन बाबू को ट्रस्ट का उत्तर प्रदेश का उपाध्यक्ष एवं विशाल दीक्षित को प्रदेश मंत्री मनोनीत किया गया।

राष्ट्रीय संरक्षक ज्ञानचंद शर्मा के द्वारा दोनों को शुभकामनाएं प्रेषित की गई, तथा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरीश कठेरिया ने दोनों पदाधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि कलाकार वेलफेयर ट्रस्ट पूरे भारत में पदाधिकारी का पुनः चयन करने जा रहा है जिससे कलाकारों के हित की बात को शासन प्रशासन में रखकर अपनी हर समस्या से अवगत कराया जा सके तथा सांस्कृतिक कलाकारों की कुछ मौलिक समस्याओं का समाधान हो सके।

पर्यावरण दिवस पर पौधे का वितरण कर संरक्षण का संदेश दिया

-स्वतंत्र भारत-

बरेली । राष्ट्र जागरण युवा संगठन के द्वारा पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान एक पेड़ मां के नाम को अपनी साप्ताहिक श्रृंखला में समाज को जागरूक करने हेतु स्वामी विवेकानंद पार्क में पौधारोपण किया गया इस मौके पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अन्तर्गत पौधे का राहगीरों को वितरण किए गए जिसमें सभी को पौधारोपण के साथ साथ उसका संरक्षण करने हेतु जागरूक किया इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव अमित शर्मा संजू भैया , जिला अध्यक्ष महिला प्रियंका कपूर , महानगर अध्यक्ष सुषमा गौतम , महानगर अध्यक्ष पंकज ठाकुर , संजू भाटिया , सुमन भाटिया , मनोज शर्मा, अजय चन्द्रा करण श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे

गंगा दशहरा पर की शरबत प्याऊ सेवा

बरेली। विश्व जागृति मिशन बरेली मंडल बरेली द्वारा आज गंगा दशहरे के पावन पर्व पर न्यू मंगलम स्वीट्स कोल्हाड़ापीर रोड पर एक मीठे शरबत के प्याऊ का आयोजन किया गया। शरबत प्याऊ का शुभारंभ रश्मि अग्रवाल, ममता गर्ग के द्वारा किया गया।

शरबत बांटने के दौरान संजय गर्ग, पवन अरोड़ा, संदीप मेहरा, संजीव अग्रवाल, सोमेश वार्ष्णेय, महेंद्र गंगवार, महेंद्र पाठक, राजकुमार चोपड़ा नूतन मिश्रा, सविता अरोड़ा, सुमित्रा गंगवार, रेनू मिश्रा, नीरेश माहेश्वरी, किरन सिंह, मधु सक्सेना, स्नेह अग्रवाल, प्रियंका मौर्या, कमला पांडे, मनीषा मेहरा का सक्रिय सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस माडर्न स्कूल में प्रधानाचार्या ने किया पौधारोपण

बरेली। पुलिस लाइन स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्या डॉक्टर किरन देवी ने स्कूल में स्टॉफ के साथ मिलकर पौधारोपण किया और इंसान के जीवन में पेड़ों की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेड़ लगाना हम सबके जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और बड़ा होने तक उसकी देखभाल करना चाहिए जिससे कि हमको शुद्ध वायु मिल सके।

ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को कुचला, मौत

फतेहगंज पूर्वी। थाना क्षेत्र के हाईवे पर नगर के पेट्रोल पंप के पास एक ट्रक चालक ने आगे चल रहे मोटरसाइकिल सवार के टक्कर मार दी। ट्रक से टक्कर लगने के बाद मोटरसाइकिल सवार ट्रक के नीचे नीचे फंस गया और ट्रक का पहिया मोटर साइकिल व सवार दोनों को कुचलता हुआ आगे निकल गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने ट्रक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं मृतक की पहचान अखिलेश कुमार निवासी एटा के रूप में हुई जो हाल समय में मीरानपुर कटरा में रहकर निरमा बेचने का काम करता था और टिसुआ गाँव से फेरी कर बापस आ रहा था। हाईवे पर हुए हादसे से मौके पर जाम की स्थिति बन गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने हाईवे से जाम को खुलवाकर स्थिति सामान्य कराई। तत्पश्चात शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेजा है।

थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया सूचना पर मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

गंगा दशहरे के अवसर पर कैंट विधायक ने विभिन्न स्थानों पर किया शरबत वितरण

बरेली। मोक्ष दाहिनी मां गंगा के अवतरण दिवस पर गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर कैंट विधायक प्रदेश सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने अपनी 125 कैंट विधानसभा के सुभाष नगर में स्थित 84 घंटा मंदिर के पास तथा सिंधु नगर गेट पर स्टॉल लगाकर शरबत वितरण कियाा। इस अवसर पर राममूर्ति मौर्य राजबहादुर सक्सेना पार्षद छंगामल मौर्य अजय रत्नाकर राम बहादुर मौर्य लेखराज मोटवानी राजेश पटेल पूजा अग्निहोत्री रविंद्र गुप्ता मनीष गुप्ता आभा सक्सैना पूनम, डॉ सी पी एस चौहान सोनू कालरा राजेश मिश्रा मयूरेश अग्रवाल पार्षद सौरभ कुमार श्याम सिंह चौहान चंद्रपाल आर्य सचिन राजपूत, शिशुपाल कठेरिया विकास महर्षि केपी सिंह प्रदीप सिंह भीम बाजपेई मोनू शर्मा हर्षित गुप्ता ,बृजेश मिश्रा अरुण कश्यप अमरीश कठेरिया, व पार्टी के पदाधिकारी एवं देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं ने रामगंगा में लगाई आस्था की डुबकी

फतेहगंज पूर्वी। गुरुवार को गंगा दशहरा के पर्व पर रामगंगा नदी के नगरिया, कादरगंज और बेलडण्डी के घाटों पर लाखों की संख्या में पहुंचकर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। बुधवार से ही उपजिलाधिकारी फरीदपुर मल्लिका नैन और सीओ संदीप सिंह सहित थाना प्रभारी संतोष कुमार रामगंगा नदी के घाटों पर व्यवस्था को संभालने में लगे हुए थे। बुधवार शाम से ही घाटों के किनारे महिलाओं के अस्थायी रूप से स्नानगृह बनाये गए थे।वही सुरक्षा व्यवस्था के चलते गोताखोरों को भी घाटों पर लगाया गया था। पुलिस प्रशासन भी सुबह से ही सुरक्षा व्यवस्था में जुटा रहा था।

इस दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु निजी वाहनों सहित अन्य साधनों से घाटों पर पहुंचे थे। स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर दान पुण्य किया। इस दौरान लोगों ने भण्डारे भी लगाए। वहीं शिवपुरी रधोली गांव में नगरिया घाट पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए शरबत वितरण किया। इस दौरान गौरक्षक संघ के विकास ठाकुर, उत्कर्ष, पानू सिंह, अनुज सिंह ने सहयोग किया।बसावनपुर गांव में दैव स्थान पर भी ग्रामीणों ने शरबत पिलाकर भंडारे का आयोजन किया।

गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं को वितरित किया गया शरबत

एसडीएम आंवला ने कार्यक्रम का किया शुभारंभ

-स्वतंत्र भारत-

आंवला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री यशस्वी योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन व गंगा दशहरा के पावन पर्व पर ऑल इंडिया रिपोर्टर एसोसिएशन बरेली इकाई के द्वारा श्री श्याम जी मंदिर तोरण द्वार पर मनौना धाम आने वाले श्रद्धालुओं व राहगीरों को शरबत का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मनौना धाम के प्रबंधक आर्येन्द्र सिंह चौहान व उपजिलाधिकारी आंवला एन राम के द्वारा किया गया।

इस दौरान लगभग पांच हजार श्रद्धालुओं ने शरबत का प्रसाद ग्रहण किया।

आपको बता कि ऑल इंडिया रिपोर्टर एसोसिएशन के संरक्षक पदाधिकारियों व जिलाध्यक्ष सचिन सक्सेना व समस्त कार्यकारिणी द्वारा

तीन दिवसीय शीतल जल वितरण शिविर आयोजित किया गया था। तीसरे दिन यशस्वी मुख्यमंत्री के जन्मदिन व गंगा दशहरा के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं व राहगीरों को शरवत का वितरण किया गया।

इस दौरान श्यामेन्द्र सिंह चौहान, वरिष्ठ पत्रकार संतप्रसाद शर्मा, मानवेन्द्र सिंह चौहान, धीरेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सागर, नगेन्द्र सक्सेना, संजय राजपूत, राजकुमार मौर्य, विशाल सक्सेना, भूपेन्द्र गुप्ता, अभिषेक तोमर, सीटू पाल, शानू सिंह, ग्यानेन्द्र सिंह, प्रियांशु माहेश्वरी, नमन सक्सेना व अनन्त सक्सेना आदि लोगों का विशेष सहयोग रहा।

प्राथमिक विद्यालय मटिया नगला में धूमधाम से मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

डा. अमित शर्मा और बच्चों ने लगाया 'एक पौधा मां के नाम', पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ ली

-स्वतंत्र भारत-

बरेली। विकास क्षेत्र फरीदपुर के प्राथमिक विद्यालय मटिया नगला में विश्व पर्यावरण दिवस धूम धाम से मनाया गया। बीएसए संजय सिंह और बीईओ फरीदपुर शीशपाल के निर्देशन में किया गया । इस अवसर की पूर्व संध्या पर राज्य अध्यापक पुरस्कार, राज्य आईसीटी पुरस्कार से सम्मानित विद्यालय के प्रधान अध्यापक डॉ. अमित शर्मा ने विद्यार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों हेतु पर्यावरण संरक्षण में विद्यार्थियों की भूमिका विषयक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें पूर्व छात्रा वैष्णवी शर्मा प्रथम, अंशु यादव द्वितीय और प्रज्ञन्य शर्मा तृतीय रहे। इसी क्रम में डॉ. अमित शर्मा ने एक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जिसमें अभिमान उपाध्याय प्रथम और वंश द्वितीय स्थान पर आए। इस मौके पर डॉ. अमित शर्मा और बच्चों ने एक पौधा मां के नाम भी लगाया और पर्यावरण संरक्षण हेतु सामूहिक शपथ भी ली। विद्यार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों की पर्यावरण संरक्षण पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शौर्य प्रताप सिंह, प्रज्ञन्य शर्मा, कृष्णा मौर्य, रुद्राक्षी,आस्था, मेघा, वैष्णवी शर्मा, सृजन, अरविल,

वैजयंती, तनु शर्मा, निधि, आयुष, अनुज, प्रखर, आरुषि, अंशु,अंजू, ऋषभ, रिया, सिया और एकता आदि विद्यार्थी और पूर्व विद्यार्थी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ईद-उल-अजहा पर भारी वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित

यातायात विभाग ने ट्रैफिक-एडवाइजरी जारी की

-स्वतंत्र भारत-

बरेली। ईद-उल-अज़हा (बकरीद) के अवसर पर लोगों की सुविधा के लिए मो0 अकमल खान, पुलिस अधीक्षक यातायात के विभाग की ओर से ट्रैफिक प्लान जारी किया है ताकि जनता को व शहर में आने वाले वाहन चालकों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। इसके लिए प्रातः 05.00 बजे से समाप्ति तक सभी प्रकार के भारी वाहन नगर क्षेत्र में प्रतिबन्धित रहेंगे। दिल्ली, रामपुर, नैनीताल व पीलीभीत की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है, झुमका तिराहा बडे बाईपास विलवा, विलयधाम, नवदिया झादा, इन्वर्टिस तिराहा से ट्रांसपोर्ट नगर आ सकेगें। दिल्ली, रामपुर, नैनीताल व पीलीभीत की ओर से बदायू जाने वाले भारी वाहन बड़े बाईपास से विलयधाम, इन्वर्टिस से नो-एन्ट्री समय के अतिरिक्त समय प्रातः 07.00 बजे से पूर्व में कैण्ट, बुखारा होकर जा सकेगें। बदायू की तरफ आने वाले भारी वाहन नो-एन्ट्री के समय प्रातः 07.00 बजे से पूर्व में रामगंगा, बुखारा, कैण्ट होकर बरेली आ सकेगें। वहीं दिल्ली, रामपुर की तरफ से आने वाली रोडवेज बसें झुमका तिराहे से मिनीबाईपास, इज्जतनगर तिराहा, डेलापीर, 100 फुटा पूर्वी होते हुये सैटेलाइट बस स्टैण्ड तक आयेगी व इसी रास्ते से वापस जायेगी। नमाज के दौरान सभी प्रकार के भारी वाहन/रोडवेज बसें चौकी चौराहा व मिनी बाईपास से दुल्हे मियाँ मजार की तरफ प्रतिबन्धित रहेंगी। सभी यातायात निरीक्षक को इस हेतु निर्देशित किया गया गया है कि वह उपरोक्तानुसार यातायात प्रबन्धन सुनिश्चित करें/करायें।

कांग्रेस ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण

-स्वतंत्र भारत-

बरेली। जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोष्ठी व पौधारोपण कार्यक्रम वार्ड नम्बर 68 के बड़ी बमनपुरी स्थित शाह जी की बगिया में हुआ। उपस्थित कांग्रेस जनों ने इस अवसर पर अलग-अलग तरह के सदाबहार नीम, आम और फूलों के पौधे लगाए उसके बाद रामपुर गार्डन धनवंतरी तोमर चौराहा स्थित कांग्रेस कार्यालय पर एक विचार गोष्ठी हुई जिसमें उपस्थित वक्ताओं ने विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये जिसकी अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी ने की संचालन महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश दद्दा एडवोकेट ने किया।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी ने कहा की हर साल विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है जो हमें पर्यावरण संरक्षण के महत्व की याद दिलाता है यह दिन प्रकृति के प्रति हमारी

जिम्मेदारियां को समझने और प्रदूषण,जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर ध्यान देने का अवसर है। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश दद्दा एडवोकेट ने कहा हमें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने और टिकाऊ जीवन शैली अपनाने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे और समय-समय पर पौधे लगाने होंगे।

पूर्व महापौर प्रत्याशी प्रदेश प्रवक्ता गुरु जी डॉ केबी त्रिपाठी ने कहा विश्व पर्यावरण दिवस हमें अपनी पृथ्वी अपने पर्यावरण के प्रति हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत जिम्मेदारियो की याद दिलाता है यह केवल एक दिन का उत्सव नहीं है बल्कि यह एक प्रतिज्ञा है।

पूर्व शहर विधानसभा प्रत्याशी कृष्णकांत शर्मा ने कहा कि हमें अपने आसपास के वातावरण को हरा-भरा बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास करते रहना चाहिए और लोगों को भी प्रेरित करना चाहिए कि वह भी इस मिशन को एक पौधा लगाकर आगे बढ़ाएं।

उपस्थित कांग्रेस जनों में पूर्व एमएलसी शिक्षक प्रत्याशी डॉक्टर मेहंदी हसन, जिया उर रहमान, रमेश चंद्र श्रीवास्तव, आर बी प्रजापति, प्रवीण मिश्रा, बीना जायसवाल, धीरज दीक्षित, प्रवीण उपाध्याय, मोबिन कुरैशी, निधि शर्मा, दीपिका रस्तोगी, योगेश जायसवाल, रमेश साहू, नागेश दुबे,अनिल रस्तोगी, कैलाश चंद्र सक्सेना, विनोद उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

मंदिर से घर जा रहे दंपति को बाइक सवार ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान महिला की मौत

बरेली। थाना शाही क्षेत्र के गांव फिदाईपुर निवासी बुजुर्ग महिला 65 वर्षीय शकुन्तला उसका पति दिव्यांग नाथूलाल दोनों रोड पार करते समय बाइक सवार ने टक्कर मार दी दोनों घायल हो गए घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया महिला की इलाज दौरान मौत हो गई। परिजनों ने बताया 3 मई की शाम को शकुंतला देवी उनके पति नाथूलाल जो कि दिव्यांग हैं दोनों मंदिर से पूजा करके घर आ रहे थे रास्ते में रोड पार करते समय तेज रफ्तार आ रही मोटरसाइकिल सवार ने दोनों के टक्कर मार दी जिसमें शकुन्तला गंभीर रूप से घायल हो गई नत्थू लाल के हाथ में चोट आई परिवार वालों ने शकुंतला देवी को जिला अस्पताल भर्ती कराया इलाज के दौरान 5 मई की सुबह शकुन्तला की मौत हो गई मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम को भेजा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डीएम-एसपी सहित समितियों व संगठनों ने किया वृक्षारोपण

- जिले भर में रोपे गए पौधे
- पर्यावरण सुरक्षा की दिलाई गई शपथ

स्वतंत्र भारत

हरदोई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डीएम एसपी सहित पूरे जनपद के अधिकारियों और सामाजिक संगठनों ने वृक्षारोपण किया। गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी अनुनय झा और पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।शाहाबाद तहसील परिसर में एसडीएम तान्या सिंह ने वृक्षारोपण किया।इसके अलावा जनपद में कई सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। एसडीएम तान्या सिंह ने इस अवसर पर कहा पर्यावरण का संरक्षण किया जाना जीवन के लिए बहुत जरूरी है। व्रक्ष लगाकर उनकी देखभाल अवश्य की जानी चाहिए। व्रक्ष हमे आक्सीजन देते हैं।आज विकास की दौड़ में पेड़ काट कर बढ़िया सड़कों और बड़ी बड़ी इमारतों का निर्माण किया जा रहा है।इस वजह से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है जो मानव जीवन के लिए बहुत हानिकारक है।पर्यावरण दिवस पर सभी को जीवन में एक वृक्ष लगा कर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए।इस अवसर पर तहसील कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामाजिक वानिकी वन एवं वन्यजीव प्रभाग के संयोजन मे महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे महाकुम्भ 2025 के सफल आयोजन की स्मृति मे एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती ने महाविद्यालय परिसर मे पवित्र त्रिवेणी वृक्ष पीपल, बरगद व् नीम के पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण व् संवर्धन का सन्देश दिया। इस अवसर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने तथा प्रकृति से जुड़ाव बढ़ाने का आह्वान करते हुए अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम संकल्प के साथ रोपे जा रहे पौधे न केवल पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि प्रकृति व् मातृभूमि के प्रति हमारी अगाध श्रद्धा का पर्याय है। प्रकृति संरक्षण की यह पहल, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित व स्वस्थ भविष्य की नींव रखेगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, महाविद्यालय प्राचार्य निखिलेश सिंह, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सहित महाविद्यालय परिवार एवं होनहार विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय एवं जिला चिकित्साल्य, 100 बेड सहित सभी 19 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) पर कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पर्यावरण सरंक्षण को लेकर सभी ने शपथ ली। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. धीरेन्द्र कुमार ने कहा कि इस साल इस दिवस की थीम है दुनिया से प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना । सभी प्लास्टिक रसायनों से बनते हैं जिसमें उत्पाद को मजबूत, रंगीन, हल्का और आग प्रतिरोधी बनाने के लिए एडिटिव्स मिलाये जाते है। प्लास्टिक जीवन का अभिन्न अंग बन गया है लेकिन इससे होने वाला प्रदूषण एक बहुत बड़ी समस्या है । प्लास्टिक अपने पूरे जीवन चक्र के हर पड़ाव में वह पर्यावरण के साथ स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुँचाती है। इस धरती को सुरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है प्लास्टिक के बैग बहुत हल्का होने के बावजूद अपने से कई गुना अधिक वजन उठा सकता है, इसलिए यह बहुत उपयोगी होता है। व्यक्ति सांस लेने, निगलने और सीधे त्वचा के सम्पर्क के माध्यम से कई प्रकार के विषैले रसायन और माइक्रोप्लास्टिक के सम्पर्क में आता है। प्लास्टिक के बड़े टुकड़ों के टूटने या प्लास्टिक के उत्पादन के दौरान माइक्रोप्लास्टिक बनते हैं जिनका आकार पांच मिमी से कम होता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एनसीसी कैडेट्स ने चलाया वृक्षारोपण अभियान

स्वतन्त्र भारत जमानियां (गाजीपुर)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिंदू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने %त्नश्च त्नह्दद्दठ्ठ, ब्व्ह्दड्ढह्लद्धद्द ष्टद्यद्दड्डठ्ठ% अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह कार्यक्रम 91 यूपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल अमर सिंह के निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अगुवाई महाविद्यालय के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर (ह्लह्ल) कैप्टन डॉ. अंगद प्रसाद तिवारी ने की। कमान अधिकारी कर्नल अमर सिंह ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण देश सेवा का ही एक हिस्सा है और एनसीसी के कैडेट्स इस दिशा में अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं। एक वृक्ष, सौ पीढ़ियों को जीवन दे सकता है। आज हम जिन प्राकृतिक संकटों से जूझ रहे हैं, उनका समाधान केवल सजगता और सामूहिक प्रयासों में है। हमारे कैडेट्स इस जागरूकता को समाज में फैलाने वाले ÷ह्लश्चह्ष्द्धड्ड्रद्दड्डह्द्दह्ह्य÷ हैं। यह सिर्फ पौधारोपण नहीं, बल्कि 'हरित विचारों' की नींव है। ए एन ओ डॉ. तिवारी ने कहा, ÷आज पर्यावरण संकट की घड़ी में वृक्षारोपण केवल एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि यह पृथ्वी के प्रति हमारा नैतिक कर्तव्य है। एनसीसी कैडेट्स इस कार्य में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं और समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स ने विभिन्न प्रकार के पौधे- नीम, अशोक, गुलमोहर, अमलतास आदि रोपे और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली। इस अवसर पर %हरित भविष्य, स्वच्छ वायु% जैसे नारों के साथ जागरूकता रैली भी निकाली गई। 91 यूपी बटालियन की ओर से इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से युवाओं में पर्यावरण के प्रति चेतना विकसित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे और कैडेट्स के इस कार्य की सराहना की।

बकरीद पर्व को लेकर उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी ने ईदगाह व मस्जिदों का निरीक्षण किया

स्वतन्त्र भारत संवाददाता। जमानिया (ग़ाज़ीपुर)- स्थानीय नगर व क्षेत्र में बकरीद पर्व को लेकर एसडीएम और सीओ ने ईदगाहों व मस्जिदों का लिया जायजा। बता दें की आगामी पर्व बकरीद को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी ज्योति चौरसिया व क्षेत्राधिकारी रामकृष्ण ने गुरुवार को नगर व क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों व मस्जिदों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों व मस्जिदों के इमामों के साथ बातचीत की और आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा यातायात प्रबंधन से संबंधित दिशा-निर्देश भी दिए।

प्रत्येक दिवस पर्यावरण दिवसः मुख्य चिकित्सा अधिकारी

स्वतन्त्र भारत गाजीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय परिसर में पीपल,पाकड़,अमरूद सहित विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गये। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.रामकुमार ने कहा कि प्रत्येक दिवस को पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित करने के लिए प्रत्येक साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। पर्यावरण के क्षेत्र में ग्रीनमैन डॉ अरविंद कुमार के नेक पहल की एसीएमओ ने सराहना की और कहा कि पर्यावरण संरक्षण जागरूकता की विषय वस्तु है। जब तक प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक नहीं होगा तब तक केवल सरकारी मिशनरीयों के द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित करना मुश्किल होगा।ऐसे पुनीत कार्य के लिए सामाजिक संस्थाओं को भी आगे आकर चढ़ बढ़ कर भाग लेना चाहिए।व जिला महामारी रोग विशेषज्ञ डा.शाहबाज ने बताया कि अगर प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिन के अवसर पर एक-एक पौधे लगाएंगे तो प्रतिवर्ष एक करोड़ 40 लाख पौधे लग जाएंगे हमारे धरा स्वतः हरी भरी हो जाएगी।

जिला गंगा समिति व वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ गंगा दशहरा का आयोजन

स्वतंत्र भारत

हरदोई। विश्व पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा के अवसर पर जिला गंगा समिति, हरदोई एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विकास खण्ड साण्डी व बिलग्राम में वृक्षारोपण व स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। साण्डी के जनता इंटर कॉलेज, पुरसोली में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख अनिल राजपूत रहे। उन्होंने नीम, पीपल व आम के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेश तिवारी, जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे अश्वनी कुमार मिश्र, क्षेत्रीय वन अधिकारी हरपालपुर प्रत्युष श्रीवास्तव, मनोज दीक्षित (ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि) की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। विजेताओं को कैप व ट्रॉफी प्रदान की गई और सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इसके बाद

तेरापुरसोली गंगा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। दूसरा कार्यक्रम विकास खण्ड बिलग्राम के ग्राम छिबरामऊ मऊ में आयोजित हुआ, जिसमें आम, अमरूद व कंजी के पौधे रोपे गए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुभाष पांडेय (क्षेत्रीय सह संयोजक, नमामि गंगे, भाजपा) एवं आकाश तिवारी (जिला संयोजक, नमामि गंगे, भाजपा) रहे। गंगा तट राजघाट पर पर्यावरण गोष्ठी, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण शपथ व गंगा आरती का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर प्रियांशु अवस्थी, मृदुल अवस्थी, प्रियांशु राजपूत सहित अनेक गंगा सेवक उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को नमामि गंगे टी-शर्ट व कैप वितरित किया गया।

जानलेवा हमला करने के दो आरोपी पुलिस ने किए गिरफ्तार

हरदोई। संडीला थाना क्षेत्र के ग्राम रूदान खेड़ा में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर घायल करने के मामले में पुलिस ने नामजद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त विवरण में 4 जून को रमेश कुमार पुत्र सोहन निवासी रुदानखेड़ा मजरा जंवर द्वारा थाना संडीला पर तहरीर दी गयी कि कैलाश पुत्र सुरेश ने अपने पुत्र देवराज निवासीगण ग्राम पिपरी थाना माल जनपद लखनऊ द्वारा उसके भाई पर लोहे के गमले से वार कर घायल कर दिया गया। इस संबंध में थाना संडीला ने लिखित तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की थी। थाना संडीला के उपनिरीक्षक प्रभु नारायण और पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से संबंधित वांछित नामजद अभियुक्तगण 1. कैलाश पुत्र सुरेश 2. देवराज पुत्र सुरेश निवासीगण ग्राम पिपरी थाना माल जनपद लखनऊ को घटना में प्रयुक्त लोहे का गमला सहित गिरफ्तार किया गया।

डीएम ने मौके पर ही बनबाया पेंशन व आयुष्मान कार्ड

हरदोई (स्वतंत्र भारत)। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांग पेंशन से वंचित पात्र लोगों की पेंशन बनवाने की तत्काल कार्रवाई प्रारम्भ की। मौके पर ही 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनवाया। आज भी 9 बुजुर्गो के आयुष्मान कार्ड बनाये गए। जिलाधिकारी के कार्यभार ग्रहण करने के बाद अब तक जन सुनवाई में कुल 40 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। भूमि पर अवैध कब्जो के मामले में उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मौके पर जाकर त्वरित कार्रवाई की जाये। पैमाइश के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। अंश निर्धारण व नामांतरण के प्रकरणों को लंबित न रखा जाये। एक दिव्यांग अखिलेश ने बताया कि करीब डेढ़ वर्ष से उसको दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है उसकी पत्नी भी दिव्यांग है तथा दो बच्चे हैं। जिलाधिकारी ने तत्काल पेंशन शुरू करवाने के सम्बन्ध में दिव्यांगजन कल्याण विभाग को पेंशन शुरू करवाने के निर्देश दिए।

सरकार के जनहित कार्यों एवं लोककल्याण योजनाओं का बूथ स्तर तक करें प्रचार

स्वतंत्र भारत

हरदोई। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की 11वीं वर्षगांठ की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी ने कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने की एवं मुख्य अतिथि जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने कार्यक्रम में कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनहित कार्यों एवं लोककल्याण योजनाओं का संवाद के मध्य से बूथ स्तर तक प्रचार प्रसार करना है।

कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यशाला के माध्यम से हमें यह सुनिश्चित करना है कि विकसित भारत का अमृतकाल एवं सेवा सुशासन और गरीब कल्याण में सरकार के कार्यों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन जन तक पहुंचना है। जिला प्रभारी ने कहा कि आजादी के अमृत काल में देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में प्रभावशाली नेतृत्व प्राप्त

होना सभी के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर संवाद का मंत्र देते हुए कहा कि मोदी सरकार की 11 साल उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाना हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर वर्ग को इस अभियान से जोड़ने और लाभार्थियों के अनुभव साझा करने की अपील की। कहा कि अमृत काल में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए मोदी सरकार की 11 वर्षो की उपलब्धियां गर्व का विषय हैं तथा उन्हें प्रदेश, जनपद, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी, कहा कि आयुष्मान भारत योजना की सफलता ने देश में एक नया आयाम स्थापित किया। पहले किसी परिवार में बीमारी संकट बन जाती थी, लेकिन आज देश के 50 करोड़ और उत्तर प्रदेश के 10 करोड़ लोग इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में देश की प्रगति का आलम यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी ने छह एम्स स्थापित किए और मोदी सरकार ने 22 नए एम्स बनाए, जिनमें उत्तर प्रदेश में दो एम्स शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना ने प्रदेश के लगभग सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए, जो रोजगार और स्वास्थ्य सुविधाएं दोनों प्रदान कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने सेवा सुशासन और गरीब कल्याण की ग्यारहवीं वर्षगांठ पर कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों को गर्व के साथ प्रचारित करने को कहा, ताकि विरोधियों के दुष्प्रचार का जवाब दिया जा सके, जिससे जनता किसी भी बहकावे में ना आए। पूर्व अध्यक्ष राबहदुर सिंह ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत होते हुए चैथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है, गांव, गरीब, किसान महिला सभी हर वर्ग के लिए योजनाएं चल रही हैं, जिसका परिणाम है सभी वर्गों के आर्थिक विकास में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों का प्रवास सुनिश्चित किया जाएगा।

खबर एक नजर

लापता 12 वर्षीय बालक को पुलिस ने बरामद कर किया परिजनों को सुपुर्द

हरदोई (स्वतंत्र भारत)। बिलग्राम थाना क्षेत्र से घर से बिना बताए लापता हुए बालक के संबंध में पुलिस उसे सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया है। प्राप्त विवरण में 4 जून को बालक के पिता द्वारा थाना बिलग्राम पर सूचना दी गयी कि उनका 12 वर्षीय पुत्र बिना बताये कहीं चला गया है जोकि वापस घर नहीं आया। काफी खोजबीन के बाद भी कोई पता नहीं चला। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा जनपद में अपहृत ध् गुमशुदा बच्चोंध्बालकों की सकुशल बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन स्माईल के क्रम में गठित पुलिस टीम के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार यादव और पुलिस बल द्वारा स्थानीय व्यक्तियोंध्सोशल मीडिया आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त गुमशुदा बालक को सकुशल बरामद किया गया एवं विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए परिजनो को सुपुर्द किया गया।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्र का वन डे वन प्रॉब्लम के तहत निस्तारित

शाहाबाद हरदोई (स्वतंत्र भारत)। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा जनपद में चलाए जा रहे वन डे वन प्रॉब्लम के तहत मझिला पुलिस ने प्राप्त तहरीर का मौके पर निस्तारण किया। प्राप्त विवरण में पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान थाना मझिला क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री जादौन के समक्ष उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दिया कि उनके गांव के ही विपक्षीगण द्वारा आवेदक के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट की गयी है। पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त प्रार्थना पत्र का त्वरित संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी मझिला को उक्त प्रार्थना पत्र को प्राथमिकता के आधार पर मौके पर जाकर समस्या का उचित निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। उपरोक्त प्रकरण के सम्बन्ध में थाना प्रभारी मझिला सत्य प्रकाश मिश्रा द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच की गयी तो ज्ञात हुआ कि दोनों पक्षों के मध्य गाली-गलौज व मारपीट होना पाया गया है। थाना प्रभारी मझिला द्वारा दोनों पक्षों की कॉउंसलिंग की गयी। इस सम्बन्ध में आवेदक उपरोक्त की तहरीर के आधार पर थाना पुलिस ने चार आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर पीड़ित के प्रार्थना पत्र का निस्तारण किया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।थाना प्रभारी द्वारा आवेदक से भविष्य में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल स्थानीय पुलिसध्डायल-112 को अवगत कराने हेतु बताया गया।

भूमि से हटवाया अवैध कब्जा

हरदोई (स्वतंत्र भारत)। वन डे वन प्राब्लम के तहत बेहटा गोकुल पुलिस ने राजस्व टीम के साथ पीड़ित की भूमि से अवैध कब्जा हटवाकर एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है। प्राप्त विवरण में 4 जून को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान थाना बेहटा गोकुल क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन के समक्ष उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दिया कि विपक्षीगण द्वारा आवेदक की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है तथा आवेदक के साथ गाली-गलौज व मारपीट की गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त प्रार्थना को उक्त प्रार्थना पत्र को प्राथमिकता के आधार पर मौके पर जाकर समस्या का उचित निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। उपरोक्त प्रकरण के सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक बेहटा गोकुल व राजस्व विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर जांच की गयी तो ज्ञात हुआ कि विपक्षीगण द्वारा आवेदक की भूमि पर अवैध रुप से कब्जा करना पाया गया। राजस्व विभाग की टीम द्वारा भूमि को कब्जा मुक्त कराकर आवेदक का उक्त भूमि पर निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना बेहटा गोकुल पुलिस ने 6 नामजद आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उपरोक्त अभियोग से संबंधित नामजद अमरसिंह पुत्र लाखन को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया।

गंगा दशहरा पर 108 हनुमान चालीसा का पाठ

हरदोई (स्वतंत्र भारत)। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर श्री सिद्धबली हनुमान मंदिर नघेटा रोड हरदोई मंदिर प्रांगण में 108 हनुमान चालीसा पाठ सैकड़ो भक्तों के द्वारा पूर्ण भक्ति अनुराग से गायन किया गया जिससे पूरा मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया। जैसा कि शिव पुराण में वर्णन मिलता है.गंगा दशहरा के दिन देवी गंगा की पूजा होती है। इस दिन गंगा स्नान, दान-पुण्य और गंगा आरती का भी आयोजन किया जाता है। गंगा दशहरा को गंगावतरण दिवस के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसी दिन माँ गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। ऐसे पावन अवसर के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम की आयोजक श्रीमती कीर्ति सिंह जी के द्वारा ठंडा शरबत, सब्जी, पूड़ी, बूँदी मिष्ठान भोजन वितरण भंडारे के रूप में किया गया द्य इस अवसर पर इस कार्यक्रम की आयोजक श्रीमती कीर्ति सिंह अध्यक्ष जीवन दीप सत्संग मंडल, प्रबंध निदेशिका एवं श्रीमती कनुप्रिया सिंह प्रधानाचार्या विद्यालय बाल विद्या भवन पब्लिक स्कूल जी ने अपने प्रसन्नचित भाव से कन्याओं को भंडारे का भोग एवं दक्षिणा देकर भंडारे का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर एकेडमिक हेड अश्वनी कुमार दीक्षित, शोभित बाजपेयी, प्रेमकुमार सिंह, दीपक द्विवेदी, रविकांत दीक्षित, सोनम पाण्डेय, हनी पाण्डेय, नीलम सिंह, आदि सैकड़ो की संख्या में भक्तजन मौजूद रहे।

निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे में प्रवेश कर अपनी जान जोखिम मे न डालें

हरदोई (स्वतंत्र भारत)। विशेष भूमि अधिकारी सुनील कुमार त्रिवेदी ने जिलाधिकारी की ओर से प्रेषित पत्र के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया है कि उ0प्र0 एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण के पत्र में कहा गया हैकि गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य प्रगति पर है, किन्तु ग्रामीण और आम जनता प्रवेश निषेध प्रतिबंध की अनदेखी कर बाईक, ई-रिक्शा, चार पहिया वाहन, यात्रियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली और परिवहन वाहनों द्वारा निर्माण वाहनों के लिए बनाये गये अस्थायी मार्ग से एक्सप्रेसवे में अनधिकृत रूप से प्रवेश कर रहे है और अधूरे गंगा एक्सप्रेसवे पर तेज गति से वाहन आदि चला रहें है। जिससे स्वयं के साथ-साथ एक्सप्रेसवे पर काम कर रहे निर्माण श्रमिक को भी खतरा बना रहता है, जिसको रोका जाना नितान्त आवश्यक है। इसलिए कार्यकारी अभियन्ता, यूपीडा द्वारा प्रेषित पत्र की प्रति इस अनुरोध के साथ प्रेषित है कि दुर्घटना, टकराव, जनहानि और एक्सप्रेसवे के काम में हो रही देरी के संभावित जोखिम के दृष्टिगत आप सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें कि जब तक राज्य सरकार द्वारा एक्सप्रेसवे को यातायात के लिए नही खोला जाता है, तब तक वे अधूरेध् निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे में प्रवेश न करें और न ही अपनी जान जोखिम मे डाले।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय परिसर में पीपल, बरगद, नीम के रोपे गए पौधे

हलिया (मिर्जापुर)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को हलिया रेंज के अंतर्गत

पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी रेंजर अवध नारायण मिश्रा ने ली

प्राथमिक विद्यालय भटवारी के परिसर में खंड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी व रेंजर हलिया अवध नारायण मिश्रा व ग्राम प्रधान भटवारी राजेश कुमार ने पवित्र त्रिवेणी के तहत संयुक्त रूप से पीपल,बरगद,नीम के पौधे को रोपित किया है। संगोष्ठी का

आयोजन किया गया। वन रेंज परिसर में सागौन, शीशम, अमरूद, आवला, कांजी सहित अन्य प्रजाति के पौधे रोपे गए। रोपे गए पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी रेंजर अवध नारायण मिश्रा ने ली। वहीं प्रत्येक ग्राम पंचायतो में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कर संगोष्ठी कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत हथेड़ा के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में ग्राम प्रतिनिधि काशी प्रसाद मिश्रा, प्रभारी प्रधानाध्यापक सुरेश मिश्रा ने पौधरोपण किया है। इस दौरान विकास सोनकर, शशिकांत पटेल,प्रभारी प्रधानाध्यापक बृजेश मिश्रा, वन दरोगा श्रवण कुमार संत, वन्य जीव रक्षक शीतला वक्स सिंह, राजकुमार वर्मा, अंकुर शुक्ला, नीटू शर्मा, शिवम सिंह आदि मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस एक पौध मां के नाम पर ग्रीन गुरु ने किया पौध रोपण

राजगढ़ (मिर्जापुर)। एक पौधे लगाकर मानवता की सेवा करें। अगर सभी भारत के लोग एक पौधे लगाए तो हर साल पौधे की संख्या बढ़ेगी और साथ में हरियाली भी बढ़ती जाएगी। इसी क्रम में ग्रीन गुरु के नाम से विख्यात मिर्जापुर जनपद के अनिल कुमार सिंह के द्वारा निरंतर पौधों पर करके एक मिसाल कायम की है। विश्व पर्यावरण दिवस पर लगातार पौध रोपण के क्रम में गुरुवार को खेल क्रान्ति एवं पर्यावरण शुद्धिकरण फाउंडेशन, ट्रस्ट द्वारा संचालित पर्यावरण शुद्धिकरण अभियान के संस्थापक सचिव, अनिल कुमार सिंह ग्रीन गुरु मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा गंगा सेवक सम्मान से सम्मानित प्रधानाचार्य, शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज,पचोखरा मिर्जापुर, 01जुलाई 2015 से लगातार प्रति दिन किये जा रहे पौध रोपण के 3628 वें दिन के क्रम में विश्व पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा के पावन पर्व पर एक पौध मां के नाम 2.0 के अवसर पर अपने आवासीय परिसर जे. पी .पुरम कॉलोनी पटेल नगर,कतवारू के पुरा मिर्जापुर के गमले में फुटबॉल लिली के पौध का रोपण अभिनव सिंह के सहयोग से किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता/सेतु कर्मशाला, उत्तर रेलवे चारबाग, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई.– निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	निविदा सं0	कार्य का नाम
1	03/डब्ल्यू0/बीडब्ल्यूएस/सीबी/एल0के0ओ/2025–26	पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन–वाराणसी खंड के बीच गंगा नदी पर पुल संख्या 11 पर ढीले/घिसे हुए रिवेट्स को बदलने के साथ–साथ निरीक्षण व्यवस्था का प्रावधान।
2	अनुमानित लागत	रू0 99603777.32
3	बोली सुरक्षा राशि	रू0 648000.00
4	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह
5	निविदा डालने की प्रारम्भिक तिथि	16.06.2025
6	निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि तथा समय	निविदा 30.06.2025 को 15:00 बजे तक जमा किए जा सकेंगे एवं निविदा उसी दिन खोली जायेगी।
7		न्यूनतम पात्रता की शर्तें:
अ	तकनीकी	(ए) निविदा कार ने पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा या प्रर्याप्त रूप से पूरा किया हो, जिस महीने में निविदा आमंत्रित की गयी थी, उससे पहले के महीने के अन्तिम दिन को समाप्त करना होगा। तीन समान कार्य जिनकी लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 30 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। या दो समान कार्य जिनका लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 40 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। या एक समान कार्य की लागत, निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60 प्रतिशत के बराबर राशि से कम नहीं होनी चाहिए।
ब	वित्तीय	निविदाकर्ता का न्यूनतम औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार V/N (वी/एन) या 'V' (वी) जो भी कम होय जहाँ V (वी) = निविदा की विज्ञापित मूल्य करोड़ रूपये में। N (एन) = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गयी है। औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल संविदात्मक भुगतान के औसत के रूप में की जायेगी, लेखा परीक्षित बैलेन्स शीट के अनुसार। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन–पत्र अभी तक तैयार/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष की लेखा परीक्षित तुलन–पत्र पर विचार किया जाएगा।
8	एक समान कार्य	मौजुदा स्टील गर्डर पुलों पर साइड पाथवे & ट्राली रिफ्यूजस का फ्रेब्रीकेशन एवं इरेक्शन या रेलवे स्टील गर्डर पुल का फ्रेब्रीकेशन/रिपेयर।
9	वेबसाइट का विवरण एवं कार्यालय का नाम जहाँ निविदा का विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in, कार्यालय उप मुख्य अभियन्ता/से0 कर्म0, उत्तर रेलवे चारबाग, लखनऊ।

नोट :- 1. ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। 2. समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। 3. मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। 4. निविदा प्रपत्र की लागत जो निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट किया गया है। 5. बोली सुरक्षा राशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग, पेमेंट गेटवे या बैंक गारंटी जैसा कि निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट किया गया है, द्वारा स्वीकृत की जायेगी। निविदा सू0सं0–03/डब्ल्यू0/बीडब्ल्यूएस/सीबी/एल0के0ओ/2025–26

दिनांक 03.06.2025 1666/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सपा की समीक्षा बैठक में बोले प्रभारी डॉ. अवधनाथ पाल : प्रत्येक बूथ तक मजबूती ही लक्ष्य

मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार मझवां विधानसभा की

जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने सक्रियता एकजुटता का किया आह्वान

सपा की समीक्षा बैठक में बोले प्रभारी: प्रत्येक बूथ तक मजबूती ही लक्ष्य

समीक्षा बैठक के अंतर्गत मझवां विधानसभा की समीक्षा बैठक मसारी व बरकछा खुर्द में जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता व विधानसभा अध्यक्ष झल्लू यादव के संचालन में संपन्न हुई। विधानसभा के जोन, सेक्टर,विधानसभा,ब्लाक तथा

प्रमुख पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रभारी डॉ अवधनाथ पाल ने कहा कि वंचितों दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों के साथ जिसके भी अधिकारों का भी हनन किया जाए चाहे वह कोई जाति वर्ग हो उसकी आवाज बनना व भागीदारी देना ही समाजवादी पार्टी की पहचान है। उन्होंने कहा कि सभी जाति वर्ग की मजबूत बूथ कमेटी समाजवादी पार्टी को 2027 का बहुमत से चुनाव जिताएगी। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार किसान मजदूर, नौजवानों, महिलाओं छात्रों से किए गए वादों में फ्लॉप रही है। रोजगार देने महंगाई रोकने महंगी बिजली किसानों की फसल का उचित दाम देने जैसे वादे हवा हवाई बन गए है। जनता अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा सरकार बनाने को आतुर है इसलिए एकजुटता से कार्यकर्ताओं को जनता के बीच में रहकर उनकी आवाज उठाने को तैयार रहना होगा।

समीक्षा बैठक में रोहित शुक्ला 'लल्लू', दामोदर प्रसाद मौर्या, भोलानाथ यादव, लाल बहादुर यादव, सुरेश यादव, रंजीत फौजी, योगेश यादव, विष्णु यादव, सौरभ सिंह, रविन्द्र गुप्ता, मुसाफिर सरोज, विनोद पासी आदि सेक्टर प्रभारी व जोन प्रभारी मौजूद रहें।

विकास भारत कृषि संकल्प अभियान का किया गया आयोजन

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय विकास खंड के ग्राम पंचायत बरगड़ा स्थित चौधरी राम हरख सिंह इंटर कालेज के प्रांगण में बुधवार की शाम विकसित भारत कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषि निवेश तथा कृषि मेला का आयोजन किया गया। कृषि सूचना तंत्र सुदृढीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम और सब मिशन आन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एवं त्वरित विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विकास खंड स्तरीय कृषि निवेश मेला एवं गोष्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कि मुख्य अतिथि छानबे विधायक रिंकी कोल ने द्वीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के पहले बीएचयू के कई वैज्ञानिक ने कृषि निवेश तथा कृषि से संबंधित जानकारी दिया कृषि विभाग की ओर से किसानों को आधुनिक तकनीक से खेती कर आय दुगनी करने की जानकारी दिया। किसानों को कृषि निवेश तथा उपजाउ के बारे मे बताया गया वैज्ञानिक ने सही उत्तर देने वाले किसानो को फसल से संबंधित दवाएं बाजरे के बीज मुख्य अतिथि के द्वारा कर कमलों द्वारा दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी, एडीओ कृषि नरेंद्र कानापुरिया, गोदाम प्रभारी सुरेंद्र कुमार यादव, वैज्ञानिक सुधीर श्रीवास्तव, श्रीराम सिंह, आदि मौजूद रहे।

स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण संरक्षण जरूरी : बिंदु दीदी

मिर्जापुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को जीडी बिनानी पीजी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, प्रभुउपहार भवन शुक्लहा के संयुक्त तत्वावधान मेंएक पेड़ मां के नाम थीम पर पौधरोपण किया गया। साथ ही सभी नेधरती मां को हरा भरा रखने, अधिक सेअधिक पेड़ लगाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सेवा केंद्रप्रभारी बीके बिंदु दीदी एवं महाविद्यालय की प्राचार्यप्रोफेसर वीना सिंह समेत सैकड़ों भाई बहनों नेमहाविद्यालय के परिसर मेंपौधेलगाए। पर्यावरण के प्रति युवाओं नेखासा उत्साह दिखाया। कड़ी धूप मेंरैली निकालकर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। यह कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारीद्वय डॉ. आशुतोष कुमार तिवारी, डॉ. राममोहन अस्थाना के निर्दशन में आयोजित किया गया। प्राचार्यप्रोफेसर वीना सिंह नेकहा दुनिया भर मेंतकनीकी विकास की खुशी में, हम यह भूल गए कि हम विकास के साथ बहुत कुछ खो रहे हैं। विकास की गतिविधियों ने हमें प्रकृति सेदूर कर दिया है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी की मुख्य दीदी बीके बिंदु दीदी नेकहाविश्व पर्यावरण दिवस को मनानेके पीछे हमारा यही उद्देश्य होता हैकि हम पृथ्वी पर प्राकृतिक पर्यावरण की हर संभव रक्षा करें,ताकि स्वस्थ जीवन की संभावना पृथ्वी पर हमेशा बनी रहे। मौके पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सेबीके सिंह, सिकंदर, पूजा दीदी,अंकित अग्रहरि, शिव प्रग्रहरी, नेहा, नीति मिश्रा, रूपाली, महाविद्यालय के प्राध्यापक आशुतोष सिंह, डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ.अखिलेश नारायण मिश्र, राजीव कुमार सिंह, दिव्या, अंकिता, शोध छात्र शिव शंकर यादव, कार्यालय अधीक्षक ओम प्रकाश पांडेय,गणेश उपाध्याय, महेंद्र कुमार, अरविंद, कृष्णा आदि रहे।

हिंयुवा कार्यकर्ताओं ने मनाया मुख्यमंत्री योगी का जन्मदिन

मिर्जापुर। हिन्दु युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं नेगुरुवार को नगर के चौबेटोला स्थित कैंप कार्यालय पर एक दूसरेको मिठाईखिलाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन मनाया और एक दूसरेको शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दीर्घायु होने के लिए जननी मां विन्ध्यवासिनी सेप्रार्थना की। हिन्दु युवा वाहिनी के निवर्तमान वरिष्ठ जिलाउपाध्यक्ष सुनील सिंह नेकहा उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के नेतृत्व मेंप्रदेश आत्मनिर्भर बननेकी ओर अग्रसर है।

वह सहीमायनों मेंउत्तर प्रदेश के सच्चे विकास पुरुष है। प्रदेश के अंदर कानून व्यवस्था का राज स्थापित हुआ है। माफिया-गुंडों मेंडर पैदाहुआ है। पलायन रुका है। इस अवसर पर शरद कुमार बालाजी, सुधीर गुप्ता, संदीप उपाध्याय, सुरेश गुप्ता, पवन मालवीय, विजय गुप्ता,हरिहर प्रताप सिंह, अंशुसाहू आदि लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपने (माइनर) पुत्र का नाम MOHAMMAD USAYD DANISH से बदलकर MOHAMMAD USAYD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। MOTHER'S NAME-ANAM DANISH ADD-FLAT-303 GARNDEUR APPARTMENT-1 DALIBAGH DIST-LUCKNOW-226001 (U.P)

सी.आर.–498/L-25

NOTICE

I, Santosh Kumar Dwivedi S/o Bahoran Lal, R/o- Jamthara, Khairam, Lalwachak, Gonda, UP, Inform Everyone that from Today I Have Change My Name as Santosh Kumar Dubey S/o Bahoran Lal for All Future Purpose.

सी.आर.–498/L-25

NOTICE

I, NEELAM DWIVEDI W/o SANTOSH KUMER DUBEY , R/o- Jamthara, Khairam, Lalwachak, Gonda, UP, Inform Everyone that from Today I Have Change My Name as NEELAM MISHRA W/o Santosh Kumar Dubey for All Future Purpose.

सी.आर.–498/L-25

सूचना

मैंने अपने (माइनर) पुत्र का नाम MOHAMMAD IMAAD DANISH से बदलकर MOHAMMAD IMAAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। MOTHER'S NAME- ANAM DANISH ADD-FLAT-303 GARNDEUR APPARTMENT-1, DALIBAGH.

सी.आर.–498/L-25

सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मुख्तार अली मेरा नाम गलत है जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम मुख्यार अली पुत्र मो. आमीन निवासी वार्ड नम्बर 15 मोहल्ला सुभाष नगर रकेहटी निघासन खीरी।

सी.आर.–494/D-28

NAME CHANGE

I, SHAURYA VARDHEN PANDAY S/o Late Sh. Vinay Prakash Pandey R/o 26, Pandeypurwa, Kundwa, Bahraich, Uttar Pradesh - 271855 have changed my name to SHAURYA VARDHEN PANDEY for all future purposes.

सी.आर.–498/L-25

NOTICE

I, ANUBHAVI DWIVEDI S/o SANTOSH KUMER DUBEY , R/o- Jamthara, Khairam, Lalwachak, Gonda, UP, Inform Everyone that from Today I Have Change My Name as ANUBHVI D/o Santosh Kumar Dubey for All Future Purpose.

सी.आर.–498/L-25

सूचना–सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पिता बृजकिशोर तिवारी के नाम के स्थान पर बाबूराम तिवारी अंकित कराना चाहता हूं क्योंकि बाबूराम तिवारी मुझे गोद लिया है। अब मुझे अशोक कुमार तिवारी पुत्र बाबूराम तिवारी के नाम से जाना पहचाना जाय एवं पिता बृजकिशोर तिवारी के नाम के स्थान पर सभी अभिलेखों में बाबूराम तिवारी अंकित किया जाय। **प्रार्थी- अशोक कुमार तिवारी पुत्र बाबूराम तिवारी, निवासी-510 बल्लाहाता, रिकाबगंज, जनपद-फैजाबाद।**

सी.आर.–496/D

सूचना

मैं Army NO.-6494935P रैंक-HAV नाम-जय प्रकाश यूनिट - 504 ASC BN , C/o-56A.P.O. (AT) निवासी - बालीपुर जगदीशपुर, आजमगढ, उत्तर प्रदेश-276124 मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश श्रृष्टि दर्ज हो गया है जबकि मेरी पुत्री का सही नाम श्रृष्टि यादव है जो उसके आधार व अन्य दस्तावेजों में भी अंकित है अतः मेरे सर्विस रिकार्ड मे मेरी पुत्री का सही नाम श्रृष्टि यादव दर्ज होना न्यायहित मे अत्यन्त आवश्यक है।

सी.आर.–496/D

सूचना

मैं Army NO.-6494908L रैंक-HAV नाम-SHIBU S. युनिट-504, ASC BN,C/o 56 A.P.O. निवासी -charuvila veedu, Kottathala P.O. Kottarakkara, Mylom Kollam, Kerala -591556 मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम त्रुटिवश ANCHUDEV दर्ज हो गया है जबकि मेरी पत्नी का सही नाम ANCHUDEV P.S है जो उसके आधार व अन्य दस्तावेजों में भी अंकित है अतः मेरे सर्विस रिकार्ड मे मेरी पत्नी का सही नाम ANCHUDEV P.S. दर्ज होना न्यायहित में अत्यन्त आवश्यक है।

सी.आर.–495/D

सूचना

आर्य विद्या प्रसार समिति ठूठीबारी जनपद-महराजगंज के द्वारा संचालित विद्यालय राधा कुमारी इण्टर कालेज ठूठीबारी जनपद महराजगंज के प्रबन्ध समिति का निर्वाचन दिनांक 08-06-2025 दिन रविवार प्रातः 11 बजे निर्वाचन स्थान प्रांगण राधा कुमारी इण्टर कालेज ठूठीबारी में प्रारम्भ होगा। आर्य विद्या प्रसार समिति ठूठीबारी जनपद-महराजगंज के साधारण सभा के सम्मानित सदस्यों से अनुरोध है कि दिनांक 08-06-2025 को प्रातः 11 बजे निर्वाचन स्थान प्रांगण राधा कुमारी इण्टर कालेज ठूठीबारी जनपद-महराजगंज में निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने की कृपा करें।

प्रबन्ध - राधा कुमारी इण्टर कालेज ठूठीबारी जनपद- महराजगंज

सी.आर.–497/D

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना। **एडमिन यूनिट/जोनः** लखनऊ-पू०उ०रे०-मण्डल-वाणिज्य/पू०उ०रे०, **नीलामी सूची सं०/लॉट सं०:** LJN-RSLR-04-25, **नीलामी सूची प्रकाशन तिथिः** 02-06-2025 समय 13:06 बजे, **नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट):** 18-06-2025 समय 12:00 बजे, **नीलामी बन्द करने की तिथि व समयः** 18-06-2025 समय 13:40 बजे, **नीलामी का प्रकारः** Close Ended, **वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है:** E-Auction Module of www.ireps.gov.in

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

मुजाधि/वाणिज्य–57

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें।

NOTICE

It is hereby informed that M/s BHOR Developers, a company registered under the Companies Act, 2013, engaged in the real estate business, with its registered office located on 2 Floor, Premier Building, 09 Shahnajaf Road, Lucknow 226001, has undergone a restructuring effective from 01.04.2024. Due to the sad demise of Shri Nitin Agarwal, son of the late Shri Subhash Chandra Agarwal, referred to as the First Partner, the remaining partners have agreed upon the following new partnership structure: 1. Shri Sachin Kanchal (First Partner) 2. Smt. Aparna Agarwal (Second Partner) 3. Shri Vijay Kumar Agarwal (Third Partner) 4. Shri Suresh Kumar Agarwal (Fourth Partner) 5. Shri Rajnish Agarwal (Fifth Partner) 6. Shri Sumeet Kumar Agarwal (Sixth Partner) 7. Shri Abhishek Agarwal (Seventh Partner) 8. Shri Chaitanya Agarwal (Eighth Partner)

This restructuring reflects the profit-sharing ratio and partnership terms. All concerned parties are requested to take note of these changes

M/S BHOR DEVELOPERS
Lucknow, Uttar Pradesh

सी.आर.–500/L

U.P. Rajkiya Nirman Nigam Ltd.

(ISO 9001:2008 Certified Company)
Visheshwaraiya Bhawan, Gomti Nagar, Lucknow

TENDER NOTICE

On behalf of Managing Director, U.P. Rajkiya Nirman Nigam Ltd., General Manager (Prayagraj Zone) & (Lucknow Zone-2) invites online Item Rate / percentage rate bids in two bid system for-

1. NIT No.-844/GM(Lko Zone-2)/Tender Lalit Kala/HC Unit-1/RNN/2025 Dated-03-06-2025, e-tender Renovation work for Lalit Kala Academy Building and Kala Deergha at Lalit Kala Kendra, Lucknow.
2. NIT No.-2070/GM (P. Zone)/RNN/NIT/ITI Koraon/2024 Dated-31.12.2024, e-tender Construction of Balance Work I.T.I Koraon, Distt. Prayagraj. Last date of submission of offers upto 02.00 P.M. on Dated - 23.06.2025, (Sl. No.-1), upto 04.00 P.M. on Dated - 18.06.2025, (Sl. No. 2); all other details on:- website; www.etender.up.nic.in and www.uprnn.upsdc.gov.in.

अमरनाथ यात्रा : सीएपीएफ की 581 कंपनियां होंगी तैनात

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा 2025 में देश भर से और विदेशों से लाखों भगवान शिव भक्त शामिल होंगे। पवित्र अमरनाथ गुफा की यह वार्षिक आध्यात्मिक यात्रा, जहाँ प्राकृतिक रूप से बने बर्फ के शिवलिंग की पूजा की

काफिले की सुरक्षा के लिए लगेंगे जैमर

तीन जुलाई से शुरू होगी यात्रा

जाती है, सबसे प्रतिष्ठित हिंदू तीर्थयात्राओं में से एक है। अमरनाथ यात्रा 2025 की शुरुआत की तारीख आधिकारिक तौर पर 3 जुलाई 2025 तय की गई है, और यात्रा 9 अगस्त 2025 को समाप्त होगी, जो रक्षा बंधन के दिन है। अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा की भी तैयारी जोरों पर है। इस साल श्री अमरनाथ यात्रा के लिए विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों

(सीएपीएफ) की कुल 581 कंपनियों को तैनात किया जाएगा। 3 जुलाई से 9 अगस्त तक होने वाली यह तीर्थयात्रा पहली बार 38 दिनों की कम अवधि में आयोजित की जाएगी। पहली बार श्री अमरनाथ यात्रा के काफिले की सुरक्षा के लिए जैमर लगाए जाएंगे, जिसकी सुरक्षा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) द्वारा की जाएगी। काफिले के गुजरने के दौरान, अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यात्रा मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्गों की ओर जाने वाली सभी सड़कों को अस्थायी रूप से अवरुद्ध कर दिया जाएगा। इन उपायों के अलावा, व्यापक तैनाती में मार्गों को सुरक्षित और साफ करने के लिए रोड ओपनिंग पार्टियां (आरओपी), खतरों पर तत्काल प्रतिक्रिया के लिए त्वरित कार्रवाई दल (क्यूएटी), विस्फोटकों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते (बीडीएस), के9 इकाइयां (विशेष रूप से प्रशिक्षित खोजी कुत्ते) और हवाई निगरानी के लिए ड्रोन शामिल होंगे। ये व्यवस्थाएं जम्मू और कश्मीर में अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर लागू होंगी।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

महुआ लदे माल वाहक वाहन को वन विभाग ने पकड़कर किया सीज

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय कैमूर वन्यजीव प्रभाग के सगरा बीट के कम्पार्ट नंबर तीन से मुखबिर कि सूचना पर वन विभाग कि टीम ने महुआ लदा माल वाहक को पकडकर कार्रवाई करते हुए वाहन को रेंज परिसर लाकर वाहन को सीज कर दिया है। अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले कि जांच पड़ताल करने में जुट गई गई वनक्षेत्राधिकारी अवध नारायण मिश्रा के निर्देश पर वन्य जीव रक्षक राजकुमार व शीतला बक्स सिंह नीटू शर्मा ने मुखबिर कि सूचना पर कैमूर वन्यजीव अभ्यारण क्षेत्र के सगरा बीट के कम्पार्ट नंबर तीन से महुआ लदा माल वाहक वाहन को पकडकर कार्रवाई करते हुए वाहन को रेंज परिसर में लाकर वाहन को सीज कर दिया है। वाहन चालक मौके से फरार हो गया है। वन विभाग द्वारा अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले कि जांच पड़ताल करने में जुट गई है। इस संबंध में वनक्षेत्राधिकारी अवध नारायण मिश्रा ने बताया कि वन्यजीव अभ्यारण क्षेत्र के सगरा बीट के कम्पार्ट नंबर तीन से महुआ लदा माल वाहक वाहन को पकडकर कार्रवाई करते हुए वाहन को सीज कर दिया गया है।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***

फोन : 0522-4043151

swatantrabharat77@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

गाजा संघर्ष विराम प्रस्ताव पर यूएस का फिर वीटो

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को गाजा में तुरंत और स्थायी संघर्ष विराम की मांग करने वाले प्रस्ताव पर अमेरिका ने वीटो कर दिया। अमेरिका का कहना है कि प्रस्ताव में हमास की तरफ से

बंधकों की रिहाई के मुद्दे पर आपत्ति, 14 देश समर्थन में

बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई को संघर्ष विराम से नहीं जोड़ा गया है, इसलिए वह इसे स्वीकार नहीं कर सकता। यह प्रस्ताव 15 सदस्यीय परिषद में लाया गया था, जहां बाकी 14 देशों ने संघर्ष विराम के प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया।

अमेरिका के विरोध का बड़ा कारण है कि अमेरिका चाहता था कि प्रस्ताव में 7 अक्तूबर 2023 को इजरायल पर हमास के हमले की

निंदा की जाए, हमास के हथियार छोड़ने और गाजा से हटने की भी मांग की जाए। साथ ही संघर्ष विराम की शर्त यह हो कि सभी बंधकों को बिना शर्त रिहा किया जाए। प्रस्ताव में ये बातें स्पष्ट रूप से शामिल नहीं थीं।

गाजा में मौजूदा मानवीय संकट को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव में इजरायल से सभी सहायता प्रतिबंध हटाने और जरूरी सेवाओं को बहाल करने की मांग की थी। गाजा में करीब 21 लाख लोग पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मदद पर निर्भर हैं, क्योंकि इजरायली हमलों में लगभग सभी खाद्य उत्पादन व्यवस्था नष्ट हो चुकी है। गौरतलब है कि गाजा में चल रहे संघर्ष के चलते अब तक भयंकर तबाही मच चुकी है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस संघर्ष में अब तक 54,000 से ज्यादा फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। हालांकि यह मंत्रालय हमास सरकार के अधीन है, फिर भी इसके आंकड़ों को संयुक्त राष्ट्र और विशेषज्ञ आमतौर पर विश्वसनीय मानते हैं।

हार्वर्ड में विदेशी छात्रों को नहीं मिलेगा प्रवेश

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने के इच्छुक लगभग सभी विदेशी छात्रों का देश में प्रवेश रोकने के लिए एक शासकीय आदेश पर

ट्रंप ने किए आदेश पर दस्तखत

वीजा पर लगाई रोक

हस्ताक्षर किए हैं। यह 'आइवी लीग स्कूल' से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दूर रखने का उनका नया प्रयास है। 'आइवी लीग' हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत अमेरिका के आठ प्रतिष्ठित निजी विश्वविद्यालयों का समूह है। ट्रंप ने जिस शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए उसमें घोषणा की गई है कि हार्वर्ड को मैसाचुसेट्स के कैम्ब्रिज स्थित अपने परिसर में विदेशी छात्रों

को दाखिला देने की अनुमति देना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होगा। ट्रंप ने आदेश में लिखा, 'मैंने यह तय किया है कि उक्त वर्णित विदेशी नागरिकों के वर्ग का प्रवेश अमेरिका के हितों के लिए हानिकारक है क्योंकि मेरे विचार में हार्वर्ड के आचरण ने इसे विदेशी छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए अनुपयुक्त गंतव्य बना दिया है।'

यह देश के सबसे पुराने और सबसे धनी विश्वविद्यालय के साथ 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के टकराव की दिशा में एक और कदम है। बोस्टन की एक संघीय अदालत ने हार्वर्ड में अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर रोक लगाने से गृह सुरक्षा विभाग को पिछले सप्ताह रोक दिया था लेकिन ट्रंप का आदेश एक अलग कानूनी प्राधिकार का इस्तेमाल करता है। ट्रंप ने एक व्यापक संघीय कानून का हवाला दिया है जो राष्ट्रपति को उन विदेशियों को रोकने का अधिकार देता है जिनका प्रवेश 'अमेरिका के हितों के लिए हानिकारक' हो सकता है।

पाकिस्तान ने फिर ट्रंप के सामने फैलाए हाथ

इस्लामाबाद। आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक स्तर पर घिरे और अलग-थलग पड़ चुके पाकिस्तान ने एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति

भारत के साथ बातचीत में मदद के लिए गिड़गिड़ाए शहबाज

डोनाल्ड ट्रंप के साथ हाथ फैलाए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ बातचीत में मदद करने के लिए अमेरिका को आगे आने के लिए कहा है। इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहबाज ने भारत के साथ तनाव कम करने में ट्रंप की भूमिका की तारीफ की और वाशिंगटन से दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच

व्यापक वार्ता शुरू कराने के लिए प्रयास करने का आग्रह किया।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का बयान पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के उस बयान के समर्थन में आया, जिसमें बिलावल ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के लिए ट्रंप को श्रेय दिया गाय था। बिलावल ने दावा किया था कि दोनों देशों के बीच शत्रुता को समाप्त करने में मदद करने के लिए ट्रंप श्रेय के हकदार हैं। भुट्टो ने कहा था, 10 अलग-अलग मौकों पर उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम का श्रेय लिया है। यह सही भी है। वह इस श्रेय के हकदार हैं, क्योंकि उनके प्रयासों से ही युद्ध विराम संभव हो पाया। इसलिए अगर अमेरिका इस युद्ध विराम को बनाए रखने में पाकिस्तान की मदद करने को तैयार है, तो यह उम्मीद करना उचित है कि व्यापक वार्ता शुरू करने में अमेरिकी भूमिका हमारे लिए भी फायदेमंद होगी।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की होगी जांच

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्षमादान देने और अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा 'ऑटोपेन' का इस्तेमाल किए जाने की

पूर्व प्रशासन के अधिकारियों से होगी पूछताछ

जांच करने का बुधवार को आदेश दिया। इसके अलावा अमेरिकी संसद के निचले सदन-प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने भी बाइडन के करीबी सदस्यों से पूछताछ का अनुरोध किया है। 'ऑटोपेन' एक यांत्रिक उपकरण है जिसका उपयोग किसी व्यक्ति के प्रामाणिक हस्ताक्षर की नकल करने के लिए किया जाता है और अमेरिका के राष्ट्रपति दशकों से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन ट्रंप ने आरोप लगाया है कि बाइडन की कुछ कार्रवाइयां अमान्य थीं एवं उनके सहयोगियों ने राष्ट्रपति के अधिकार का दुरुपयोग किया ताकि बाइडन की 'सोचने- समझने की शक्ति कमजोर' होने की बात को छिपाया जा सके। ट्रंप ने एक ज्ञापन में लिखा, 'यह साजिश अमेरिकी इतिहास के सबसे खतरनाक और चिंताजनक घोटालों में से एक है।' उन्होंने कहा, 'अमेरिकी जनता से जानबूझकर यह छिपाया गया कि कार्यकारी शक्ति किसके पास है और बाइडन के हस्ताक्षर का इस्तेमाल हजारों दस्तावेजों पर किया गया ताकि बड़े नीतिगत बदलाव किए जा सकें।'

गाजा से दो इजरायली बंधकों के शव बरामद

तेल अवीव। इजरायल ने गाजा पट्टी से दो बंधकों के शव बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि ये दोनों लोग 7 अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के दौरान पकड़े गए थे। बंधकों को शव बरामद होने पर पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। नेतन्याहू ने बताया कि दोनों शव इस्राइली सेना और आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने मिलकर बरामद किए हैं। मृतकों की पहचान जुडीथ वेनस्टीन (70) और गाद हाग्गई (72) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों के शवों को इस्राइल वापस लाया गया है।

एक नज़र

पाक के साथ सैन्य सहयोग से बचे ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तानी सेना के साथ किसी भी तरह के सैन्य सहयोग या संपर्क से बचने की कड़ी चेतावनी दी है। यह चेतावनी नई दिल्ली में भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री व उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के बीच हुई महत्वपूर्ण वार्ता के दौरान दी गई। सूत्रों के अनुसार, भारत ने आशंका जताई कि पाकिस्तानी सेना के साथ किसी भी सैन्य सहयोग से ऑस्ट्रेलिया की रक्षा तकनीक चीन के हाथों में पहुंच सकती है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। इस पर मार्ल्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया का पाकिस्तान के साथ सैन्य संबंध बेहद सीमित और बहुत छोटा है। एक सवाल के जवाब में मार्ल्स ने कहा, देखिए, पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध बहुत मामूली हैं और हम स्पष्ट रूप से, दुनिया भर में हमारे सभी सहयोगों में लोगों से आतंकवाद के खिलाफ काम करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आग्रह करते हैं। लेकिन पाकिस्तान के साथ हमारा जुड़ाव बहुत छोटा है। दोनों देशों के बीच वार्ता ऐसे समय में हुई है जब ऑस्ट्रेलिया खुद चीन की बढ़ती सैन्य उपस्थिति को लेकर चिंतित है, खासकर इस साल फरवरी में तस्मान सागर में हुए लाइव-फायर नौसेना अभ्यास के बाद। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री मार्ल्स वर्तमान में दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के चार देशों- भारत, मालदीव, श्रीलंका और इंडोनेशिया की यात्रा पर हैं। इस यात्र का उद्देश्य क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है। दोनों नेताओं ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ितों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई थी। इसकी जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े समूह द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी।

पंजाब में सीमापार से हथियार तस्करी में दो गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ सीमा पार से हथियार तस्करी करने वाले मॉड्यूल का पर्दाफाश किया। उनके पास से पिस्तौल समेत छह अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों की पहचान तरनतारन निवासी सूरजपाल सिंह और अर्शदीप सिंह के रूप में हुई है। यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक विशिष्ट सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, तरनतारन पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े एक सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर गांव लखना से सूरजपाल सिंह और अर्शदीप सिंह को गिरफ्तार किया तथा छह अत्याधुनिक हथियार बरामद किए। डीजीपी ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है तथा आगे की जांच जारी है।

एनआईए ने जम्मू कश्मीर में मारे छापे

श्रीनगर। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आतंकवादी साजिश को लेकर विभिन्न आतंकवादी संगठनों से जुड़े लोगों के खिलाफ एक मामले की जांच के तहत जम्मू-कश्मीर में अनेक स्थानों पर बृहस्पतिवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि पुलवामा, कुलगाम, शोपियां, बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि आतंकवादी साजिश को लेकर विभिन्न आतंकवादी संगठनों के सहयोगियों के खिलाफ मामले में तलाशी ली जा रही है।

पाक में निजी कंपनी के 11 कर्मचारियों का अपहरण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा से आतंकवादियों ने गुरुवार को एक निजी कंपनी के 11 कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। हालांकि, पुलिस ने संदिग्धों का पीछा किया और अपहृत कर्मचारियों में से छह को बचा लिया। अलर्ट मिलने पर जिला पुलिस अधिकारी पुलिस अधीक्षक डेरा इस्माइल खान और आतंकवाद निरोधी विभाग के पुलिस अधीक्षक शकील खान अपनी टीमों के साथ मौके पर पहुंचे और तलाशी शुरू की। शेष पांच बंधकों को बचाने और संदिग्धों को पकड़ने के लिए फिलहाल तलाशी अभियान चल रहा है। एक निजी कंपनी के तीन वाहनों में सवार कर्मचारी इस्लामाबाद से क्वेटा जा रहे थे। तभी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में डोमंडा ब्रिज के पास उनका अपहरण कर लिया गया। एक अलग घटना में अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले के तिराह घाटी के निवासियों ने एक पाकिस्तानी सेना के सैनिक के अपहरण के प्रयास को विफल कर दिया।

12 देशों से अमेरिका की यात्रा पर प्रतिबंध सात राष्ट्रों के लोगों की एंट्री भी बैन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपने पहले कार्यकाल की यात्रा प्रतिबंध नीति को लागू कर दिया है। उन्होंने एक आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 12 देशों के लोगों को अमेरिका में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। यह प्रतिबंध सोमवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) 12.01 से प्रभावी होगा। ट्रंप ने जिन देशों के लोगों के अमेरिका आने पर रोक लगाई है, उनमें अफगानिस्तान, बर्मा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। इसके अलावा, सात राष्ट्रों के लोगों की एंट्री भी बैन की गई है। इन देशों में बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला शामिल हैं।

पहले कार्यकाल में भी सात मुस्लिम देशों पर लगाया था प्रतिबंध

अपने पहले कार्यकाल के दौरान, ट्रंप ने जनवरी 2017 में भी एक कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें सात मुस्लिम देशों के नागरिकों पर अमेरिका की यात्रा करने पर प्रतिबंध लगाया गया था। इन देशों में इराक, सीरिया, ईरान, सूडान, लीबिया, सोमालिया और यमन थे।

डोनाल्ड ट्रंप और पुतिन के बीच हुई बातचीत

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें साफ शब्दों में कहा है कि रूस, यूक्रेन

रूस यूक्रेनी हमले का देगा जवाब

के हालिया ड्रोन हमले का जवाब जरूर देगा। यह बातचीत बुधवार को फोन पर हुई, जो करीब 1 घंटे 15 मिनट तक चली। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके इस बातचीत की जानकारी दी। हालांकि बाद में ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर से इस पोस्ट को डिलीट कर दिया है।

ट्रंप के मुताबिक, पुतिन ने यूक्रेन की तरफ से रूसी एयरफील्ड्स (हवाई अड्डों) पर किए गए ड्रोन हमले का

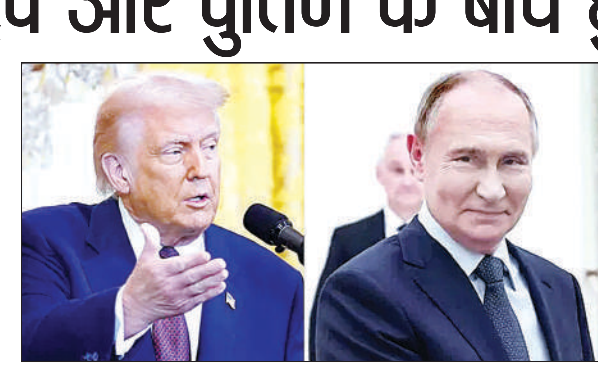

जिक्र किया और कहा कि इस हमले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पुतिन ने यह बात बहुत दृढ़ता से कही कि रूस इस पर कार्रवाई करेगा। ट्रंप ने लिखा, हमने यूक्रेन की तरफ से रूस के डॉक्स में खड़े विमानों पर किए गए हमले और दोनों पक्षों द्वारा चल रहे अन्य हमलों पर चर्चा की। यह एक अच्छा संवाद था, लेकिन इससे तात्कालिक शांति की उम्मीद नहीं की जा सकती। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि यह बातचीत शांति की ओर कोई ठोस कदम नहीं है, लेकिन दोनों देशों के बीच संपर्क बनाए रखना जरूरी है। यह बातचीत 19 मई के बाद ट्रंप और पुतिन के बीच पहली बार हुई है। इस फोन कॉल के दौरान ट्रंप और पुतिन ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी गंभीर बातचीत की। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने पुतिन से कहा कि ईरान को किसी भी हालत में परमाणु हथियार नहीं बनाने दिए जाने चाहिए, और इस मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच सहमति दिखी। ट्रंप ने लिखा, मैंने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता, और मुझे लगता है कि इस मुद्दे पर हमारी राय एक जैसी है। ट्रंप के अनुसार, पुतिन ने यह भी संकेत दिया कि वे ईरान के साथ हो रही बातचीत में हिस्सा लेने को तैयार हैं और इस मुद्दे को जल्दी हल करने में मदद कर सकते हैं।

तुर्की एयरलाइंस के विमान में मिले विस्फोटक

नई दिल्ली। भारत ने तुर्की की सरकारी एयरलाइन टर्किश एयरलाइंस को सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी चेतावनी दी है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु हवाई अड्डों पर 29 मई से 2 जून के बीच की गई औचक

डीजीसीए ने दी सख्त चेतावनी

निरीक्षण में कई गंभीर खामियां उजागर हुई, जिनमें एक उड़ान में विस्फोटक सामग्री भी मिली, जिसकी न तो अनुमति ली गई थी और न ही इसका खुलासा किया गया था।

एक कार्गो उड़ान में खतरनाक वस्तुएं पाई गईं, जिनमें विस्फोटक पदार्थ शामिल थे। इन विस्फोटकों को भारत के ऊपर से ले जाने या भारत में लाने के लिए डीजीसीए की विशेष अनुमति आवश्यक होती है, लेकिन न तो ऐसी अनुमति ली गई थी और न ही इसका खुलासा किया गया था। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि ग्राउंड ऑपरेशन को हैंडल कर रहे कर्मचारियों के पास न तो प्राधिकृत प्रमाण पत्र था

और न ही वैध दक्षता कार्ड। साथ ही, विमान की लैंडिंग पर कोई मान्यता प्राप्त रखरखाव इंजीनियर मौजूद नहीं था और उसकी जगह एक तकनीशियन ने पूरी प्रक्रिया अंजाम दी। डीजीसीए ने पाया कि टर्किश एयरलाइंस और उसके ग्राउंड हैंडलिंग एजेंट के बीच कोई सेवा स्तर समझौता मौजूद नहीं था। इसके अलावा ग्राउंड इक्विपमेंट की ठोस निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था भी नहीं पाई गई। नागर विमानन मंत्रालय ने स्पष्ट कहा है कि तुर्की एयरलाइंस की भारत में सभी उड़ानें अब डीजीसीए की सख्त निगरानी में रहेंगी और आवश्यकता पड़ने पर फॉलो-अप निरीक्षण भी किए जाएंगे ताकि सतत सुरक्षा निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि ये निरीक्षण सीधे उन विमानों पर किए गए जो टर्किश एयरलाइसं भारत में संचालित कर रही है। डीजीसीए की चेतावनी से टर्किश एयरलाइंस पर नियमों का सख्ती से पालन करने का दबाव बनेगा। भविष्य में ऐसी कोई चूक पाई गई, तो फ्लाइट परमिट रद्द होने तक की कार्रवाई हो सकती है।

एनसीपी : दोनों गुटों के विलय पर कोई चर्चा या प्रस्ताव नहीं

मुंबई। एनसीपी (सपा) सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के एक साथ आने पर कोई चर्चा या प्रस्ताव नहीं आया है। शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के दो गुटों के विलय को लेकर राजनीतिक हलकों में चल रही चर्चा के बारे में पूछे जाने पर सुले ने संवाददाताओं से कहा कि कोई बड़ा बवाल नहीं है, जैसा कि बताया जा रहा है। एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और पार्टी प्रमुख शरद पवार की बेटी ने कहा कि आप हमें अगले कुछ दिनों में (विपक्षी) इंडिया गठबंधन की बैठक में देखेंगे, जब यह बैठक बुलाई जाएगी। एनसीपी (सपा) प्रमुख और उनके भतीजे अजित पवार ने हाल के दिनों में कई मौकों पर मुलाकात की है, जिससे राजनीतिक हलकों में सुलह की अटकलें तेज हो गई हैं। जुलाई 2023 में, अजित पवार कई एनसीपी नेताओं के साथ भाजपा-शिवसेना राज्य सरकार में शामिल हो गए, जिससे शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी में विभाजन हो गया। सुप्रिया सुले ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह पहलगाम हमले को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग वाले विपक्ष के पत्र पर हस्ताक्षर नहीं कर सकीं, क्योंकि वह विदेश यात्रा पर गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल थीं।

इमोशनल सीन में सचमुच रो पड़ीं सिमरन कौर!

पॉपुलर ड्रामा 'जमाई नं. 1' लगातार दर्शकों को अपनी हाई-वोल्टेज कहानी और इमोशनल पलों से जोड़कर रख रहा है। हाल के एपिसोड में कहानी एक चौंकाने वाला मोड़ लेती है जब नील (अभिषेक मलिक) पर सायली (सोनल वेंगुर्लेकर) की ओर से छेड़छाड़ का झूठा आरोप लगाया जाता है और पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। इस उथल-पुथल के बीच, सिमरन कौर ने नील की समर्पित पत्नी रिद्धि के रूप में एक बेहद इमोशनल और दमदार परफॉर्मेंस दी, जिसने दर्शकों को भीतर तक झकझोर दिया। इस सीन को खास बनाने वाली बात ये थी कि सिमरन ने इसे एक ही टेक में शूट किया, वो भी इतनी गहरी भावनात्मक तीव्रता के साथ कि दृश्य स्क्रीन पर पूरी तरह जीवंत हो उठा। शूट से पहले उन्होंने खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया, चुपचाप स्क्रिप्ट पढ़ी और खुद को किरदार की मानसिक स्थिति में ढाल लिया। उनकी यह मेथड एक्टिंग नज़र आई उस सीन में, जो टीवी पर बहुत कम देखने को मिलता है। सिमरन कौर कहती हैं, ''जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे समझ आ गया कि ये सीन बेहद चैलेंजिंग होने वाला है, लेकिन उतना ही खास भी। मैं इसे सिर्फ़ एक्टिंग की तरह नहीं करना चाहती थी - मैं वाकई वो हर भावना महसूस करना चाहती थी जो रिद्धि उस पल में महसूस कर रही थी। मैंने खुद को कमरे में बंद किया, शांत बैठी रही, और खुद से पूछा - ''अगर आपके किसी अपने पर ऐसा आरोप लगे, और आप कुछ कर भी न सकें, तो क्या महसूस होगा?'' वो बेबसी, वो तड़प, वो गुस्सा... सब एक साथ उमड़ पड़ा। और फिर जब कैमरा शुरू हुआ, मैंने खुद को पूरी तरह सीन के हवाले कर दिया। वो एक ही टेक था, लेकिन उसमें मैं पूरी तरह बह गई थी। सेट पर पूरा माहौल शांत हो गया था।'' गौरतलब है कि 'जमाई नं. 1', रोज रात 11 बजे ज़ी टीवी पर प्रसारित है।

बकरीद: खुशी, रिश्तों और यादों का जश्न

ईद-अल-अदहा यानि बकरीद ऐसा पर्व है जो कुर्बानी, शुक्रगुज़ारी और इंसानियत की भावना को एकजुट करता है। यह सिर्फ रस्मों और दावतों तक सीमित नहीं होता, बल्कि बचपन से लेकर आज तक के यादगार लम्हों की भी सौगात लेकर आता है। एण्डटीवी के कलाकारों ने इसी जज़्बे को बयां करते हुए अपने कुछ बेहद खास और भावनात्मक अनुभव साझा किए हैं। 'भाबीजी घर पर हैं' में मनमोहन तिवारी का किरदार निभा रहे रोहिताश्व गौड़ और 'हप्पू की उलटन पलटन' में मलाइका सिंह की भूमिका में नजर आने वाली सोनल पंवार ने बताया कि कैसे बचपन में दोस्तों और पड़ोसियों के साथ मिलकर उन्होंने ईद-अल-अधा मनाई-जहां सिर्फ स्वादिष्ट खाने की खुशबू नहीं, बल्कि रिश्तों की गर्माहट और अपनापन भी था। इन यादों की मिठास आज भी उनके त्योहार को खास बनाती है और यह एहसास

दिलाती है कि त्योहार मनाने का असली मतलब दिलों को जोड़ना है। 'हप्पू की उलटन पलटन' में मलाइका सिंह का किरदार निभा रहीं सोनल पंवार ने बकरीद की अपनी प्यारी यादें साझा करते हुए कहा, ''यह त्योहार दया, प्यार, स्वाद और मुस्कुराहटें बाँटने का अवसर है। मेरी तरफसे सभी को ईद मुबारक!'' 'भाबीजी घर पर हैं' में मनमोहन तिवारी का किरदार निभा रहे रोहिताश्व गौड़ ने कहा '' मैं 'भाबीजी घर पर हैं' के सेट पर ईद का बेसब्री से इंतज़ार करता हूँ।

बाजार दर्पण